@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
मंगलवार, 6 फरवरी 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 67 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

हमारा तीसरा कार्यकाल दूर नहीं, 100-125 दिन ही रह गए: प्रधानमंत्री मोदी

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 5 फरवरी। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा में धन्यवाद प्रस्ताव किया। इस दौरान उन्होनें विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। बता दें कि वर्तमान में संसद में बजट सत्र जारी है। सत्र की शुरुआत राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अभिभाषण से हुई थी। पीएम मोदी आज इसी अभिभाषण के लिए राष्ट्रपति को धन्यवाद ज्ञापित किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हमने पहले के मुकाबले दो गुना से ज्यादा मामले दर्ज किए हैं। कांग्रेस के कार्यकाल में ईडी ने पांच हजार करोड़ की संपत्ति को पकड़ा था। हमारे कार्यकाल में ईडी ने एक लाख करोड़ की संपत्ति जब्त की है। जिनका इतना माल पकड़ा जाता है। नोटों के ढेर पकड़े जाते हैं। देश नोटों के ढेर देखकर चौंक गया है। यहां पर बहुत गुस्सा व्यक्त किया गया है। जितना सख्त शब्दों में गुस्सा व्यक्त किया गया है। उनका दर्द मैं समझता हूं। उनकी मुसीबत और गुस्सा मैं समझता हूं..क्योंकि तीर निशाने पर लगा है। भ्रष्टाचार पर एजेंसियां कार्रवाई कर रही हैं। उसको लेकर भी इतना गुस्सा..क्या-क्या शब्दों का इस्तेमाल किया जा रहा है। दस साल पहले हमारे सदन का पूरा समय घोटाले के चर्चों पर जाती थी। भ्रष्टाचार की चर्चा पर जाता था। लगातार कार्रवाई की

मांग होती थी और आज जब भ्रष्टाचारियों पर कार्रवाई की जा रही है, लोग उनके समर्थन में हंगामा करते हैं। इनके समय में एजेंसियों का सिर्फ और सिर्फ राजनीतिक इस्तेमाल किया जाता था। उनको काम नहीं करने दिया जाता था। प्रधानमंत्री ने कहा, यूपीए शासन काल में महंगाई दोहरे अंक में थी। इसको नकार नहीं सकते हैं। उस समय सरकार का तर्क था कि महंगी आईसक्रीम खा रहे हो तो महंगाई का रोना क्यों रो रहे हो। जब भी कांग्रेस आई है तो उसने महंगाई बढ़ाई है। हमारी सरकार ने महंगाई को नियंत्रण में रखा है। दो युद्ध और सौ साल में आए संकट के बावजूद महंगाई नियंत्रण में है। आज हमारी नारी शक्ति... ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई ताकत दे रही है। आज महिला स्वयं सहायता समूह से 10 करोड़ बहनें जुड़ी हैं। आज देश में करीब-करीब 1 करोड़ लखपति दीदी बनी हैं। हमारा लक्ष्य 3 करोड़ लखपति दीदी बनाने का है। उन्होंने कहा, जिस कर्पूरी ठाकुर ने पूरा जीवन लोकतंत्र के सिद्धांतों, संविधान की मर्यादाओं के लिए खपा दिया, उनका अपमान करने का काम कांग्रेस पार्टी ने किया था। उन्होंने कहा, अंतरिक्ष से लेकर ओलंपिक तक, सशस्त्र बलों से संसद तक नारी शक्ति के सामर्थ्य की गूंज उठ रही है। नारी सशक्तिकरण को आज देश ने देखा है। उत्तर से दक्षिण तक, पूर्व से पश्चिम तक लोगों ने दशकों से अटकी-भटकी लटकी योजनाओं को समय से पूरा होते देखा है। उन्होंने कहा, हमारे देश में बेटियों के संबंध में जो पहले सोच थी। आज वह सोच तेजी से बदल रही है। थोड़ा बारीकी से देखेंगे तो पाएंगे कि कितना सुखद बदलाव आ रहा है। पहले बेटी का अगर जन्म होता था तो चर्चा होती थी कि खर्चा कैसे उठाएंगे। उसको कैसे पढ़ाएंगे। इस तरह की चर्चा होती थी कि उसकी आगे की जिंदगी बोझ है। आज बेटी पैदा होती है तो पूछा जाता है कि सुकन्या समृद्धि खाता खुला या नहीं खुला। उन्होंने कहा, भगवान राम न सिर्फ अपने घर लौटे, बल्कि एक ऐसे मंदिर का निर्माण हुआ, जो भारत की महान संस्कृति-परंपरा को नई ऊर्जा देता रहेगा। प्रधानमंत्री ने कहा, कांग्रेस का विश्वास हमेशा एक परिवार पर रहा है। एक परिवार के आगे न कुछ सोच सकते हैं और न ही कुछ देख सकते हैं। उन्होंने कहा, हमने अपने पहले कार्यकाल में यूपीए के समय के जो गड्ढे थे, उस गड्ढे को भरने काफी समय और शक्ति लगाई। हमने अपने दूसरे कार्यकाल में नए भारत की नींव रखी और तीसरे कार्यकाल में हम विकसित भारत के निर्माण को नई गति देंगे।उन्होंने कहा, हमारा तीसरा कार्यकाल बहुत बड़े फैसलों का होगा...मैंने लाल किले से कहा था और राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के समय भी दोहराया था कि देश को अगले हजार वर्षों तक समृद्ध और सिद्धि के शिखर पर देखना चाहता हूं।

1991 के पूजा स्थल कानून को रद्द करने की मांग: हरनाथ सिंह

कौमी संवाददाता

नई दिल्ली, 5 फरवरी। राज्यसभा में शून्यकाल के दौरान भाजपा सांसद हरनाथ सिंह यादव ने सोमवार को पूजा स्थल अधिनियम, 1991 को तत्काल प्रभाव से रद्द करने की मांग की है। आरोप लगाया कि यह कानून संविधान के तहत हिंदुओं, सिखों, जैनियों और बौद्धों के धार्मिक अधिकारों को उल्लंघन करता है।

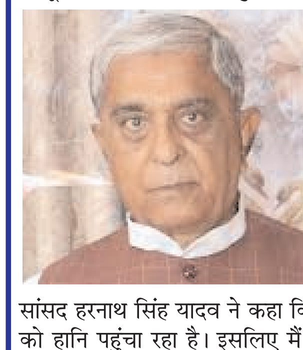

उन्होंने यह भी दावा किया कि यह कानून देश में सांप्रदायिक सद्भाव को नुकसान पहुंचा रहा है। उन्होंने कहा कि पूजा स्थल अधिनियम पूरी तरह से अतार्किक और असंवैधानिक है। यह संविधान के तहत हिंदुओं, सिखों, बौद्धों और जैनियों के धार्मिक अधिकारों को पूरी तरह से छीन लेता है। भाजपा सांसद हरनाथ सिंह यादव ने कहा कि यह भारत की सांप्रदायिक सद्भाव को हानि पहुंचा रहा है। इसलिए मैं सरकार से देश हित में इस कानून को तुंरत रद्द करने का आग्रह करता हूं। बता दें यह कानून किसी भी पूजा स्थल के रूपांतरण पर रोक लगाता है और किसी भी पूजा स्थल के धार्मिक चरित्र को बनाए रखने का प्रावधान करता है, जैसा कि वह 15 अगस्त 1947 को अस्तित्व में था। भाजपा सांसद हरनाथ सिंह यादव की यह मांग वाराणसी में ज्ञानवापी मस्जिद परिसर और मथुरा में कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मुकदमे से जुड़े चल रहे कानूनी झगड़े की बीच आई है। हरनाथ सिंह यादव ने कहा कि यह हिंदुओं, सिखों, जैनियों और बौद्धों के धार्मिक अधिकारों को पूरी तरह से प्रभावित करता है। भाजपा सांसद हरनाथ सिंह यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस टिप्पणी की भी सराहना की जिसमें उन्होंने कहा था कि जो लोग आजादी के बाद लंबे समय तक सत्ता में रहे, वे पूजा स्थलों के महत्व को नहीं समझ सके। राजनीतिक कारणों उन्होंने अपनी ही संस्कृति पर शर्मिदा होने की प्रवृत्ति बना ली है।

भुजबल जिस भी पार्टी में रहे, उसे नुकसान पहुंचाया: जरांगे

तेजिन्दर कौर बब्बर

मुंबई, 5 फरवरी। मराठा सामाजिक कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने छगन भुजबल पर आरोप लगाया है कि वे मराठा आरक्षण को लेकर जो बयानबाजी कर रहे हैं, उससे डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार को नुकसान पहुंचा रहे हैं। छगन भुजबल ने आरोप लगाया है कि सरकार मराठाओं को आरक्षण देने के लिए ओबीसी आरक्षण में पिछले दरवाजे से एंट्री करा रही है। भुजबल, अजित पवार की एनसीपी का हिस्सा हैं। भुजबल ने ये भी आरोप लगाया है कि मराठाओं को आरक्षण के लिए जो डाटा इकट्ठा किया गया है, उसमें भी काफी खामियां हैं। भुजबल ने कहा है कि उन्होंने नवंबर में ही इस्तीफा दे दिया था। जालना के अंतरवाली सराती गांव में मीडिया से बात करते हुए जरांगे ने कहा वे (भुजबल) कुछ नहीं समझते। ये कानून है, एक सरकार है और पढ़े-लिखे लोगों की समिति इस पर काम कर रही है, लेकिन भुजबल अपनी ही सरकार पर सवाल उठा रहे हैं। वह डिप्टी सीएम फडणवीस और अजित पवार को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं। जरांगे ने कहा मुझे लगता है कि भुजबल

चाहते हैं कि लोग भूख से मर जाएं फिर चाहे वो मराठा हों या फिर किसी अन्य जाति के। पिछड़े वर्ग को समझना चाहिए और भुजबल का साथ नहीं देना चाहिए। जरांगे ने दावा किया भुजबल जिस पार्टी में रहते हैं, उसे ही नुकसान पहुंचाते हैं। अगर वे इस्तीफा देना चाहते हैं तो दे दें, लेकिन मराठा आरक्षण के खिलाफ न बोलें। महाराष्ट्र सरकार में मंत्री छगन भुजबल ने शनिवार को खुलासा किया कि उन्होंने पिछले साल 16 नवंबर को राज्य मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया था। भुजबल ने कहा कि वह दो महीने से अधिक समय तक चुप रहे, क्योंकि मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री ने उन्हें इस बारे में नहीं बोलने के लिए कहा था। अब डिप्टी सीएम फडणवीस ने मीडिया से बात करते हुए कहा, मुख्यमंत्री इस पर स्पष्टीकरण दे पाएंगे, लेकिन मैं अभी केवल इतना ही कह सकता हूं कि भुजबल का इस्तीफा मैंने या मुख्यमंत्री ने स्वीकार नहीं किया है। संजय राउत ने भुजबल के इस्तीफे की बात को बकवास करार दिया है। शनिवार को अहमदनगर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए संजय राउत ने कहा ऐसा कहा जा रहा है कि भुजबल की बयानबाजी के पीछे देवेंद्र फडणवीस हैं ताकि आरक्षण आंदोलन को हैंडल किया जा सके। राउत ने दावा किया कि दोनों मिले हुए हैं। संजय राउत ने कहा कि वे जानना चाहते हैं कि छगन भुजबल ने अगर इस्तीफा दिया है तो उनका इस्तीफा सीएम शिंदे ने स्वीकार किया है या फडणवीस ने।

निजी क्षेत्र की नौकरियों में आरक्षण कानून पर केंद्र से मांगा जवाब: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 5 फरवरी। राज्य के निवासियों के लिए निजी क्षेत्र की नौकरियों में 75 प्रतिशत आरक्षण देने वाले कानून को असंवैधानिक घोषित करने के पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ हरियाणा सरकार की याचिका पर सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से जवाब मांगा है। सुनवाई के दौरान दो जजों की खंडपीठ ने हरियाणा द्वारा दायर अपील पर केंद्र और फरीदाबाद इंडस्ट्रीज एसोसिएशन को भी नोटिस जारी किया है। हरियाणा सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि हाईकोर्ट का फैसला पूरी तरह तर्कहीन था। बता दें हरियाणा सरकार ने 17 नवंबर 2023 के हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रूख किया था। हाईकोर्ट ने फैसले में कहा था कि रिट याचिकाओं को अनुमति दी जानी चाहिए। हरियाणा राज्य स्थानीय उम्मीदवारों के रोजगार अधिनियम, 2020 को असंवैधानिक माना गया है। यह लागू होने की तारीख से ही अप्रभावी हो जाएगा। हाईकोर्ट ने 15 जनवरी, 2022 से लागू होने वाले अधिनियम के खिलाफ कई याचिकाएं स्वीकार की थीं और राज्य के उम्मीदवारों को निजी क्षेत्र की नौकरियों में 75 प्रतिशत आरक्षण प्रदान किया था। इसमें अधिकतम सकल मासिक वेतन या 30,000 रुपये तक की मजदूरी देने वाली नौकरियां शामिल थीं। हाईकोर्ट की राय थी कि इस मुद्दे पर कानून बनाना और निजी नियोक्ताओं को 30,000 रुपये प्रति माह से कम वेतन पाने वाले कर्मचारियों की श्रेणी के लिए खुले बाजार से भर्ती करने से रोकना राज्य के अधिकार क्षेत्र से बाहर है। बता दें इस कानून के तहत राज्य के निवासियों के लिए निजी क्षेत्र की नौकरियों में 75 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करना है।

पूरी दुनिया को भारत की जरूरत: मोहन भागवत

मुंबई, 5 फरवरी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने सोमवार को अयोध्या में 22 जनवरी को रामलला की प्रा प्रतिष्ठा को एक साहसी कार्य बताया है। उन्होंने आगे कहा कि यह कार्य केवल भगवान के आशीर्वाद और इच्छा के कारण ही हो पाया है। महाराष्ट्र में पुणे जिले के आलंदी में गीता भक्ति अमृत महोत्सव में अपने संबोधन के दौरान भागवत ने कहा कि भारत को अपने कर्तव्य के लिए उठना होगा।

अगर यह किसी भी कार से समर्थ नहीं हुआ तो जल्द ही पूरे विश्व को विनाश का सामना करना पड़ सकता है। मोहन भागवत ने बताया कि रामलला 22 जनवरी को पहुंचे। लंबे संघर्ष के बाद यह एक साहस भरा काम था। उन्होंने कहा, आज की पीढ़ी के लिए यह सौभाग्य है कि उन्हें रामलला को अपने स्थान पर देखने का मौका मिला। यह केवल भगवान के आशीर्वाद और इच्छा के कारण ही सफल हो पाया है। भागवत ने बताया कि उन्हें भी रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होने का मौका मिला। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि भारतवर्ष को ऊपर उठना होगा, क्योंकि पूरी दुनिया को भारत की जरूरत है। उन्होंने कहा, अगर किसी कारण से भारत नहीं उठ पाया तो पूरी धरती को विनाश का सामना करना पड़ेगा। इस तरह की स्थिति बनी हुई है, जिससे बारे में दुनियाभर के बुद्धिजीवी जानते हैं। उन्होंने इस पर बात भी की है। बता दें कि गीता भक्ति अमृत महोत्सव गीता परिवार द्वारा आयोजित किया गया है। यह गोविंद देव गिरिजी महाराज की 75वीं जयंती का एक भव्य उत्सव है।

छिंदवाड़ा से ही लड़ेंगे नकुलनाथ चुनाव

छिंदवाड़ा, 5 फरवरी। मध्यप्रदेश में लोकसभा चुनाव की हलचल शुरू हो गई है। दोनों पार्टियां मैदान पकड़ने लगी हैं। इस बीच प्रदेश में एकमात्र कांग्रेस सांसद नकुलनाथ का बयान सियासी गलियारों में चर्चा बना हुआ है। एक तरफ तो कांग्रेस के नेता कहते नजर आ रहे हैं कि लोकसभा का टिकट तय करने का फॉर्मूला बनाया गया है। पर कांग्रेस सांसद नकुलनाथ पहले ही अपने नाम का एलान कर रहे हैं। नकुलनाथ ने ये एलान छिंदवाड़ा के परासिया विधानसभा के परिणय लॉन में आयोजित एक जनसभा में कर दिया। इस बयान के कई मायने निकाले जा रहे हैं। पहला कयास लगाया जा रहा है कि इस एलान से स्पष्ट हो गया है कि छिंदवाड़ा से नकुलनाथ चुनाव लड़ने की मंशा रखते हैं तो कमलनाथ लोकसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे। दरअसल पिछले कई दिनों से पूर्व सीएम कमलनाथ के लोकसभा चुनाव लड़ने की अटकलें लगाई जा रही थीं। चार दिनों के प्रवास पर पूर्व सीएम कमलनाथ और सांसद नकुलनाथ छिंदवाड़ा पहुंचे हैं। इसके चलते सोमवार को वे सुबह राम-राम पत्रकों की पूजा अर्चना के बाद परासिया में जनसभा लेने पहुंचे थे। लोकसभा चुनाव के चंद महीने बाकी रह गए हैं। इससे पहले ही सांसद नकुलनाथ अपने पिता पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के साथ लगातार एक्टिव नजर आ रहे हैं। उन्होंने आज शिकारपुर निवास पर जहां विभिन्न ब्लॉक के कांग्रेस पदाधिकारी की बैठक ली, तो वहीं परासिया में जनसभा को संबोधित किया। दो दिन पहले भी वह सौसर के नादनवाड़ी और चौरई के सिरेगाव पहुंचे थे।

चंपई सरकार ने हासिल किया विश्वास मत

सौरभ शर्मा

रांची, 5 फरवरी। झारखंड में फ्लोर टेस्ट के बाद भाजपा विधायक सीपी सिंह ने ककहा कि उनके पास बहुमत था और उन्होंने विश्वास मत जीत लिया। इसमें आश्चर्य की कोई बात नहीं है। लेकिन ध्यान रहे इससे सरकार के पाप नहीं दूर होंगे। जल्द ही सब उजागर हो जाएगा, दोषियों को सजा भुगतनी पड़ेगी। उन्होंने कहा कि चंपई सोरेने निर्दोष हैं, वे तो सिर्फ रबर स्टांप हैं। उन्होंने लॉचरी जीती और सीएम बन गए। जब वे सीएम नहीं रहेंगे तो उन्हें पूर्व सीएम का भी लाभ मिलेगा। अगर वो हेमंत सोरेन की गलतियों को नहीं दोहराएंगे, तो ईडी-सीबीआई के चक्कर के फेर से बचे रहेंगे। फ्लोर टेस्ट के बाद झारखंड कांग्रेस विधायक इरफान अंसारी ने कहा कि हमारे प्रभारी ने भी कहा था कि चार मंत्रियों का प्रदर्शन अच्छा नहीं है। उन्होंने जल्द हटाया जाएगा। यह हाईकमान को देखना है। पूर्व सीएम हेमंत सोरेन के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि वो आएंगे, हमारे राम आएंगे। फ्लोर टेस्ट के बाद झारखंड के सीएम चंपई सोरेन ने कहा कि हेमंत सोरेन ने जो योजनाओं का खाका बनाया है, उस पर तेजी से काम होगा। हम जनता के हित में काम करेंगे। भाजपा नेताओं का दावा है कि कई झामुमो विधायक जल्द

ही पार्टी छोड़ देंगे। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए सीएम ने कहा कि महाराष्ट्र और अन्य जगहों से यह आदलतें हैं। हम इस तरह की परंपरा और संस्कृति से दूर हैं। जल्द 2-3 दिनों में कैबिनेट विस्तार हो जाएगा। झारखंड के मंत्री बन्ना गुप्ता ने भाजपा पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने जो साजिश रची थी उसका खात्मा लोकतंत्र के मंदिर में हो गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा के पास बहुमत नहीं था। वे लोकतंत्र की हत्या करके राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाना चाहते थे, लेकिन वे ऐसा नहीं कर सकें। हमारे पास 49 विधायक है। जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि राज्यपाल हर जगह पक्षपात कर रहे हैं। तमिलनाडु, केरल, मणिपुर, जम्मू कश्मीर, झारखंड, बिहार। राज्यपाल वही करते हैं, जो गृह मंत्रालय और पीएमओ उनसे कहता है। विधानसभा की कार्यवाही के बाद हेमंत सोरेन ईडी की टीम के साथ वापस चले गए हैं। चंपई सोरेन सरकार के विश्वास मत जीतने पर कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा इसमें कोई शक नहीं था। हमने पहले ही कहा था कि हम अच्छे बहुमत से विश्वास मत जीतेंगे। 47 विधायक समर्थन में थे। ऑपरेशन कीचड़ फेल हो गया। भाजपा ने हेमंत सोरेन को पहले गिरफ्तार कराया फिर चंपई सोरेन के शपथ ग्रहण समारोह में देरी कराई। भाजपा असफल रही और हमारी सरकार जारी रहेगी। हम एक बार फिर जनता से अपने काम के आधार पर बहुमत लेने के लिए काम करेंगे।

चुनाव प्रचार अभियान में बच्चों का इस्तेमाल न करें राजनीतिक दल: निर्वाचन आयोग

नई दिल्ली, 5 फरवरी। लोकसभा चुनाव से पहले निर्वाचन आयोग ने सोमवार को राजनीतिक दलों से पोस्टरों एवं पर्चों में प्रचार के लिए किसी भी रूप में बच्चों का इस्तेमाल करने से मना किया है। राजनीतिक दलों को भेजे परामर्श में निर्वाचन आयोग ने दलों और उम्मीदवारों द्वारा चुनावी प्रक्रिया के दौरान किसी भी तरीके से बच्चों का इस्तेमाल किए जाने के प्रति अपनी कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति से अवगत कराया। आयोग ने कहा, किसी भी तरीके से राजनीतिक प्रचार अभियान चलाने के लिए बच्चों के इस्तेमाल पर भी यह प्रतिबंध लागू है, जिसमें कविता, गीत, बोले गए शब्द, राजनीतिक दल या उम्मीदवार के प्रतीक चिह्न का प्रदर्शन शामिल है। उन्होंने आगे कहा कि यदि कोई नेता जो किसी भी राजनीतिक दल की चुनाव प्रचार गतिविधि में शामिल नहीं है और कोई बच्चा अपने माता-पिता या अभिभावक के साथ उसके समीप केवल मौजूद होता है तो इस परिस्थिति में यह दिशानिर्देशों का उल्लंघन नहीं माना जाएगा। मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने आगामी संसदीय चुनावों के मद्देनजर लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखने में उनसे सक्रिय भागीदार बनने का आग्रह किया है।

सीएम नीतीश कुमार सरकार पर जीतन राम मांझी गरम

पटना, 5 फरवरी। राष्ट्रीय जनता दल के साथ नीतीश कुमार की तत्कालीन सरकार को हम पार्टी के सुप्रीमो पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी लगातार खेला होने की बात कहकर

सरकार के गिरने की बात कहते आ रहे थे। उनके इस बात पर जनता दल यूनाइटेड और राष्ट्रीय जनता दल के नेता उनपर चुटकी भी लेते थे। अब जनता दल यूनाइटेड और भारतीय जनता पार्टी की सरकार है और पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी अपने बेटे संतोष कुमार सुमन के साथ इस सरकार में मंत्री हैं लेकिन बावजूद इसके वह अपनी ही सरकार पर भड़ास निकाल रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी गया जिले के वजीरगंज विधानसभा क्षेत्र में हम पार्टी के एक कार्यक्रम में पहुंचे थे। उस कार्यक्रम में हम पार्टी के सुप्रीमो पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी मुख्य अतिथि थे। उस दौरान सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 1984 से 2013 तक मुझे और मेरे बेटे संतोष कुमार सुमन को सिर्फ अनूसूचित जाति कल्याण विभाग ही मिला है। इसके अलावे अन्य कोई दूसरा विभाग नहीं मिला है। हमलोगों को सिर्फ सड़क बनवाना, पुल-पुलिया निर्माण, चापाकल लगवाना अब सिर्फ यही सब काम हमलोगों को बच गया है। यह बात मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को समझना चाहिए। जीतनराम मांझी ने कहा कि नीतीश कुमार ने ही मुझे मुख्यमंत्री बनाया था, लेकिन जब हम काम करने लगे तो लोगों ने उन्हें समझाया कि जीतन राम मांझी जिस तरह से काम कर रहे हैं उस स्थिति में कहीं ऐसा न हो कि लोग नीतीश कुमार को भूल जाएं। जीतनराम मांझी ने इशारे इशारे में कहा कि हम पीएम नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार के साथ हैं, पर अपनी हक की लड़ाई के लिए अगर मुझे विधानसभा सभा चुनाव में भी जाना पड़ा तो हम जाएंगे। जीतनराम मांझी ने स्पष्ट रूप से कहा कि हमारे बिना किसी का कल्याण होने वाला नहीं है।

यूपी सरकार की इतिहास का सबसे बड़ा बजट

नरेश मल्होत्रा

लखनऊ, 5 फरवरी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में वित्तमंत्री सुरेश खन्ना ने वित्तीय वर्ष 2024-25 का वार्षिक बजट प्रस्तुत किया। सोमवार को विधानसभा में प्रस्तुत बजट प्रदेश के इतिहास में अबतक का सबसे बड़ा बजट है। बजट का आकार 7 लाख 36 हजार 437 करोड 71 लाख रुपये (7,36,437.71 करोड़ रुपये) है। सपा नेता शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि सरकार हर बार सबसे बड़ा बजट पेश करती है पर उसे खर्च नहीं कर पाती है। प्रदेश में भ्रष्टाचार चरम पर है। इस बजट से भी कुछ लोगों का ही लाभ होगा जनता को कोई लाभ नहीं होगा। जनता बेरोजगारी और महंगाई से परेशान है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने यूपी सरकार द्वारा वित्त वर्ष 2024-25 के लिए पेश किए गए बजट पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार के बजट का 90 प्रतिशत हिस्सा सिर्फ 10 प्रतिशत सम्पन्न लोगों के लिए है और 90 प्रतिशत लोगों के लिए सिर्फ 10 प्रतिशत दिया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने युवाओं को नौकरियां देने के लिए कुछ नहीं किया है। बजट में रोजगार देने की बात कही गई है। कहा गया है कि प्रदेश में 40 करोड़ का निवेश आएगा और इससे एक करोड़ से ज्यादा रोजगार पैदा होगा। सरकार ने ये नहीं बताया कि अब तक कितना निवेश आया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में ईज ऑफ डूइंग करप्शन बढ़ा है। ईज ऑफ डूइंग क्राइम हुआ है और ईज ऑफ डूइंग चीटिंग बढ़ी है। आज विधान सभा के बजट सत्र में भाग लिया। वित्तीय वर्ष 2024-25 का बजट मा. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के कुशल नेतृत्व में प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का मजबूत आधार स्तम्भ बनेगा। मैं मा. मुख्यमंत्री जी को धन्यवाद देती हूँ जिन्होंने बजट सत्र के दौरान राम मंदिर निर्माण में हम लोगों द्वारा समर्पित सहयोग राशि की प्रशंसा की। यह हम सभी रायबरेली वासियों के लिए गर्व की बात है कि हम सब रामलला के भव्य मंदिर निर्माण में अपना सहयोग दे पायें। जय श्रीराम। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि हमने प्रदेश में बेरोजगारी को नियंत्रित किया है जो कि अब 2.4 फीसदी के आसपास है। कानून व्यवस्था सुदृढ़ होने से निवेश का माहौल बना है जिससे कि आने वाले समय में भी लाखों रोजगार पैदा होंगे। उन्होंने बताया कि प्रदेश को 40 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं जिससे एक करोड़ से अधिक रोजगार पैदा होंगे।

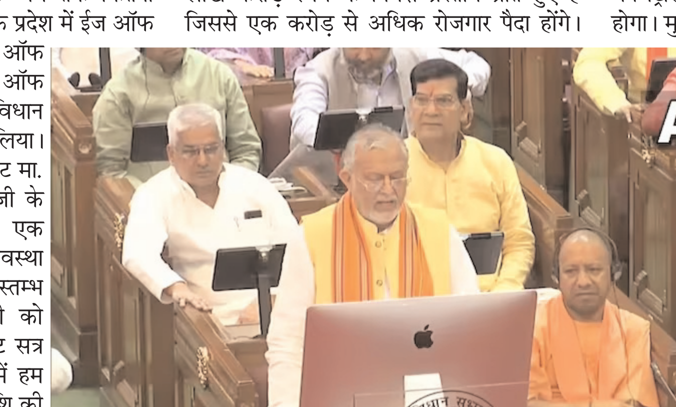

हमने गरीब कल्याण और महिला सशक्तिकरण के लिए काम किया है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विजन है कि यूपी देश के ग्रोथ इंजन के रूप में स्थापित हो। इसके लिए हम लगातार काम कर रहे हैं। हमने प्रदेश में प्रतिव्यक्ति आय को दोगुना कर दिया है। यह बजट प्रदेश की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने और अर्थव्यवस्था को वन ट्रिलियन की बनाने में मील का पत्थर साबित होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह बजट लोक मंगल का है। इस बजट से पता चलता है कि उत्सव, उद्योग और उम्मीद अब नए यूपी की पहचान है। यूपी सरकार ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए प्रदेश का बजट विधानसभा में पेश कर दिया गया है। इस बजट का आकार 7 लाख 36 हजार करोड़ रुपये से अधिक का है। जो कि प्रदेश के अब तक के इतिहास का सबसे बड़ा बजट है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ये बजट आस्था, अंत्योदय व विकास के लिए है। उन्होंने कहा कि यह बजट समग्र विकास की अवधारणा के साथ प्रभु श्रीराम को समर्पित है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह प्रदेश का अब तक का सबसे बड़ा बजट है। खास बात है कि हमने जनता पर कोई नया कर नहीं लगाया है और इसके बावजूद प्रदेश के राजस्व को बढ़ाने में सफलता प्राप्त की है। हमने राजकोषीय संतुलन बनाए रखने के लिए पूरी प्रतिबद्धता और ईमानदारी से काम किया है।

पति के झगड़े से इतना नाराज हो गई पत्नी, दो लड़कों से होटल में कर लिया सेक्स और फिर...

वॉशिंगटन. अमेरिका के मिनेसोटा की रहने वाली दो बच्चों की 38 वर्षीय मां को पिछले महीने एक होटल में एक ही समय में दो 15 वर्षीय लड़कों के साथ कथित तौर पर यौन संबंध बनाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। एक आपराधिक शिकायत के अनुसार, ब्लेन की 38 वर्षीय एलिसन लेह शारडिन अपने परिवार के साथ रोजविले के एक होटल में रुकी हुई थी, जहां कोलोराडो की एक लड़कों की हॉकी टीम भी एक टूर्नामेंट के लिए ठहरी हुई थी।

स्टार ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, शारडिन ने 14 जनवरी की रात को एक होटल के हॉट टब में दो लड़कों, जो टीम के सदस्य थे, से बात करना शुरू किया और उन्हें बताया कि उन्हें और उनके पति की वैवाहिक जिंदगी में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा और कई तरह की दिक्कतें आ रही हैं। इसके बाद जब लड़के वापस अपने कमरे में चले गए तो उसमें से एक लड़के को महिला ने स्नैपचैट पर मैसेज भेजकर कहा कि उसका अभी-अभी अपने पति से झगड़ा हुआ है और वह उस लड़के के कमरे में आना चाहती है।

इसके बाद महिला लड़के के कमरे में चली गई और फिर उसने उन दोनों लड़कों से उनकी उम्र पूछी। दोनों की उम्र काफी कम होने से महिला ने दोनों को यह भी बताया कि दोनों की ऐज उसके मुकाबले काफी कम है। इसके बाद महिला ने दोनों लड़कों के साथ सेक्स और इससे जुड़ी अन्य चीजों को लेकर बातचीत करना शुरू कर दिया। लड़कों से पूछा कि दोनों यौन रूप से कितने एक्टिव हैं। बातों-बातों में महिला ने दोनों लड़कों के साथ सेक्स भी किया।

कमरे में महिला ने दोनों लड़कों के साथ यौन संबंध बनाए और इसी दौरान एक और लड़का उन्हें यह करते देखता रहा। बाद में मामला सामने आने के बाद दोनों लड़कों ने बताया कि उन दोनों पर महिला का काफी दबाव था और उसने कहा था कि उन्हें करना ही होगा। यह मामला सामने आने के बाद शारडिन को गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया गया है, जिसके बाद अब उसे अदालत में पेश किया जाएगा।

लेखक ने खोल दी चीन की पोल, 4 साल कैद में रखा; अब सुना दी सजा-ए-मौत

बीजिंग. चीन की राजधानी बीजिंग की एक कोर्ट ने ऑस्ट्रेलियाई लेखक को मौत की सजा सुना दी। लेखकयांग हेंगजुन को साल 2019 में चीन ने जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किया था। उन्होंने अपने लेख और ब्लॉग में चीन की पोल खोल दी थी जो कि उसे बर्दाश्त नहीं हो रहा था। उन्होंने चीन में होने वाले मानवाधिकार उल्लंघन को लेकर खुलकर लिखा था। बता दें कि चीन में मौत की सजा एक आम बात हो गई है। कई बार सरकारी अधिकारियों को भी मौत की सजा दे दी जाती है। अगर कोई भी सरकार पर उंगली उठाता है तो उसे कड़ी से कड़ी सजा दी जाती है। लेखक यांग की सजा सुनाते हुए कोर्ट ने कहा कि अगर उनका व्यवहार अच्छा रहता है तो सजा को उम्रकैद में तब्दील कर दिया जाएगा। चीन की कोर्ट के इस फैसले से ऑस्ट्रेलियाई सरकार भी हैरान है। ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्री पेनी वॉन्ग ने कहा कि उन्हें भी जानकारी मिली है। उन्होंने कहा, कई साल कैद में रहने के बाद अब यांग के साथ ऐसा किया गया है। मुझे डॉ. यांग के परिवार की चिंता वे इतने बड़े दुख को कैसे सहेंगे।

बता दें कि 58 साल के यांग लोकतंत्र को लेकर अकसर मुखर रहते हैं। 2019 में वह जब चीन यात्रा पर पत्नी के साथ पहुंचे थे तभी उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था। उनपर आरोप था कि उनकी वजह से देश की सुरक्षा को खतरा पैदा हुआ है। सिडनी मॉर्निंग हेरल्ड में छपी रिपोर्ट में उनके समर्थकों ने कहा कि मानवाधिकार उल्लंघन पर चीन की पोल खोलने के लिए ही उन्हें मौत की सजा सुना दी गई है। बता दें कि यांग की हिरासत को लेकर ऑस्ट्रेलियाई सरकार के साथ चीन का तनाव भी बढ़ा था।

ऑस्ट्रेलिया का कहना है कि यांग के लिए उच्च स्तर पर वकालत की गई थी। ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री ने कहा कि आगे भी यांग की भालई के लिए सरकार वकालत से पीछे नहीं हटेगी। यांग के करीबियों का कहना है कि चार साल की हिरासत के बाद उनकी तबीयत भी काफी बिगड़ गई है। ऐसे में उन्हें परोल की सख्त जरूरत है।

कैसे चुनाव कराएगा पाक, जब पुलिस वाले ही सेफ नहीं; आतंकवादी हमले में 10 की मौत

पाकिस्तान में चुनाव से ठीक तीन दिन पहले एक और आतंकवादी हमला हुआ है। खैबर पख्तूनख्वा के डेरा इस्माइल खान में हुए अटैक में 10 पुलिसकर्मी मारे गए हैं। इसकी अब तक किसी ने जिम्मेदारी नहीं ली है।

पेशावर. पाकिस्तान में तीन दिन बाद ही यानी 8 फरवरी को राष्ट्रीय चुनाव होने हैं और उससे पहले आतंकवादी हमले भी लगातार जारी हैं। इससे पाकिस्तान की सुरक्षा व्यवस्था और चुनाव पर भी सवाल खड़े होते हैं। इस बीच सोमवार को तड़के ही खैबर पख्तूनख्वा के डेरा इस्माइल खान में भीषण आतंकवादी हमला हुआ है। इस आतंकी हमले में 10 पुलिसकर्मी मारे गए हैं और 6 बुरी तरह से जख्मी हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 30 से ज्यादा आतंकियों ने चोडवान पुलिस थाने को तीन तरफ से घेर कर हमला किया, जिसमें पुलिस वालों को काउंटर अटैक का मौका ही नहीं मिला। स्थानीय पुलिस अधिकारी नासिर महमूद ने हमले में 10 पुलिस वालों के मारे जाने की पुष्टि की है। खैबर पख्तूनख्वा के पुलिस चीफ अख्तर हयात गांदापुर ने कहा, तीन दिशाओं से करीब 30 से ज्यादा आतंकवादियों ने हमला किया था। ढाई घंटे तक पुलिस वालों और आतंकियों के बीच फायरिंग होती रही। उन्होंने कहा कि यह आतंकी हमला ऐसा था कि पुलिस वालों को बचाव का मौका नहीं मिल सका। हालांकि उन्होंने बहुत देर तक आतंकवादियों का मुकाबला किया, लेकिन उन्हें ज्यादा नुकसान नहीं हुआ।

डीएसपी मलिक अनीसुल हसन ने कहा कि पुलिस वालों को नुकसान इसलिए भी ज्यादा हुआ क्योंकि आतंकवादी जब थाने में घुसे तो उन्होंने ग्रेनेड अटैक किए। इसकी वजह से ज्यादा नुकसान हुआ। पिछले कुछ दिनों में बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा में कई आतंकवादी हमले हुए हैं। हालांकि इसके बाद भी पाकिस्तान चुनाव आयोग का कहना है कि चुनाव तय समय में ही होंगे।

खैबर पख्तूनख्वा के कार्यवाहक मुख्यमंत्री अरशद हुसैन शाह ने हमलों की निंदा की है। बता दें कि खैबर पख्तूनख्वा में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान की सक्रियता रही है। हालांकि अब तक तालिबान समेत किसी भी आतंकी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

भारत का विरोध कर बुरे फंसे मुइज्जू, संसद में भाषण भी सुनने को तैयार नहीं विपक्ष

माले. मालदीव के चीन समर्थक राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के लिए भारत का विरोध काफी महंगा पड़ रहा है। उनकी अपनी संसद में ही उन्हें इस स्टैंड पर समर्थन हासिल नहीं हो रहा है। अब उनके संसद में भाषण से पहले मालदीव की दो मुख्य विपक्षी पार्टियों ने बहिष्कार का फैसला कर लिया है। सोमवार को मालदीव की संसद में राष्ट्रपति के भाषण का मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी और डेमोक्रेट्स पार्टी बायकॉट करेंगी।

सदन मे सबसे ज्यादा सीटों वाली एमडीपी ने अब तक यह नहीं कहा है कि वह मुइज्जू के अभिभाषण का बहिष्कार करने जा रही है। वहीं डेमोक्रेट्स् ने कहा है कि तीन मंत्रियों की नियुक्ति को लेकर वह राष्ट्रपति के अभिभाषण में हिस्सा नहीं लेगी। बता दें कि विपक्षी दलों ने तीन मंत्रियों की नियुक्ति का विरोध किया था। बावजूद इसके सरकार ने तीन सदस्यों को दोबारा मंत्री बना दिया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सोमवार को सुबह 9 बजे राष्ट्रपति का भाषण होना है। बता दें कि साल के पहले सत्र से पहले संसद में राष्ट्रपति का भाषण होना है। इस भाषण में वह देश में विकास कार्य और आगे के प्लान के बारे में बताएंगे। बता दें कि मुइज्जू चीन के घोर समर्थक हैं। वहीं विपक्षी दलों को यह बात पसंद नहीं आती है। दोनों बड़े विपक्षी दलों ने पहले ही कहा था कि भारत मालदीव का लंबे समय से सहयोगी रहा है और आगे भी रहेगा। दोनों ही दलों में भारत विरोधी रुख को लेकर मुइज्जू को घेरा था। विपक्षी दलों ने अपने संयुक्त बयान में कहा था, एमडीपी और डेमोक्रेट्स दोनों का मानना है कि हमें लंबे समय से सहयोगी रहे अपने मित्र देशों से संबंध खराब नहीं करने चाहिए। मालदीव के लोगों की भलाई के लिए हमारे विकास के साथी रहे देशों को लेकर चलना बहुत जरूरी है। देश की हर सरकार को उनसे अच्छे संबंध रखने चाहिए। मालदीव पारंपरिक तौर पर ऐसा ही करता रहा है। अगर हिंद महासागर में स्थिरता रहेगी तो मालदीव में भी स्थिरता रहेगी और विकास संभव हो पाएगा।

बता दें कि कुछ दिन पहले ही मालदीव की सरकार ने चीन के शिप को अपने पोर्ट पर आने की अनुमति दे दी है। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर मुइज्जू के मंत्रियों ने आपत्तिजनक टिप्पणी की थी, इसके बाद दोनों देशों के बीच तनाव काफी बढ़ गया था।

वहीं अब मालदीव के विदेश मंत्री ने कहा है कि 10 मई तक भारतीय सेना के जवानों को वापस भेज दिया जाएगा। पहली टुकड़ी 10 मार्च को ही वापस आएगी। दिल्ली में हुई एक उच्चस्तरीय बैठक के बाद इस बात पर सहमति बनी है।

इजरायल की हिजबुल्ला को चेतावनी, कहा- उकसाया तो हमले के लिए तैयार हैं हम

तेल अवीव. इजरायल की सेना ने पड़ोसी देश लेबनान में हिजबुल्लाह को अब तक की विस्तृत चेतावनी दी। इजरायली सेना ने कहा कि अगर उसे उकसाया गया तो वह तुरंत हमला करने के लिए तैयार हैं। इसके साथ ही इजरायली सेना ने गाजा में चार महीने से चल रहे युद्ध के दौरान उत्तरी सीमा पर हिजबुल्लाह की गतिविधियों का जिक्र किया और इस आतंकवादी समूह के खिलाफ सीरिया में कई हवाई हमले करने की बात भी स्वीकार की।

इजरायली सेना के प्रवक्ता डेनियल हगारी ने कहा, युद्ध हमारी पहली प्राथमिकता नहीं है, लेकिन हम निश्चित रूप से तैयार हैं। जहां भी हिजबुल्लाह होगा तो हम कार्रवाई करते रहेंगे, पश्चिम एशिया में जहां भी जरूरत होगी हम कार्रवाई करते रहेंगे। जो लेबनान के लिए सही है, वही सीरिया के लिए भी सही है और वही ज्यादातर अन्य दूरस्थ स्थानों के लिए भी सही है।

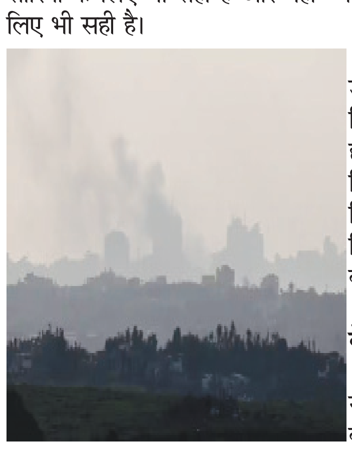

ये टिप्पणियां रक्षा मंत्री की उस चेतावनी के बाद आई हैं कि गाजा में चरमपंथी समूह हमास के खिलाफ संघर्ष विराम का मतलब यह नहीं है कि इजरायल जरूरत पड़ने पर हिजबुल्लाह पर हमला नहीं करेगा।

युद्धविराम को बढ़ाने के प्रयास जारी

इस क्षेत्र में ईरान समर्थित समूहों के साथ व्यापक युद्ध की चिंताओं के बीच इजरायल और हमास के बीच युद्धविराम को बढ़ाने के प्रयास जारी हैं। हमास के एक शीर्ष अधिकारी ओसामा हमदान ने बताया कि वे अमेरिका, मिस्र, कतर और इजरायल द्वारा दिए गए प्रस्ताव का अध्ययन कर रहे हैं और कहा कि इजरायल स्थायी संघर्ष विराम समेत कई शर्तें स्वीकार कर रहा है।

पिछले 24 घंटे में 107 की मौत

हमास शासित गाजा में युद्ध के कारण उसकी 85 फीसदी आबादी विस्थापित हो गई है। गाजा में स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि पिछले 24 घंटे में 107 लोगों की मौत हो गई है, जिससे युद्ध में अब तक मारे गए लोगों की संख्या 27,238 पहुंच गई है। 66,000 से अधिक लोग घायल हुए हैं। अबू युसूफ अल-नज्जर अस्पताल के पंजीकरण कार्यालय के अनुसार गाजा के दक्षिणी राफा में रात भर दो अलग-अलग हवाई हमलों में महिलाओं और बच्चों समेत कम से कम 17 लोगों की मौत हो गई। अस्पताल के अधिकारियों के अनुसार पहला हमला एक रिहायशी इमारत पर किया गया, जिसमें एक ही परिवार के कम से कम 13 सदस्यों की मौत हो गई। मृतकों में चार महिलाएं तथा तीन बच्चे शामिल हैं।

कनाडा में घर के सपने पर फिर लगा ग्रहण, विदेशियों के लिए ट्रूडो सरकार का नया ऐलान; दो साल बढ़ा दिया बैन

ओट्टावा. कनाडा में घर लेने का सपना देख रहे विदेशियों के लिए यह आसान नहीं होगा। ट्रूडो सरकार के नए ऐलान ने इसके रास्ते में अड़चनें खड़ी कर दी हैं। कनाडा ने रविवार को कनाडाई आवास के विदेशी स्वामित्व पर प्रतिबंध दो साल के लिए बढ़ा दिया। सरकार का कहना है कि इसका उद्देश्य कनाडा के लोगों की चिंताओं को दूर करना है। यहां के नागरिक लगातार बढ़ती कीमतों के चलते घर बना पाने में सक्षम नहीं है। गौरतलब है ट्रूडो सरकार ने साल 2023 में ही देश में विदेशियों के प्रॉपर्टी खरीदने पर बैन लगाया था। उस वक्त कहना था कि विदेशियों के कनाडा में लगातार निवेश से कीमतें आसमान छूने लगी हैं। इसके चलते कनाडा के लोग प्रॉपर्टी नहीं खरीद पा रहे हैं।

घरों की समस्या

कनाडा में घरों की समस्या लगातार बढ़ती जा रही है। इसके लिए प्रवासियों की बढ़ती संख्या और अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। इसके चलते घरों की मांग में इजाफा हुआ है, जबकि बढ़ती महंगाई के चलते कंस्ट्रक्शन का काम धीमा पड़ चुका है। कनाडाई उप प्रधानमंत्री क्रिस्टिया फ्रीलैंड ने एक बयान में कहाकि कनाडा के लोगों के लिए सस्ते घर उपलब्ध कराने के लिए सभी कवायदें की जा रही हैं। इसी के तहत विदशियों के यहां घर खरीदने संबंधी प्रतिबंध को दो साल बढ़ाया गया है। पहले यह एक जनवरी 2025 को खत्म हो रहा था, अब इसकी समय सीमा 1 जनवरी 2027 होगी।

दबाव में ट्रूडो

कनाडा की सरकार का यह भी कहना है कि विदेशियों के बढ़ते दखल के चलते कनाडा के शहरों और कस्बों में घरों की कीमतें काफी बढ़ गई हैं। पिछले महीने कनाडा ने अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को परमिट देने पर भी दो साल की रोक लगाई थी। साथ ही उसने यह भी कहा था कि वह ग्रेजुएशन के बाद कुछ छात्रों को वर्क परमिट देना भी बंद करेगा। असल में कनाडा में तेजी से बढ़ती जनसंख्या ने स्वास्थ्य और शिक्षा पर काफी दबाव बना दिया है। इसके अलावा घरों की कीमतें भी काफी तेजी से बढ़ी हैं। इन मुद्दों ने लिबरल जस्टिन ट्रूडो पर दबाव बनाया है। ओपिनियन पोल्स में दिखाया जा रहा है कि अगर अभी चुनाव हुए तो ट्रूडो को सत्ता गंवानी पड़ सकती है।

हमास को खुश करना चाहता है कनाडा? इजरायलियों पर भी प्रतिबंध लगाने की तैयारी में ट्रूडो सरकार

ओटावा. कनाडा की जस्टिन ट्रूडो सरकार इजरालियों पर भी प्रतिबंध लगाने की तैयारी कर रही है। हमास और इजरायल में जारी जंग के बीच कनाडा ये कदम उठा सकता है। एक दिन पहले कनाडा की विदेश मंत्री मेलानी जोली ने कहा कि कनाडा फिलिस्तीनी क्षेत्रों पर ÷कब्जा करने वाले÷ इजरायलियों पर प्रतिबंध लगाएगा। हालांकि उन्होंने कहा कि कनाडा हमास के नेताओं पर भी प्रतिबंध लगाएगा।

कनाडाई मंत्री के इस बयान से प्रतीत होता है कि ट्रूडो सरकार हमास को खुश करने की कोशिश कर रही है। कनाडा स्थित सीबीसी न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, जोली ने कहा कि सरकार इस फैसले पर तेजी से काम कर रही है। उनका ये बयान यूक्रेन के दौरान आया है। इस दौरान उन्होंने यूक्रेनी अधिकारियों के साथ बैठकें कीं और चल रहे युद्ध से प्रभावित स्थलों का दौरा किया।

कनाडाई विदेश मंत्री जोली ने कहा, हम इजरायल के उन चरमपंथियों पर प्रतिबंध लगाएंगे जो अवैध तरीके से फिलिस्तीन में बसे हुए हैं। इसके अलावा हम हमास के नेताओं पर भी नए प्रतिबंध लाएंगे। उन्होंने कहा, ÷मैं यह सुनिश्चित कर रही हूं कि जब तक मैं यूक्रेन में हूं, तब तक काम पूरा हो जाए। प्रतिबंध को लेकर सारा काम कनाडा में किया जा रहा है और मैं जल्द ही इसकी घोषणाएं करूंगी।

बता दें कि इससे पहले कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने शुक्रवार को कहा था कि कनाडा वेस्ट बैंक में अवैध बस्तियों में रहने वाले कुछ इजरायलियों पर प्रतिबंधों लगाने पर विचार कर रहा है। एक कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बात करते हुए, ट्रूडो ने कहा, वेस्ट बैंक में बसने वालों की हिंसा बिल्कुल अस्वीकार्य है। यह क्षेत्र में शांति और स्थिरता को खतरे में डालता है। इसके अलावा, ये लोग बेहद जरूरी दो-राज्य समाधान की दिशा में भी बाधा डालते हैं।

वहीं विदेश मंत्री मेलानी जोली ने कहा कि कनाडा इस लड़ाई को खत्म करने का रास्ता खोजने और लंबे समय के लिए समाधान तलाशने की दिशा में काम करने के लिए पूरी तरह से समर्पित है। उन्होंने हमास से हथियार डालने की भी अपील की। रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने कहा, सबसे पहली और सबसे महत्वपूर्ण बात ये है कि हमें बंधकों की रिहाई के लिए समझौते पर पहुंचना चाहिए। बंधकों को वापस लाने और रिहा करने की जरूरत है। हमें गाजा में अधिक मानवीय सहायता भेजने की जरूरत है। हमें यह भी सुनिश्चित कराना चाहिए कि हमास अपने हथियार डाल दे।

मेलानी जोली ने कहा कि शांति को संभव बनाने के लिए दोनों पक्षों को अपने दृष्टिकोण में बदलाव करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, हमें एक बेहतर फिलिस्तीनी प्राधिकरण की जरूरत है। साथ ही इजरायल में भी एक ऐसी सरकार होनी चाहिए जो दो-राज्य समाधान को हासिल करने के लिए महत्वपूर्ण काम करे। कनाडा का यह फैसला ऐसे समय में आया है जब अमेरिका ने पिछले हफ्ते हिंसा वेस्ट बैंक में फिलिस्तीनियों और इजरायली शांति कार्यकर्ताओं के खिलाफ हिंसा भड़काने को लेकर चार लोगों के खिलाफ प्रतिबंधों के दूसरे दौर की घोषणा की थी। हालांकि अमेरिका ने हमास के नेताओं पर ही प्रतिबंध लगाए हैं।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office: 5, Bahadurshah Zafar Marg ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

यूक्रेन का इंतकाम, अमेरिका के दिए हथियार से उड़ाई बेकरी; बिछ गईं 28 लाशें

मॉस्को. रूस के नियंत्रण वाले लिसिचांस्क शहर में एक बेकरी पर किये गए यूक्रेन के हमले में कम से कम 28 लोगों की मौत हो गई। रूसी अधिकारियों ने यह जानकारी दी। स्थानीय नेता लियोनिड पेस्कनिक ने %टेलीग्राम% पर एक बयान में कहा कि शनिवार को हुए इस हमले में मारे गए लोगों में एक बच्चा भी शामिल है। उन्होंने कहा कि आपात सेवा कर्मियों ने मलबे के अंदर से 10 लोगों को बाहर निकाला है। वहीं, कीव में यूक्रेन के अधिकारियों ने इस घटना पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

दर्जनों लोग बेकरी में थे मौजूद

रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने रविवार को कहा कि यूक्रेन ने अमेरिका द्वारा आपूर्ति की गई हाई मोबिलिटी आर्टिलरी रॉकेट सिस्टम ([illegible]) का उपयोग करके इमारत पर हमला किया है। जिस दौरान यह हमला हुआ उस वक्त इमारत में दर्जनों नागरिक मौजूद थे। आपातकालीन मंत्रालय ने शनिवार देर रात एक वीडियो जारी किया था। वीडियो में एक मंजिला इमारत के खंडहरों से शव ढूंढते और स्ट्रेचर पर खून से

लथपथ लोगों को ले जाते हुए देखा जा सकता है। अलजजीरा के मुताबिक, एक मंजिला इमारत में एड्रियाटिक नाम की एक बेकरी थी, जिसमें लोग वीकेंड के दौरान खाने-पीने का लुत्फ उठा रहे थे। इस बेकरी का खाना स्थानीयों को खूब पसंद आता है इस वजह से यहां भारी भीड़ भी होती है। यूक्रेन ने इस घटना पर आधिकारिक तौर पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

2022 के युद्ध में रूस ने कब्जाया शहर

रूस-यूक्रेन के बीच युद्ध के लगभग दो साल बाद भी दोनों तरफ से स्थिति भयावह ही बनी हुई। रूस इस बात पर आमादा है कि वह यूक्रेन को तबाह करके ही मानेगा, वहीं जेलेंस्की की जिद है वह रूस के आगे घुटने नहीं टेकेंगे। दोनों पक्षों के बीच सर्दियों के दौरान घातक हमले शुरू कर दिए हैं। रूस के आक्रमण से पहले लिसिचांस्क की आबादी लगभग 110,000 थी। 2022 में एक घातक युद्ध के बाद यह शहर रूसी सेना के कब्जे में आ गया।

खोड़ा कॉलोनी में रहने वालों को झटका, 50 हजार से अधिक मकानों से जुड़ा यह काम अटका

दिल्ली व नोएडा से सटा गाजियाबाद का खोड़ा अनियोजित कॉलोनी है, जहां 50 हजार से अधिक मकान हैं। हजारों की संख्या में दुकानें भी हैं। इसीलिए पानी और सीवर के साथ यहां के लोग पते की समस्या से भी जूझ रहे हैं।

गाजियाबाद. दिल्ली और नोएडा से सटे गाजियाबाद के खोड़ा में मकान नंबर आवंटित कर पते की समस्या दूर करने का काम बीच में ही लटक गया है। लोगों का कहना है कि उनकी समस्या का अब तक समाधान नहीं हुआ और इस बारे में पूछने पर कोई जवाब नहीं मिलता। हालांकि, अब नए सिरे से प्रस्ताव बनाने की प्रक्रिया शुरू करने की बात कही जा रही है।

खोड़ा अनियोजित कॉलोनी है, जहां 50 हजार से अधिक मकान हैं। हजारों की संख्या में दुकानें भी हैं। इसीलिए पानी और सीवर के साथ यहां के लोग पते की समस्या से भी जूझ रहे हैं। कई संगठनों की मांग पर चार साल पहले खोड़ा के मकान-दुकान को पते देने की योजना आई। मार्च 2020 में केंद्रीय राज्यमंत्री वीके सिंह और साहिबाबाद विधायक सुनील शर्मा ने इसका उद्घाटन किया था।

योजना थी कि खोड़ा को 10 सेक्टरों में बांटकर मकान और दुकान पर नंबर प्लेट लगाई जाएंगी। गूगल मैपिंग कराने के साथ दावा किया गया था कि तीन महीने में काम पूरा हो जाएगा, लेकिन काम बीच में ही लटक गया। खोड़ा रेजिडेंट्स एसोसिएशन (केआरए) के अध्यक्ष दीपक जोशी के

मुताबिक डाक, डिलीवरी ब्वॉय, गैस सिलेंडर तक लोगों के घर नहीं पहुंच पाते हैं। यहां तक कि रिश्तेदार भी रास्ता भूलते हैं तो रास्ता बताने वाला नहीं मिलता है।

हिंद स्वाभिमान फॉउंडेशन के अध्यक्ष कल्लू भैया का कहना है कि जल्द से जल्द नंबर प्लेट लगाने का काम शुरू करना चाहिए। खोड़ा-मकनपुर नगर पालिका की अधिशासी अधिकारी शालिनी गुप्ता का ट्रांसफर होने के बाद एक अधिकारी ने बताया कि नंबर प्लेट लगाने का प्रस्ताव नए सिरे बनाया जा रहा है। अगली बोर्ड बैठक में इसे रखा जाएगा।

बिना टेंडर काम शुरू कराया

लोगों के मकान पर नंबर प्लेट लगाने वाली एजेंसी पर आरोप लगाया गया कि वह बिना टेंडर के ही काम कर रही है और प्लेट लगाने के एवज में 200 रुपये लिए जा रहे हैं। अक्तूबर 2022 में जब ये आरोप लगाए तब 10 हजार मकानों पर नंबर प्लेट लग चुकी थी।

कहा गया कि काम नियमानुसार ही हो रहा है और एग्रीमेंट में लिखा था कि हर घर से फर्म द्वारा 200 रुपये वसूली की जाएगी। फिर काम शुरू हुआ, लेकिन 500 मकानों पर नंबर प्लेट लगाने के बाद काम रोककर जांच शुरू कर दी गई। खोड़ा के पते के साथ इस जांच की रिपोर्ट का भी आज तक पता नहीं चल पाया।

नीरज बवाना के शूटरों से एनकाउंटर, बदमाश की गोली कॉन्स्टेबल के जैकेट में जा धंसी

नई दिल्ली. दिल्ली पुलिस ने कुख्यात नीरज बवाना गैंग के शार्प शूटर को गिरफ्तार कर लिया है। लेकिन इस शूटर को पकड़ने से पहले उसके साथ पुलिस की एक बड़ी मुठभेड़ हुई है। पुलिस और बवाना गैंग के शूटर के बीच साउथईस्ट दिल्ली के करणी सिंह शूटिंग रेज के नजदीक मुठभेड़ हुई है। आरोपी की पहचान ऐहसान अली के तौर पर हुई है। अली अंबेडकर नगर का रहने वाला है। ऐहसान का सहयोगी नीरज मौके से फरार होने में कामयाब हो गया। डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस (साउथईस्ट), राजेश देव ने कहा, 2 फरवरी को हमें सूचना मिली थी कि नीरज बवाना गैंग के दो शार्पशूटर फरीदाबाद से करणी सिंह शूटिंग रेंज में आए हैं। इस दौरान करणी सेना शूटिंग रेज के पास मौजूद एक छापामार टीम को मौके पर मौचा गया।

इसके बाद रात के वक्त करीब साढ़े आठ बजे मोटरसाइकल पर जा रहे दो संदिग्धों की पहचान की गई। पुलिस अधिकारी ने आगे बताया कि जब पुलिस टीम ने उन्हें रूकने के लिए इशारा किया तब दोनों ने भागने की कोशिश की। उनलोगों ने मोटरसाइकिल को मोड़ने की कोशिश की लेकिन उनका संतुलन बिगड़ गया और वो गिर पड़े। उस वक्त नीरज बाइक चला रहा था। वो अंधेरे का फायदा उठाकर पास के जंगल में भाग निकला। हालांकि, उसकी बंदूक गिर गई थी। इसके बाद दूसरे बदमाश अली ने नीरज की बंदूक उठा ली और पुलिसकर्मी पर गोली चला दी। यह गोली एक हेड कॉन्स्टेबल के बुलेट प्रूफ जैकेट में जा धंसी। इसके बाद पुलिस टीम ने हवा में गोली चलाकर चेतावनी दी।

जब अली ने दूसरी गोली चलाने का प्रयास किया तब पुलिस टीम ने उसके पैर में गोली मार दी। इसके बाद वो लड़खड़ा कर गिर गया। जल्द ही पुलिस टीम ने उसपर नियंत्रण पा लिया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि उसका पैर मामूली रूप से जख्मी हुआ है और वो अस्पताल में भर्ती है। पुलिस अधिकारी ने बताया है कि अली ने नीरज बवाना गैंग के साथ जुड़े होने की बात स्वीकार की है। पुलिस का कहना है कि अंधेरे का फायदा उठा भागने वाले अपराधी की तलाश की जा रही है।

DDA के बुलडोजर ऐक्शन पर हाई कोर्ट का स्टे, दिल्ली के महरौली में ढहाई थी 800 साल पुरानी मस्जिद

नई दिल्ली. दक्षिणी दिल्ली के महरौली इलाके में 800 साल पुरानी अखूंदजी मस्जिद पर ष्ठष्ठ के बुलडोजर ऐक्शन पर दिल्ली हाई कोर्ट ने स्टे लगा दिया है। अदालत ने सोमवार को मामले की सुनवाई करते हुए दिल्ली डेवलपमेंट अथॉरिटी को 12 फरवरी तक भूमि की यथास्थिति बनाए रखने का निर्देश दिया है। 30 जनवरी को डीडीए ने मस्जिद और मदरसे के हिस्से को ढ़हा दिया था।

न्यायमूर्ति सचिन दत्ता की पीठ ने हालांकि स्पष्ट किया कि उसका आदेश दिल्ली विकास प्राधिकरण को क्षेत्र में दूसरे अवैध कब्जे के खिलाफ कार्रवाई करने से नहीं रोकेगा। अदालत दिल्ली वक्फ बोर्ड की प्रबंध समिति द्वारा मस्जिद वाली भूमि पर स्टे की मांग वाली याचिका पर विचार कर रही थी। डीडीए ने 30 जनवरी को संपत्तियों को अनधिकृत बताते हुए मस्जिद, बहरुल उलूम मदरसा और विभिन्न कब्रों को तोड़ दिया था। 31 जनवरी को हाई कोर्ट ने डीडीए से जवाब मांगा था कि क्या उसने मस्जिद गिराने से पहले कोई पूर्व सूचना दी थी। अदालत ने कहा था,एक सप्ताह की अवधि के भीतर ष्ठष्ठ अपना जवाब दाखिल करे, जिसमें संबंधित संपत्ति के संबंध में की गई कार्रवाई और उसके आधार को स्पष्ट रूप से बताया जाए कि क्या विध्वंस कार्रवाई करने से पहले कोई पूर्व सूचना दी गई थी।

चंडीगढ़ मेयर चुनाव मामले में सुप्रीम कोर्ट ने पीठासीन अधिकारी को कड़ी फटकार

चंडीगढ़ (संजय अरोड़ा) चंडीगढ़ मेयर चुनाव मामले में सुप्रीम कोर्ट ने पीठासीन अधिकारी को कड़ी फटकार लगाई। सर्वोच्च अदालत ने कहा कि यह स्पष्ट है कि रिटर्निंग अधिकारी ने मतपत्रों को विकृत किया है। कोर्ट ने सवाल पूछा कि क्या इसी तरह से चुनाव का आयोजन होता है। यह लोकतंत्र का मजाक है। यह लोकतंत्र की हत्या है। पूरे मामले से हम हैरान हैं। इस अधिकारी पर मुकदमा चलाया जाना चाहिए। क्या यह पीठासीन अधिकारी का व्यवहार है? सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल के माध्यम से मतपत्र, वीडियोग्राफी और अन्य सामग्री समेत चुनाव प्रक्रिया के पूरे रिकॉर्ड को संरक्षित करने का आदेश दिया। वहीं अगली सुनवाई तक चंडीगढ़ निगम की आगामी बैठक को टालने का निर्देश दिया।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट मेट्रो रूट में बदलाव, अब 9 के बजाय यहां बनेंगे 11 स्टेशन; इन सेक्टरों को होगा सीधा फायदा

नोएडा। नोएडा से ग्रेटर नोएडा वेस्ट के नॉलेज पार्क-5 तक जाने वाली मेट्रो लाइन पर अब 11 स्टेशन बनाए जाएंगे। पहले नौ स्टेशन बनने प्रस्तावित थे। डीएमआरसी ने इस नए रूट की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कर एनएमआरसी को सौंप दी है। एनएमआरसी के अधिकारियों ने इसका अध्ययन शुरू कर दिया है। बोर्ड बैठक में जल्द डीपीआर को मंजूरी दी जाएगी।

अभी एनएमआरसी सेक्टर-51 से ग्रेटर नोएडा डिपो तक एक्वा लाइन मेट्रो का संचालन कर रहा है।

बीते पांच-छह साल से इस लाइन को ग्रेनो वेस्ट तक ले जाने की तैयारी है। पहले इस रूट की तैयार डीपीआर के मुताबिक, सेक्टर-51 से यह मेट्रो लाइन शुरू होकर सेक्टर-72 बाबा बालकनाथ मंदिर के सामने से सीधे 130 मीटर रोड होते हुए ग्रेटर नोएडा तक जाती। सेक्टर-51 मेट्रो स्टेशन से दिल्ली से आ रही ब्लू लाइन के सेक्टर-52 से सीधी कनेक्टिटी नहीं हो पाई।

ऐसे में एनएमआरसी व नोएडा प्राधिकरण के निर्देश पर डीएमआरसी ने नए रूट की डीपीआर तैयार की है। इसके तहत मेट्रो सेक्टर-51 स्टेशन से सेक्टर-72 बाबा बालकनाथ मंदिर की तरफ न जाकर सीधे सेक्टर-61 की तरफ जाएगी। यहां से ब्लू लाइन के सेक्टर-61 स्टेशन से इसको प्लैटफॉर्म के जरिये जोड़ा जाएगा।

यह मेट्रो लाइन फेज तीन कोतवाली, सेक्टर-71 कैलाश अस्पताल के सामने से होते हुए सेक्टर-121 क्लियो काउंटी के सामने निकलेगी। इसके बाद पुराने रूट पर पर्थला सिग्नेचर ब्रिज के पास जुड़ जाएगी।

794 करोड़ लागत बढ़ी

इस बार जो रूट बनाया है वह पहले के मुकाबले ढाई किलोमीटर लंबा है। पहले 14 पॉइंट 958 किलोमीटर लंबा रूट बनाया गया था जो अब 17 पॉइंट 435 किलोमीटर लंबा हो गया है।

दो स्टेशन अतिरिक्त बनने से लागत करीब 794 करोड़ बढ़ गई है। अब लागत 2991 करोड़ रुपये तय की गई है।

एक साथ मेट्रो चलाई जाएगी

एनएमआरसी अधिकारियों ने बताया कि अभी तक इस रूट पर दो चरणों में मेट्रो चलाने की तैयारी थी। पहले फेज में सेक्टर-51 से ग्रेटर नोएडा वेस्ट के सेक्टर-2 तक चलती है। इसके बाद दूसरे फेज का काम शुरू होता, लेकिन अब पूरे रूट पर एक साथ मेट्रो चलाई जाएगी।

सावधान! दिल्ली NCR में बारिश के साथ घने कोहरे का डबल अटैक, मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट

पिछले दिनों घने कोहरे के चतलते लोगों को काफी परेशानी हुई थी। अब जाकर लोगों को थोड़ी राहत मिली थी लेकिन मौसम विभाग ने एक बार फिर घने कोहरे को लेकर चेतावनी जारी कर दी है।

नई दिल्ली. पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी का असर मैदानी इलाकों में देखा जा रहा है। रविवार को हुई बारिश के बाद दिल्ली एनसीआर में आज मौसम साफ दिखा लेकिन सर्द हवाओं के चलते ठंड महसूस हो रही है। उधर कोहरे से भी दिल्लीवासियों को थोड़ी राहत मिलती नजर आई लेकिन ये राहत ज्यादा समय के लिए नहीं है। मौसम विभाग ने सोमवार रात को घने कोहरा छाए रहने की आशंका जताई है। इस दौरान अधिकतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस बने रह सकता है। मौसम विभाग ने सोमवार सुबह के लिए भी कोहरे को लेकर येलो अलर्ट जारी किया था। वहीं दिल्ली एनसीआर के कई इलाकों में आज भी बारिश हो सकती है। इस दौरान नोएडा अधिकतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस जबकि न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया जा सकता है। इसके अलावा गुरुग्राम में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान न्यूनतम तापमान 8 डिग्री सेल्सियस तक दर्ज किया जा सकता है। इसके अलावा फरीदाबाद में भी कुछ ऐसी ही स्थिति नजर आ सकती है। इस दौरान न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है।

बुधवार से बढ़ सकती है ठंड

मौसम विभाग ने बुधवार से ठंड बढ़ने की आशंका जताई है। इस दौरान न्यूनतम तापमान 7 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। वहीं मंगलवार को भी लोगों को ठंड का अहसास हो सकता है। इससे पहले रविवार को भी दिल्ली एनसीआर में हल्की बारिश हुई जिसके बाद तापमान में गिरावट देखने को मिली। हालांकि बारिश के बावजूद प्रदूषण में बढ़ोतरी दर्ज की गई। इस दौरान एक्यूआई 274 दर्ज किया गया जो खराब श्रेणी में आता है।

संविधान के खिलाफ जा रहे सभापति, संजय सिंह को शपथ लेने से रोकने पर भड़की AAP

नई दिल्ली. संजय सिंह को राज्यसभा सांसद पद की शपथ लेने से रोकने पर आम आदमी पार्टी ने आपत्ति जताई है। दिल्ली के मंत्री और आप नेता सौरभ भारद्वाज ने मामले की राजनीति करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि राज्यसभा के सभापति इस देश के संवैधानिक प्रावधानों के खिलाफ जा रहे हैं और वह सिर्फ इस मामले का राजनीतिकरण कर रहे हैं। उन्होंने कहा, अनुच्छेद 99 कहता है कि प्रत्येक सदस्य शपथ लेगा। जो मामला विशेषाधिकार समिति के पास था वो उनकी पिछले कार्यकाल का था और उनकी वो सदस्यता पहले ही समाप्त हो चुकी है। अब उनका नया

कार्यकाल शुरू हो रहा है। आप उन्हें उनके नए कार्यकाल में शपथ दिलाने से इनकार नहीं कर सकते। मुझे लगता है कि वे सिर्फ इसका राजनीतिकरण कर रहे हैं। बता दें, राज्यसभा सभापति जगदीप धनखड़ ने उन्हें ये कहते हुए शपथ लेने की अनुमति नहीं दी कि उनका मामला विशेषाधिकार समिति के पास है। वहीं संजय सिंह ने शपथ लेने के लिए दिल्ली कोर्ट से खास परमीशन ली थी। दरअसल एक फरवरी को उन्होंने इसके लिए 7 दिन की अंतरिम जमानत मांगी थी। लेकिन कोर्ट ने उनकी ये जमानत याचिका खारिज करते हुए केवल 5 फरवरी को शपथ के लिए बाहर आने की अनुमति दी थी। ऐसे में संजय सिंह राज्यसभा में शपथ लेने वाले थे लेकिन सभापति ने उन्हें शपथ लेने की अनुमति नहीं दी जिसकी वजह से वह शपथ नहीं ले पाए।

पार्किंग को लेकर खूब चले लाठी-डंडे

गुरुग्राम. गुरुग्राम के गांव बलियावास में ओएसिस गार्डन फार्म हाउस में शनिवार रात जन्मदिन की पार्टी करने दिल्ली-एनसीआर के कुछ छात्र पहुंचे। फार्म हाउस के बाहर कार खड़ी करने को लेकर उनका गांव के युवकों से झगड़ा हो गया। तभी वहां कई और युवक आए और उन्होंने छात्र से मारपीट की और फार्म हाउस संचालक को भी लाठी-डंडों से पीटा। इससे संचालक गंभीर रूप से घायल हो गया। कर्मचारी संचालक परवीन ढुल को निजी अस्पताल में लेकर गए जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

NAME CHANGE
I, INTIZAR S/O IZAZUL AHMED Residing at H NO-A-366 NEW A-606 GALI NO-3 NEAR INSHA ALLAH MASJID CHAUHAN BANGER Seelampur North East Delhi Delhi 110053 have changed my name to INTIZAR GHAZI for all future purpose.

Sale / Purchase
Plot no 121, Pocket A-3, Sector -34, Rohini, Delhi-110085 is free from any encumbrances and is available for sale. Contact: 8860507710 (Sh.Ashwani Sharma).

NAME CHANGE
I,Rashid S/o Muzaffar sajid R/o 1239 Gali No 39/6 Jafrabad Delhi-53 have Changed my Name to Mohd Rashid for all future purposes

NAME CHANGE
I KAMLA GIRI D/O PARAMANAND GIRI R/O A-53, SECTOR-41, NOIDA, GAUTAM BUDH NAGAR, UTTAR PRADESH-201303 HAVE CHANGE MY NAME TO KAMYA GIRI FOR ALL PURPOSE.

NAME CHANGE
I, Ram Bachan s/o Dukhi Ram R/o Mohanpurva, Post-Peernagar, Ghazipur-133001, Uttar Pradesh have changed my name to Ram Bachchan for all future purposes

NAME CHANGE
I RAJESH KUMAR S/O JAGANATH SINGH R/O S-988 A C NAGAR NEELAM BATA ROAD, NIT, FARIDABAD-121001 HAVE CHANGE MY NAME TO RAJESH SINGH FOR ALL PURPOSE.

NAME CHANGE
I, AKTA SURI W/O ASHWANI SURI residing at H NO-F-18/16, KRISHNA NAGAR, DELHI-110051 have changed my name to EKTA SURI for all future purpose.

NAME CHANGE
I, BATASO DEVI Mother of No. 4292156X Rank-NK Name-KUNDAN KUMAR SINGH R/o VILL-BALIGUMA, PO-MGM, TEH-KARANDI, DIST-EAST SINGHBHUM, JHARKHAND-831018 have changed my name from BATASO DEVI to DHARMSHILA DEVI for all future purposes vide affidavit dated 05/02/2024 before Executive Magistrate, Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I THARK BAHADUR THAPA S/O- B .B. SINGH THAPA R/O H.N.-230, Campa cola ,Tekhand Village , VTC OKHLA, PHASE-1, DISTRICT- SOUTH DELHI, DELHI -110020 declare that name of mine has been wrongly written as THARAK BAHADUR in my minor son namely NAVEEN THAPA aged 16 years in his 10th class Educational document . The actual name of mine is THARK BAHADUR THAPA respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, SATVIK SHARMA S/O SUNIL KUMAR SHARMA residing at HOUSE NUMBER 5 ROAD NUMBER 29 PUNJABI BAGH EXTENSION DELHI-110026 have changed my name to VIAAN SHARMA for all future purpose.

NAME CHANGE
I, Durgesh Kumar s/o Ram Bachchan R/o Mohanpurva, Post-Peernagar, Ghazipur-133001, Uttar Pradesh have changed my name to Durgesh Kumar Pal for all future purposes

NAME CHANGE
I, SAGIR FATMA W/O MOHAMMAD ASGAR KHAN Residing at H NO-V-235-A FIRST GALI NO-18-A VIJAY PARK MAUJPUR North East Delhi Delhi 110053 have changed my name to SAGIR FATIMA for all future purpose.

NAME CHANGE
I, km. shamima begum W/O zafrul hai khan residing at l-49-a, first floor, abul fazal enclave-1, jamia nagar, okhla, delhi-110025 have changed my name to shamima khatoon for all future purpose.

NAME CHANGE
I, ALKA YADAV wife of No-4587253K Rank-SEP, Name-GAJENDRA SINGH residing at VILL-RAMKHERA, PO-PREMPUR, TEHSIL-CHHIBRAMAU, DIST-KANNAUJ, U.P-209721 have changed my name from ALKA YADAV to ALKA all future purposes vide Affidavit dated 05/02/2024 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, HAFIZ MOHD ASGAR S/O MOHAMMAD AKHTAR Residing at H NO-V-235-A FIRST GALI NO-18-A VIJAY PARK MAUJPUR North East Delhi Delhi 110053 have changed my name to MOHAMMAD ASGAR KHAN for all future purpose.

NAME CHANGE
I, SANJAY JAISWAL S/O KEDAR PARSAD JAISWAL residing at B-86 2ND FLOOR GALI NO-23 RAJA PURI UTTAM NAGAR DELHI-110059 have changed my name to SANJAY KUMAR JAISWAL for all future purpose.

PUBLIC NOTICE
I, hitherto known as Reena D/O SATPAL W/O RAM AVTAR R/O- 4534, SHORA KOTHI CHOWK,DAL MANDI, MAIN BAZAR, PAHAR GANJ CENTRAL DELHI, DELHI-110055 have changed my name and shall hereafter be known as REENA GUPTA.

PUBLIC NOTICE
I, hitherto known as AMARDEEP KAUR alias AMAN SAREEN D/O SHUKER SINGH W/O RAJNISH KUMAR, residing at-11/6, Poorvi Marg, Vasant Vihar, south west, Delhi-110057 ,have changed my name and shall hereafter be known as AMAN SAREEN.

NAME CHANGE
I, DEEPANKAR S/O BHIYALAL R/O 291 THE EXCELLENCE APARTMENT DWARKA SEC-18A PLOT NO-4 DWARKA DELHI 110075 have changed my name to DEEPANKAR LAL FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE
I, Sanjeet Singh Yadav S/o Ishwar Singh Yadav R/o J-5, Old Roshan Pura, Najafgarh, South West Delhi, New Delhi 110043. declare that Sanjeet Singh S/o Ishwar Singh Yadav and Sanjeet Singh Yadav S/o Ishwar Singh Yadav both are the same person.

NAME CHANGE
I, RUKSANA BIBI Wife of No. 4583172M Rank-NK Name-SAIFULLA GAZI Permanent address VPO-BARUNHAT, PS-HASNABAD, DIST-NORTH 24 PARGANAS, PIN-743426 have changed my name from RUKSANA BIBI to RUKSANA PARVIN for all future purposes and in my husband's service records my date of birth wrongly mentioned as 18/09/1995 instead of my correct date of birth as 18/09/1998 vide affidavit dated 05/02/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, ANDALA KANTAMMA Wife of No. 4583476k Rank-NK Name-DUBBA RAJARAO Permanent address VILL-GOLLAKANCHILI, PO+TEH-KANCHILI, DIST-SRIKAKULAM, ANDHRA PRADESH-532290 have changed my name from ANDALA KANTAMMA to DUBBA KANTHAMMA for all future purposes and in my husband's service records my date of birth wrongly mentioned as 11/11/1995 instead of my correct date of birth as 15/08/1995 vide affidavit dated 05/02/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, RANJNA SINGH Wife of No. 4292156X Rank-NK Name-KUNDAN KUMAR SINGH R/o VILL-BALIGUMA, PO-MGM, TEH-KARANDI, DIST-EAST SINGHBHUM, JHARKHAND-831018 have changed my name from RANJNA SINGH to RANJNA KUMARI for all future purposes vide affidavit dated 05/02/2024 before Executive Magistrate, Delhi.

PUBLIC NOTICE
General Public is hereby informed that my clients Mr. Rajinder Singh and his wife Kailash Wati R/o H.No.90 Haddu Mohalla Madanpur Khadar Near Shiv Mandir New Delhi-110076, have severed all their relations with their son Devender Singh and his wife Meena Devi and their children Lucky Bidhuri and Rajet Bidhuri due to their bad Habits. My above named clients has also disowned and debarred their said son, his wife and their children from all their movable and immovable properties. Anybody dealing with them will do so at their own risk and responsibilities and my above named clients will not be responsible for any act, deed or dealing done by their son his wife and their children.
KESHAV BHARDWAJ
(ADVOCATE AND LEGAL CONSULTANT)

NAME CHANGE
I, No-15421456M Rank-HAV Name-KOTHIMBIRE DNYANESHWAR LAXMAN S/O LAXMAN residing at VPO-KOLGAON, TEH-SHRIGONDA, DIST-AHMEDNAGAR, MAHARASHTRA-413728 have changed my minor son's name from SAMARTH to SAMARTH DNYANESHWAR KOTHIMBIRE for all future purposes vide affidavit dated 05/02/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, T BALAIAH father of No-15813408L Rank-NK, Name-SATISH THUMULURU presently residing at VPO-LEBURU, TEHSIL-INDUKURUPET, DIST-NELLORE, A.P-524314 have changed my name from T BALAIAH to THUMULURU BALAIAH for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 20/04/1960 instead of my correct date of birth as 01/04/1953 Vide Affidavit dated 05/02/2024 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, THUMULURU SRAVANI wife of No-15813408L Rank-NK, Name-SATISH THUMULURU residing at VPO-LEBURU, TEHSIL-INDUKURUPET, DIST-NELLORE, A.P-524314 have changed my name from THUMULURU SRAVANI to SRAVANI THUMULURU for all future purposes vide Affidavit Dated 05/02/2024 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
General Public is hereby informed that my clients Mr. Rajinder Singh and his wife Kailash Wati R/o H.No.90 Haddu Mohalla Madanpur Khadar Near Shiv Mandir New Delhi-110076, have severed all their relations with their son Titu Singh and his wife Rina Devi and their children Dhruv Bidhuri and Kirti Bidhuri due to their bad Habits. My above named clients has also disowned and debarred their said son, his wife and their children from all their movable and immovable properties. Anybody dealing with them will do so at their own risk and responsibilities and my above named clients will not be responsible for any act, deed or dealing done by their son his wife and their children.
KESHAV BHARDWAJ
(ADVOCATE AND LEGAL CONSULTANT)

NAME CHANGE
I, T BUDAMANH mother of No-15813408L Rank-NK, Name-SATISH THUMULURU presently residing at VPO-LEBURU, TEHSIL-INDUKURUPET, DIST-NELLORE, A.P-524314 have changed my name from T BUDAMANH to THUMULURU PADMAMMA for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 10/02/1970 instead of my correct date of birth as 01/01/1971 Vide Affidavit dated 05/02/2024 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, JATINDER MALIK S/O HARISH MALIK R/O B-28/4 RAMESH NAGAR WEST DELHI DELHI-110015 have changed my name to JATINDER KUMAR MALIK FOR ALL FUTURE PURPOSE.

PUBLIC NOTICE
All concerned are hereby inform through this public notice that my client Smt. Prem Devi, Sh. Hari Shankar R/o B-135, Block B, Pratap Garden, Bindapur, Uttam Nagar, New Delhi-110059, have dishonored and debarred and seized all relation with her son namely Pawan S/o Sh. Hari Shankar, and his wife namely Preeti W/o Pawan from their movable and immovable properties with him as the above said son and his wife had demolish the reputation of my client in the society and they are not treating my client as her lawful mother, my client shall not be held responsible for any of his acts, deed and things in whatsoever in any manner and if anyone deal with him, shall be deal as per his/her own risk, cost and consequences.
PRAMOD KUMAR ADVOCATE
Ch.No.437, Lawyers Chambers,
Dwarka Court Complex,
New Delhi-110075

एक साल में अम्बाला में कम हुए 35 हजार मतदाता!

अम्बाला.आबादी बढ़ते रहने के बावजूद पिछले एक साल में अम्बाला जिले में करीब 35 हजार मतदाता कम हो गए हैं। जिले के सभी 4 विधानसभा क्षेत्रों में मतदाताओं की संख्या कम हुई है। अम्बाला जिले के चारों विधानसभा हलकों में वर्तमान मतदाता सूचियों के अनुसार 865762 मतदाता हैं। गत वर्ष यह संख्या 900466 थी। हालांकि, इनमें ट्रांसजेंडर, दिव्यांग, ओवरसीज और सर्विस मतदाताओं की संख्या शामिल है या नहीं, उसका उल्लेख 22 जनवरी 2024 को संशोधित मतदाता सूची में नहीं है। अम्बाला लोकसभा सीट के अंतर्गत पड़ने वाले 3 जिलों के कुल 9 विधानसभा हलकों में 1971584 मतदाता हैं।

जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार, जिले में सबसे अधिक मतदाताओं की संख्या अम्बाला शहर विधानसभा हलके में 255418 है। इनमें 133563 पुरुष और 121855 महिला मतदाता हैं। गत वर्ष 5 जनवरी 2023 को प्रकाशित मतदाता सूची में अम्बाला शहर विधानसभा हलके में मतदाताओं की कुल संख्या 264120 थी। यानी इस अवधि में 9 हजार मतदाता कम हुए हैं। अम्बाला शहर हलके में कुल 260 मतदान केंद्र हैं।

अम्बाला कैंट विधानसभा सीट पर मतदाताओं की संख्या अब 197588 है। इनमें 103828 पुरुष व 93760 महिला मतदाता हैं। गत यहां 208099 मतदाता थे। यहां 10 हजार मतदाता कम हुए हैं। अम्बाला कैंट में 194 मतदाता केंद्र हैं। नारायणगढ़ हलके में अब 191652 मतदाता हैं। इनमें 101553 पुरुष और 90099 महिला मतदाता हैं। गत वर्ष यहां 197011 मतदाता थे। यहां 6 हजार वोटर कम हुए हैं। इस हलके में 211 मतदाता केंद्र हैं।

मुलाना विधानसभा क्षेत्र में 221104 मतदाता हैं। इनमें 117683 पुरुष और 103421 महिला मतदाता हैं। गत वर्ष यहां 231236 वोटर थे। यहां 10 हजार मतदाता कम हुए हैं। इस हलके में 262 मतदाता केंद्र हैं।

अम्बाला लोकसभा हलके में पंचकूला जिले के पंचकूला व कालका तथा यमुनानगर के जगाधरी, यमुनानगर व साढौरा विधानसभा क्षेत्र भी शामिल हैं। इनमें पंचकूला विधानसभा क्षेत्र में 226415, कालका में 196227, जगाधरी में 228085, यमुनानगर में 234394 और साढौरा में 220701 मतदाता हैं।

भूपेंद्र यादव भिवानी-महेंद्रगढ़ से लड़ सकते हैं लोकसभा चुनाव!

चंडीगढ़. भाजपा इस बार केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव को हरियाणा से लोकसभा चुनाव लड़वाने पर मंथन कर रही है। भिवानी-महेंद्रगढ़ से उन्हें चुनाव लड़वाए जाने की अटकलें हैं। हालांकि अभी तय कुछ नहीं है, लेकिन जिस तरह से भूपेंद्र यादव के समर्थकों ने पार्लियामेंट में सक्रियता बढ़ाई है, उससे इन चर्चाओं को और बल मिला है। वर्तमान में धर्मबीर सिंह भिवानी-महेंद्रगढ़ से लगातार दूसरी बाद सांसद हैं।

भूपेंद्र यादव वर्तमान में राज्यसभा सांसद हैं और वे केंद्र में पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री हैं। मूल रूप से गुरुग्राम के रहने वाले भूपेंद्र यादव के हरियाणा में एक्टिव होने की खबरें पहले भी चलती रही हैं। इस बार उनके राजस्थान की जयपुर-ग्रामीण लोकसभा सीट से चुनाव लड़वाए जाने की भी चर्चाएं हैं। उनका नाम अलवर सीट से भी चर्चाओं में रहा है। 2019 में यहां से बाबा बालकनाथ ने चुनाव जीता था। बालकनाथ वर्तमान में राजस्थान के तिजारा हलके से विधायक हैं। भूपेंद्र यादव से जुड़े समर्थकों का कहना है कि पार्टी नेतृत्व का इशारा मिलने के बाद ही भिवानी-महेंद्रगढ़ संसदीय सीट पर तैयारियां शुरू की हैं। बताते हैं कि यादव समर्थकों द्वारा नारनौल और भिवानी शहर में कार्यालय के लिए जगह भी फाइनल की जा चुकी है। उनकी गिनती केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नजदीकियों में होती है। पूर्व में यादव को हरियाणा का मुख्यमंत्री बनाए जाने की चर्चाएं भी चल चुकी हैं। बताते हैं यादव हरियाणा की बजाय केंद्र की राजनीति करने में अधिक रुचि रखते हैं। 2014 और 2019 से यानी लगातार दो बार भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र से धर्मबीर सिंह सांसद हैं। अगर यहां से भूपेंद्र यादव को चुनाव लड़वाया जाता है तो ऐसी स्थिति में धर्मबीर सिंह को विधानसभा चुनाव लड़वाया जा सकता है।चुनाव लड़ा तो मिल सकती हैं कई चुनौतियां

केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव अगर भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र से चुनावी रण में आते हैं तो उन्हें महेंद्रगढ़ जिले में अच्छा-खासा समर्थन मिलने की उम्मीद है। भिवानी व दादरी जिले के मतदाताओं में मुख्य रूप से जाट वोटरों को अपने साथ जोड़ना उनके लिए सबसे बड़ी चुनौती होगी।

बेशक, पीएम नरेंद्र मोदी का असर इस बार भी देखने को मिल सकता है, लेकिन अगर इस संसदीय सीट का चुनाव महेंद्रगढ़ और ओल्ड भिवानी के फेर में उलझ गया तो चुनौतियां और भी बढ़ सकती हैं।

साधे जा रहे समीकरण

सूत्रों का कहना है कि भाजपा हाईकमान भी हरियाणा में लोकसभा की सभी दस सीटों पर बारीकी से अध्ययन करवा रहा है। जातिगत और क्षेत्रीय के साथ स्थानीय समीकरणों पर फोकस है। भिवानी-महेंद्रगढ़ पार्लियामेंट बड़ी उलझी हुई सीट है। भिवानी व दादरी जिले के छह में से पांच जिले इसमें आते हैं। इनमें चरखी दादरी, बाढ़डा, लोहारू, तोशाम व भिवानी शहर शामिल हैं। बवानीखेड़ा हलका हिसार संसदीय सीट के अधीन आता है। वहीं महेंद्रगढ़ जिला के महेंद्रगढ़, नांगल-चौधरी, नारनौल व अटेली हलके इस पार्लियामेंट के अंतर्गत आते हैं। महेंद्रगढ़ जिला जहां यादव बहुल है। वहीं भिवानी व दादरी जिलों में जाट वोटर हार-जीत में अहम भूमिका निभाते हैं। भिवानी-महेंद्रगढ़ संसदीय सीट से लगातार दो बार सांसद बनने की सबसे बड़ी वजह यह रही कि धर्मबीर सिंह को स्थानीय होने की वजह से जाट मतदाताओं का समर्थन मिला। भिवानी जिले के जाट वोटर भी दो हिस्सों में बंटे हैं। एक हिस्सा बंसीलाल समर्थकों का है तो दूसरे हिस्से में एंटी बंसीलाल वोटर भी हैं। धर्मबीर सिंह को इस एरिया में स्थापित करने में भी एंटी बंसीलाल वोटरों ने अहम भूमिका निभाई। वहीं भाजपा की वजह से गैर-जाट मतदाताओं और केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह के समर्थन के चलते अहीर वोटर भी उन्हें मिलते रहे।

परिजन बोले हत्या, लाडवा रोड किया जाम

शाहाबाद मारकंडा.रविवार को शाहाबाद रणजीत नगर कालोनी से 31 जनवरी को लापता हुए संजू के परिजनों का गुस्सा उस समय फूट पड़ा जब उन्हें सूचना मिली कि हुड्डा पुलिस चौकी के एएसआई ने उनके बेटे संजू को सड़क हादसे में मृत मानकर और शव को लवारिस बताते हुए उसका अंतिम संस्कार 3 फरवरी को हेल्पर्स संस्था की ओर से करवा दिया है। परिजनों की ओर से संजू के लापता होने की सूचना 1 फरवरी को शाहाबाद हूडा चौकी में दी गई थी, लेकिन उसके बाद भी सड़क से मिले शव को न तो संजू की फोटो के साथ मैच किया गया और न ही संजू के परिजनों को बुलाकर शव की शिनाख्त करवाने की जहमत उठाई गई। गुस्साये परिजनों ने कहा कि उनके बेटे संजू की हत्या हुई है और इसमें तीन युवक पंकज, मोहित व कठवा निवासी एक अन्य युवक शामिल हैं और आरोपियों को बचाने के लिए हूडा चौकी के एक एएसआई ने आनन-फानन में संजू का अंतिम संस्कार करवाया है। इसी के रोष स्वरूप संजू की माता शीला देवी, बहन रेणु और चाचा रणजीत सिंह के साथ कालोनी के सैकड़ों लोगों ने पहले हूडा चौकी का घेराव कर लिया और महिलाओं ने एएसआई के कमरे में घुसकर दर्शन सिंह के साथ हाथापाई भी की। बाद में सैकड़ों की संख्या में कालोनीवासी लाडवा रोड पर जा बैठे और सड़क जाम कर दी।इसी दौरान नगरपालिका प्रधान डा. गुलशन कवात्तरा, भाकियू के प्रेस प्रवक्ता राकेश बैंस भी मौके पर पहुंचे और संजू के परिजनों को न्याय देने की मांग पुलिस से की। इस पर मौके पर पहुंचे डीएसपी रणधीर सिंह ने एएसआई दर्शन सिंह को निलंबित किया और मामले की जांच जिला अपराध शाखा-2 को सौंप दी। परिजनों ने करीब एक घंटे के बाद इस चेतावनी पर जाम खोला कि अगर सोमवार 11 बजे तक इस मामले के आरोपियों को गिरफ्तार न किया गया तो परिजन फिर से जाम कर देंगे। संजू की माता शीला देवी, बहन रेणु और चाचा रणजीत ने कहा कि उनके बेटे संजू की जान सड़क हादसे में नहीं गई बल्कि उसकी हत्या की गई है और इस हत्या के पीछे पंकज, मोहित व एक अन्य युवक की साजिश हो सकती है।

'घर-घर कांग्रेस, हर घर कांग्रेस' के लिए 55 कोऑर्डिनेटर नियुक्त

चंडीगढ़. हरियाणा के प्रमुख विपक्षी दल ङ्क कांग्रेस ने 'घर-घर कांग्रेस, हर घर कांग्रेस' अभियान को लेकर सभी दस संसदीय सीटों के लिए लोकसभा कोऑर्डिनेटर नियुक्त किए हैं। कुल 55 नेताओं को कोऑर्डिनेटर नियुक्त किया है। इनमें से कुछ नेताओं को तीन तक विधानसभा हलकों की जिम्मेदारी मिली है वहीं कुल नेताओं को एक और कुछ को दो-दो हलकों का प्रभार दिया है। आगामी लोकसभा चुनावों को देखते हुए कांग्रेस ने यह अभियान शुरू किया है।

पंद्रह जनवरी को हरियाणा में घर-घर कांग्रेस, हर घर कांग्रेस अभियान की शुरुआत की है। कांग्रेस संगठन का गठन नहीं होने की वजह से पार्टी द्वारा कोऑर्डिनेटर नियुक्त किए हैं ताकि इस अभियान को सिरे चढ़ाया जा सके। अंबाला संसदीय सीट के कालका, पंचकूला व सढ़ौरा हलके के लिए कालका विधायक प्रदीप चौधरी को कोऑर्डिनेटर लगाया है। वहीं मुलाना, अंबाला सिटी व अंबाला कैंट हलके का कोऑर्डिनेटर मुलाना विधायक वरुण चौधरी को नियुक्त किया है। नारायणगढ़, यमुनानगर व जगाधरी हलके में कोऑर्डिनेटर की कमान नारायणगढ़ विधायक शैली चौधरी को सौंपी है। इसी तरह हुड्डा समर्थक विधायक बिशनलाल सैनी को कुरुक्षेत्र पार्लियामेंट के अंतर्गत आने वाले तीन हलकों रादौर, शाहाबाद व थानेसर का कोऑर्डिनेटर लगाया है। पूर्व मुख्य संसदीय सचिव जिलेराम शर्मा को पुंडरी व कलायत तथा सतबीर भाना को कैथल हलके का कोऑर्डिनेटर लगाया है। वहीं लाडवा विधायक मेवा सिंह को लाडवा, गुहला-चीका और पिहोवा हलके का कोऑर्डिनेटर नियुक्त किया है। सिरसा लोकसभा क्षेत्र के डबवाली, नरवाना व रानियां हलके का कोऑर्डिनेटर विधायक अमित सिहाग व पूर्व विधायक बलवान सिंह दौलतपुरिया को लगाया है। कालांवाली, सिरसा व रतिया हलके का कोऑर्डिनेटर विधायक शीशपाल केहरवाला और वरिष्ठ नेता अरविंद शर्मा को नियुक्त किया है। इसी तरह से टोहाना, फतेहाबाद व ऐलनाबाद हलके में कोऑर्डिनेटर की बागडोर वरिष्ठ नेता मलकीत सिंह खोसा और पूर्व विधायक जरनैल सिंह को सौंपी है। हिसार पार्लियामेंट के अंतर्गत आने वाले हिसार व आदमपुर हलके का नेतृत्व पूर्व विधायक रामनिवास घोड़ेला, नलवा का डॉ. अजय चौधरी तथा उकलाना व उचाना का कोऑर्डिनेटर धर्मबीर गोयत को लगाया है। हांसी में भूपेंद्र सिंह गंगवा, बरवाला व बवानीखेड़ा में पूर्व विधायक नरेश सेलवाल तथा नारनौंद में पूर्व विधायक प्रो. रामभगत शर्मा को कोऑर्डिनेटर लगाया है। करनाल लोकसभा क्षेत्र के इसराना व पानीपत सिटी के लिए इसराना विधायक बलबीर सिंह वाल्मीकि, पानीपत ग्रामीण व समालखा हलके के लिए विधायक धर्म सिंह छोक्कर, करनाल व इंद्री हलके के लिए वरिष्ठ नेता राजेश वैद व बुल्ले शाह, असंध व घरौंड़ा के लिए विधायक शमशेर सिंह गोगी तथा नीलोखेड़ी हलके के लिए पूर्व मुख्य संसदीय सचिव सुल्तान सिंह जंडौला को कोऑर्डिनेटर लगाया है।

सोनीपत सीट के लिए 7 नेता

कांग्रेस ने सोनीपत लोकसभा क्षेत्र के लिए सात नेताओं को कोऑर्डिनेटर लगाया है। बरोदा व गोहाना हलके का कोऑर्डिनेटर विधायक इंदूराज नरवाल व वरिष्ठ नेता सुरेंद्र दहिया, सफीदों, जींद व जुलाना का विधायक सुभाष गंगौली, खरखौदा व गन्नौर का विधायक जयवीर सिंह वाल्मीकि व पूर्व विधायक पदम दहिया तथा सोनीपत व राई के लिए विधायक सुरेंद्र पंवार व पूर्व विधायक जयतीर्थ दहिया को कोऑर्डिनेटर लगाया है।

लोकनिर्माण विभाग की उदासीनता से गहरे गड्ढों में तब्दील हुआ बापौली मार्ग

रादौर. लोकनिर्माण विभाग की उदासीनता के कारण 12 से ज्यादा गांवों को रादौर शहर से जोड़ने वाले बापौली-खरकाली मार्ग पर जगह-जगह गहरे गड्ढे पड़े हुए हैं। रोड़ गहरे गड्ढों में तब्दील हो चुका है। गहरे गड्ढों में जहां गंदा पानी भरा रहता है, वहीं राहगीरों को भी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। गांव बापौली के हरपाल, बलदेव सिंह, सरपंच रोहित शर्मा, गांव सढ़ूरा के सरपंच जसविन्द्र सिंह, गांव खेड़की के सुभाष सैनी, गांव खरकाली के बलकार सिंह, गांव घिलौर के बलदेव सिंह ने बताया कि रादौर वाया बापौली-खरकाली मार्ग 12

से ज्यादा गांवों को रादौर शहर से जोड़ता है। इस समय रोड की हालत इतनी खस्ता है कि वाहनों का चलना तो दूर की बात पैदल चलना भी इस रोड पर मुश्किल हो रहा है। मामूली सी बरसात में भी रोड के गड्ढों में गंदा पानी भर जाता है।

लोगों ने बताया कि अनेक बार लोकनिर्माण विभाग के अधिकारियों को रोड पर पड़े गहरे गड्ढों को भरने की मांग की चुके हैं, लेकिन बार-बार मांग करने के बाद भी लोकनिर्माण विभाग ने रोड पर पडे गहरे गड्ढों को नहीं भरा है। इस बारे में लोकनिर्माण विभाग के एसडीओ जसमेर सिंह ने बताया कि बापौली-खरकाली मार्ग को बनाने के लिए टैंडर अलाट किया जा चुका है। मैटीरियल मिलते ही जल्दी ही काम शुरू करवा दिया जाएगा।

भाजपा दस की दस सीटों पर प्रदेश में लड़ेगी : सांसद बृजेंद्र सिंह

उचाना. केंद्र सरकार द्वारा पांच मांगें पूरी करने पर राजनीति छोड़ने के अरविंद केजरीवाल के बयान पर बोलते हुए भाजपा सांसद बृजेंद्र सिंह ने कहा कि अरविंद केजरीवाल अगर हरियाणा में सार्थक होते तो मैं कुछ उनकी बातों का जवाब देता। हरियाणा में उनके पास कुछ नहीं है। जैसी पार्टी उनकी थी वो भी बिखर गई है, सारी की सारी। बस बड़ी-बड़ी बातें करते हैं वो। वे पुलिस थाना के सामने स्व. कुलदीप डूमरखा की धर्मपत्नी लक्ष्मी देवी के निधन पर शोक प्रकट करने पहुंचे थे। पूर्व विधायक प्रेमलता ने भी लक्ष्मी देवी के निधन पर शोक प्रकट किया। चंडीगढ़ मेयर चुनाव पर विपक्ष द्वारा भाजपा पर लगाए जा रहे आरोपों पर बोलते हुए सांसद बृजेंद्र सिंह ने कहा कि ये मामला पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट में जा चुका है।

कोर्ट की तरफ से तीन सप्ताह का समय दिया गया है जवाब दायर करने का। जजपा द्वारा गठबंधन मजबूत होने के दावे करने पर भाजपा सांसद ने कहा कि इस तरह की बातें आदमी तब करता है जब वो बिल्कुल सरेंडर कर दे। भाजपा के बड़े नेताओं, सीएम मनोहर लाल ने स्पष्ट कर दिया है कि भाजपा प्रदेश में दस की दस सीट लड़ रही है। इतना होने के बाद भी वे गठबंधन में रहना चाहें तो उनकी मर्जी है। इस मौके पर जगदीप डूमरखा, हरदीप डूमरखा, संजीव डूमरखा कुमार अनिल, राकेश श्योकंद, डॉ. राजेश श्योकंद, पूर्व सरपंच रमेश खटकड़, कुलदीप काकड़ोद मौजूद रहे।

बाबा फुल्लू साध जन्मोत्सव पर पहुंचे सांसद

बाबा फुल्लू साध गौशाला उचाना खुर्द में बाबा फुल्लू साध का जन्मोत्सव उत्सव की तरह मनाया गया। क्षेत्र से भारी संख्या में महिला, पुरूष, युवा पहुंचे। एक सप्ताह से चल रहे हवन में पूर्णा आहुति भाजपा सांसद बृजेंद्र सिंह ने दी। स्वामी वजीरानंद महाराज एवं गौशाला कमेटी ने स्मृति चिन्ह देकर सांसद का स्वागत किया। 11 लाख रुपए गौशाला के लिए सांसद कोटे से देने की घोषणा बृजेंद्र सिंह ने की। जन्मोत्सव कार्यक्रम में आने वाले श्रद्धालुओं को पुष्प वर्षा से स्वागत किया गया। इस मौके पर राकेश उचाना खुर्द, पाल व्यापारी, जयभगवान, रमेश नंबरदार, सुरेंद्र गर्ग, संदीप चौधरी, बलवंत बड़नपुर, कुलदीप काकड़ोद, सोहन श्योकंद, नारायणी देवी आर्य, पूर्व सरपंच भतेरी देवी मौजूद रहे।

'हरियाणा एक हरियाणवी एक' की भावना से कर रहे जनसेवा : मनोहर

पंचकूला.मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि आज पूरे देश में राममय वातावरण है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के रामराज्य की परिकल्पना का अर्थ उस आदर्श राज से है, जहां गरीब की सेवा, सभी को सम्मान और लोकतांत्रिक तरीके से सबको आगे बढ़ने के अवसर मिलें।

सीएम मनोहर लाल रविवार को भाजपा कार्यालय में कांग्रेस, आप सहित अन्य दलों से कई नेताओं की भाजपा में ज्वाइनिंग के अवसर पर बोल रहे थे।?उन्होंने कहा कि वर्ष 1977 से वे देश और समाज सेवा में तत्पर हैं। वे पिछले 9 वर्षों से 'हरियाणा एक हरियाणवी एक' की भावना के साथ प्रदेश वासियों की सेवा में लगे हैं। समाज के हर गरीब को उसका हक मिले, इसके लिए प्रदेश सरकार ने अंत्योदय को आधार मानकर अनेक कल्याणकारी योजनाएं लागू की हैं। इन योजनाओं का न सिर्फ गरीब लोगों को लाभ मिल रहा है, बल्कि वे आज समाज में सम्मानजनक तरीके से जीवन यापन भी कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यांत्रा जनसंवाद में लाखों लोग यात्रा से जुड़कर केंद्र व राज्य सरकार की

विभिन्न लोकहितैषी योजनाओं की न केवल जानकारी ले रहे हैं, बल्कि उनका लाभ भी उठा चुके हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में लोगों को घर बैठे ही ऑनलाइन माध्यम से योजनाओं का लाभ मिल रहा है।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज विश्व में एक श्रेष्ठ नेता बनकर उभरे हैं और उनके नेतृत्व में देश का मान-सम्मान पूरे विश्व में बढ़ा है। इस मौके विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता, प्रदेश अध्यक्ष नायब सिंह सैनी, मेयर कुलभूषण गोयल, हरियाणा बाल कल्याण परिषद की मानद महासचिव रंजीता मेहता, शिवालिक विकास बोर्ड के उपाध्यक्ष ओम प्रकाश देवीनगर व अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

पूर्व विधायक कापड़ीवास का 'वनवास' खत्म

तरुण जैन/हप्र/ रेवाड़ी़ रेवाड़ी हलके से भाजपा के पूर्व विधायक रणधीर सिंह कापड़ीवास का आखिरकार आगामी चुनावों से पूर्व राजनीतिक वनवास खत्म हो गया। रविवार को पंचकूला में कार्यक्रम में मुख्यमंत्री मनोहर लाल व भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष नायब सैनी की मौजदूगी में उनकी घर वापसी हुई। वर्ष 2019 में जब पार्टी ने उनका टिकट काट दिया था तो वे निर्दलीय के तौर पर चुनाव लड़े थे। कापड़ीवास चुनाव तो हार गए थे, लेकिन पार्टी ने 6 साल के लिए उन्हें निष्कासित कर दिया था। रणधीर सिंह कापड़ीवास वैसे तो कई बार विधानसभा चुनाव लड़ चुके हैं, लेकिन वर्ष 2014 में भाजपा की टिकट पर चुनाव जीत कर पहली बार विधायक बने थे।

जब वर्ष 2019 में पार्टी ने उन्हें पुन: टिकट नहीं दिया तो वे बागी हो गए थे और निर्दलीय के तौर पर चुनाव मैदान में उतरे। जिसका नतीजा यह हुआ कि रणधीर सिंह कापड़ीवास व भाजपा टिकट पर चुनाव लड़े सुनील यादव मुसेपुर दोनों चुनाव हार गए और इनकी लड़ाई में कांग्रेस प्रत्याशी चिरंजीव राव की जीत हुई।

लेकिन पार्टी से निकाले जाने के बावजूद वे भाजपा के संपर्क में रहे और उनका भाजपा से कभी भी मोह भंग नहीं हुआ। उनके भतीजे मुकेश कापड़ीवास पहले से ही भाजपा में हैं और प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य भी हैं। कापड़ीवास के केन्द्रीय मंत्री राव इन्द्रजीत सिंह से कभी भी मधुर संबंध नहीं रहे। लेकिन उनकी घर वापसी से यहां के राजनीति समीकरणों पर असर पड़ता दिखाई दे रहा है।

ओलावृष्टि से फसलों को हुए नुकसान का किसानों को मिलेगा मुआवजा

चंडीगढ़. उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि एक फरवरी से फसलों की गिरदावरी शुरू हो गई है जोकि एक मार्च 2024 तक प्रदेश भर में चलेगी, इस दौरान राज्य में ओले गिरने से फसलों को जो नुकसान हुआ है उसकी जिला प्रशासन को रिपोर्ट करने के निर्देश दिए हुए हैं, साथ ही किसान खुद भी राजस्व विभाग के क्षतिपूर्ति-पोर्टल पर नुकसान की रिपोर्ट अपलोड कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि सभी रिपोर्ट मिलने पर किसानों को उनकी क्षति की पूर्ति के लिए मुआवजा दिया जाएगा।डिप्टी सीएम, जिनके पास राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग का प्रभार भी है, रविवार को यहां प्रेस कॉन्फ्रेंस को सम्बोधित कर रहे थे। डिप्टी सीएम ने कहा कि जब-जब किसानों की फसल को प्राकृतिक आपदा की मार पड़ी है, प्रदेश सरकार ने प्रभावित किसानों की हर संभव मदद की है।

उन्होंने बताया कि अब गरीब (बीपीएल) परिवारों को राशन लेने में किसी तरह की परेशानी नहीं आएगी। केंद्र व राज्य सरकार की बीपीएल सूची में अंतर होने की वजह से केंद्र की ओर से राशन का आवंटन समय से नहीं हो पा रहा था। हरियाणा सरकार ने केंद्र को अपने बीपीएल परिवारों की लिस्ट भेजकर अवगत कराया है कि यहां 1.20 की बजाय 1.80 रुपये वार्षिक आय वाले परिवार को बीपीएल की श्रेणी में रखा गया है। इसे समझते हुए केंद्र सरकार ने हरियाणा के गरीबों के लिए अधिक राशन का आवंटन करने की सहमति दे दी है। इस बारे में राज्य सरकार के पास केंद्र का पत्र पहुंच चुका है। उन्होंने बताया कि इसी वित्तीय वर्ष से सरकार ने नागरिकों को सरसों व सूरजमुखी का तेल आवंटित करने का भी निर्णय लिया है। पहले डीबीटी के माध्यम से तेल की राशि खातों में भेजी जा रही थी। सरकार ने यह भी विकल्प दिया है कि कोई भी परिवार सरसों या सूरजमुखी के तेल का विकल्प चुन सकता है। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि एक मार्च 2024 से प्रदेश में देशी शराब को प्लास्टिक की बोतलों में बेचने पर प्रतिबंध लगा दिया है। ऐसा करने वाला हरियाणा देश का पहला राज्य है। डिप्टी सीएम दुष्यंत ने बताया कि जीएसटी संग्रह की पिछले चार साल की 30 प्रतिशत बढ़ोतरी हुई है। इस मौके

जजपा प्रदेश अध्यक्ष निशान सिंह, वरिष्ठ नेता डॉ. केसी बांगड़, चेयरमैन एवं राष्ट्रीय संगठन सचिव राजेंद्र लितानी, प्रदेश कार्यालय सचिव रणधीर, दिलबाग नैन मौजूद रहे।

मैं टायर्ड- रिटायर्ड नहींज्डायनामिक हूं

मैं यंग और डायनामिक हूं, ना कि मैं टायर्ड और रिटायर्ड हुआ हूं। कुछ नेता अपने जीवन का आखिरी चुनाव कहकर वोट मांगते हैं, लेकिन अगले चुनाव में वे फिर चुनाव लड़ते दिखाई देते हैं। देश और प्रदेश के विकास के लिए मैं निरंतर राजनीति करते हुए 80 साल की उम्र तक काम करता रहूंगा और यह मेरी जिम्मेदारी भी बनती है। पिछले दस साल में मैंने जरूरत पड़ने पर बतौर सांसद संसद में ट्रैक्टर ले जाकर किसानों की आवाज बुलंद की और अब बतौर डिप्टी सीएम गठबंधन सरकार में किसानों के हित एमएसपी-मंडी व्यवस्था बेहतर करने की दिशा में अनेक ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने यह बात कही। उचाना विधानसभा से चुनाव लड़ने के संदर्भ में डिप्टी सीएम ने कहा कि वे उचाना नहीं छोड़ेंगे और जिनको उचाना छोड़ना है, वे पार्टी छोड़ने की तैयारी में बैठे हैं। दुष्यंत चौटाला ने भाजपा-जजपा गठबंधन पर कहा कि जजपा एनडीए का मजबूत साथी है और हरियाणा में हम स्थिर सरकार देने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। आगे दोनों दल बैठक कर फैसला लेंगे, फिलहाल भाजपा-जजपा दोनों अपनी-अपनी चुनावी तैयारी कर रहे हैं।

भारत में सेवा क्षेत्र की गतिविधियां जनवरी में छह महीने के उच्चतम स्तर पर

नई दिल्ली. भारत में सेवा क्षेत्र की गतिविधियां अनुकूल आर्थिक परिस्थितियों और सकारात्मक मांग के दम पर जनवरी में छह महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। एक मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई है। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया भारत सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक जनवरी में 61.8 पुहंच गया। यह दिसंबर में 59 पर था। खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर अंक का मतलब गतिविधियों में विस्तार से और 50 से कम अंक का आशय संकुचन से होता है। सर्वेक्षण सेवा क्षेत्र की करीब 400 कंपनियों को भेजे गए प्रश्नावली के जवाबों पर आधारित है। एचएसबीसी के अर्थशास्त्री इनेस लैम ने कहा, ''भारत की सेवा पीएमआई जनवरी में छह महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। नए व्यवसाय का विस्तार तेज गति से हुआ और भविष्य की गतिविधि के लिए

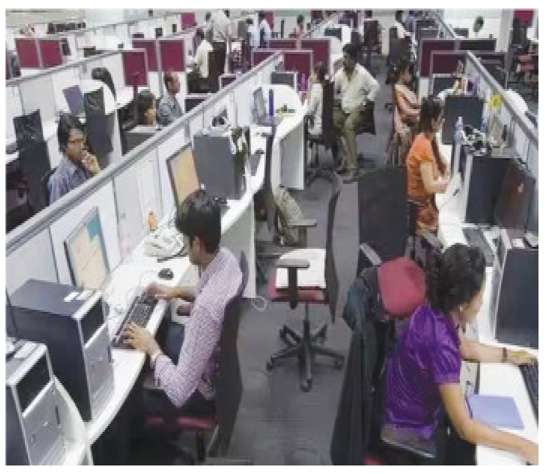

प्रबंधकों की उम्मीदें मजबूत बनी हैं। कारोबारी गतिविधि सूचकांक में तेजी आई, जिससे संकेत मिलता है कि भारत का सेवा निर्यात मजबूत बना हुआ है। नई निर्यात बिक्री तीन महीनों में सबसे तेज़ गति से बढ़ी।कंपनियों ने अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, चीन, यूरोप, संयुक्त अरब अमीरात और अमेरिका सहित दुनिया भर में ग्राहकों से लाभ का संकेत दिया। इस बीच, एचएसबीसी इंडिया कंपोजिट पीएमआई आउटपुट इंडेक्स 58.5 से बढ़कर 61.2 हो गया।

खुलते ही IPO पर टूट पड़े निवेशक, 1 घंटे में फुल सब्सक्राइब, GMP ने किया खुश

नई दिल्ली.आईपीओ ओपन होते ही 1 घंटे में फुल सब्सक्राइब हो गया। सुबह 11.40 मिनट पर इस आईपीओ को 2.76 गुना सब्सक्रिप्शन प्राप्त हुआ था। बता दें, कंपनी के आईपीओ का आईपीओ का प्राइस बैंड 147 रुपये से 155 रुपये प्रति शेयर है। कंपनी के शेयरों की फेस वैल्यू 1 रुपये प्रति शेयर है। रिटेल कैटगरी में आईपीओ को 2.12 गुना सब्सक्रिप्शन मिला था। वहीं, नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स सेक्शन में 0.62 गुना सब्सक्रिप्शन मिला था। हालांकि, क्वालीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स का सेक्शन अब भी खाली है।

क्या है लॉट साइज

कंपनी ने 96 शेयरों का एक लॉट बनाया है। जिस वजह से निवेशकों को कम से कम 14,880 रुपये का दांव लगाना पड़ेगा। वहीं, कोई भी रिटेल निवेशक अधिक से अधिक 13 लॉट पर दांव लगा सकता है। आईपीओ रिटेल निवेशकों के लिए 7 फरवरी तक ओपन रहेगा। बता दें, कंपनी ने कर्मचारियों को एक शेयर 7 रुपये की छूट दी है।

पान मसाला, गुटखा, तंबाकू कंपनियों को झटका, 1 अप्रैल से पहले नहीं किए ये काम तो लगेगा 1 लाख का जुर्माना

बिजनेस डेस्क. तंबाकू, गुटखा और पान-मसाला उत्पाद बनाने वाली कंपनियों के लिए नियमों में बदलाव हुआ है। ये प्रोडक्ट्स बनाने वालों ने अगर 1 अप्रैल से अपनी पैकिंग मशीनों को गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (तस्ञ्ज) अधिकारियों के पास रजिस्टर्ड नहीं कराया, तो उन्हें 1 लाख रुपए तक का जुर्माना भरना होगा। तंबाकू इंडस्ट्री में रेवेन्यू लीकेज को रोकने के लिए वित्त विधेयक 2024 में संशोधन किए गए हैं।

1 अप्रैल से 1 लाख रुपए जुर्माना

प्रत्येक गैर-रजिस्टर्ड मशीन के लिए 1 लाख रुपए का जुर्माना लगाया जाएगा। कुछ स्थितियों में गैर-अनुपालन वाली मशीनों को जब्त किया जा सकता है। जीएसटी काउंसिल ने पिछले साल तंबाकू निर्माताओं द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली मशीनों को रजिस्टर्ड करने के लिए एक विशेष प्रक्रिया की सिफारिश की थी। मौजूदा और नई लगी मशीनों का विवरण, उनकी पैकिंग क्षमता सहित फॉर्म जीएसटी एसआरएम-आई में देना होगा। हालांकि, ऐसा करने में विफल रहने पर कोई दंड की घोषणा नहीं की गई है।

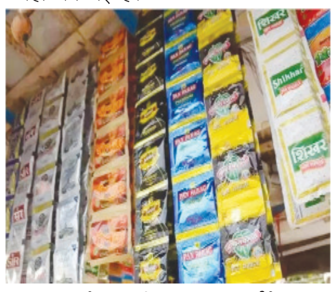

पहले नहीं था जुर्माने का प्रावधान

राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा ने कहा कि जीएसटी परिषद ने पहले पान मसाला, गुटखा और इसी तरह के उत्पादों में उपयोग होने वाली मशीनों को उनकी उत्पादन क्षमता की निगरानी के लिए पंजीकृत करने का निर्णय लिया था। उन्होंने कहा, हालांकि, अगर वे पंजीकरण करने में विफल रहे तो कोई जुर्माना नहीं था। इसलिए, काउंसिल ने फैसला किया कि कुछ दंड होना चाहिए। इसलिए वित्त विधेयक में आपको मशीनों को पंजीकृत नहीं करने के लिए एक लाख रुपये तक का जुर्माना देखने को मिलता है।

काउंसिल ने दी थी पैनल की रिपोर्ट को मंजूरी

पिछले साल फरवरी में जीएसटी परिषद ने पान मसाला और गुटखा उद्योगों में टैक्स चोरी को रोकने पर राज्य के वित्त मंत्रियों के एक पैनल की रिपोर्ट को मंजूरी दी थी। जीओएम ने सिफारिश की थी कि राजस्व के पहले चरण के कलेक्शन को बढ़ावा देने के लिए पान मसाला और चबाने वाले तंबाकू उत्पादों पर मुआवजा उपकर लगाने की व्यवस्था को यथामूल्य से एक विशिष्ट दर-आधारित शुल्क में बदला जाए।

77 पैसे से 30 रुपये के पार पहुंचा यह मल्टीबैगर शेयर, कंपनी ने बांटे 4 बोनस शेयर

नई दिल्ली. स्मॉलकैप कंपनी सालासर टेक्नो इंजीनियरिंग के शेयर रॉकेट बने हुए हैं। कंपनी के शेयरों में तूफानी तेजी जारी है। सालासर टेक्नो (Salasar Techno) के शेयर सोमवार को 5 पर्सेंट की तेजी के साथ 30.92 रुपये पर पहुंच गए हैं। पिछले 5 दिन में सालासर टेक्नो के शेयरों में 23 पर्सेंट का उछाल आया है। वहीं, पिछले एक महीने में कंपनी के शेयर 111 पर्सेंट से अधिक चढ़ गए हैं। सालासर टेक्नो इंजीनियरिंग के शेयरों ने सोमवार को 52 हफ्ते का अपना नया हाई बनाया है।

77 पैसे से 30 रुपये के पार शेयर, 3900% की तेजी

सालासर टेक्नो (Salasar Techno) के शेयरों में पिछले कुछ साल में ताबड़तोड़ तेजी आई है। कंपनी के शेयर 27 मार्च 2020 को 77 पैसे पर थे। सालासर टेक्नो के शेयर 5 फरवरी 2024 को 30.92 रुपये पर पहुंच गए हैं। पिछले करीब 4 साल में सालासर टेक्नो इंजीनियरिंग के शेयरों में 3915 पर्सेंट का उछाल आया है। पिछले 6 महीने में सालासर टेक्नो के शेयरों में 208 पर्सेंट की तेजी आई है। वहीं, पिछले एक साल में सालासर टेक्नो के शेयर 235 पर्सेंट चढ़ गए हैं। इस अवधि में कंपनी के शेयर 9.21 रुपये से बढ़कर 30.92 रुपये पर जा पहुंचे हैं। सालासर टेक्नो को चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में 16.75 करोड़ रुपये का प्रॉफिट हुआ है।

पिछले साल की समान अवधि में कंपनी को 10.77 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था। चालू वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही में कंपनी की टोटल इनकम 304.15 करोड़ रुपये रही है, जो कि एक साल पहले 275.56 करोड़ रुपये थी।

कंपनी ने दिए हैं 4 बोनस शेयर

सालासर टेक्नो इंजीनियरिंग (Salasar Techno) ने हाल में अपने निवेशकों को 4:1 के रेशियो में बोनस शेयर दिए हैं। कंपनी ने हर 1 शेयर पर 4 बोनस शेयर दिए हैं। कंपनी के बोनस शेयर की रिकॉर्ड डेट 1 फरवरी 2024 थी। सालासर टेक्नो ने इससे पहले जुलाई 2021 में 11 के रेशियो में बोनस शेयर दिए थे। सालासर टेक्नो ने जून 2022 में स्टॉक स्प्लिट भी किया है।

सोनी-जी विलय मामला: सोनी ने सिंगापुर मध्यस्थता केंद्र के फैसले पर जताई निराशा

नई दिल्ली. सोनी ने सोमवार को कहा कि वह सिंगापुर मध्यस्थता केंद्र (एसआईएसी) के फैसले से निराश है। सिंगापुर मध्यस्थता केंद्र (एसआईएसी) ने जी को एनसीएलटी में जाने से रोकने की सोनी की याचिका को रविवार को खारिज कर दिया था। जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड (जील) और जापान के सोनी समूह की भारतीय शाखा के बीच विलय के लिए एक समझौता हुआ था, जिसे सोनी ने देरी और कुछ अन्य कारणों के चलते समाप्त कर दिया। सोनी ने आरोप लगाया कि जील ने समझौते की शर्तों को पूरा नहीं किया।जील ने इस फैसले के खिलाफ राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) में याचिका दायर की है। सोनी

सोनी ने सोमवार को कहा कि वह सिंगापुर मध्यस्थता केंद्र (एसआईएसी) के फैसले से निराश है। सिंगापुर मध्यस्थता केंद्र (एसआईएसी) ने जी को एनसीएलटी में जाने से रोकने की सोनी की याचिका को रविवार को खारिज कर दिया था। जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड (जील)...

पिक्चर्स एंटरटेनमेंट ने सोमवार को एक बयान में कहा, कंपनी विलय समझौते को समाप्त करने तथा ज़ी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड (जील) से हर्जाना मांगने के सोनी पिक्चर्स नेटवर्क इंडिया (अब कल्वर मैक्स) के अधिकार को लेकर आश्वस्त है। बयान के अनुसार, '' हम सिंगापुर मध्यस्थता केंद्र (एसआईएसी) के फैसले से निराश हैं। यह निर्णय केवल प्रक्रिया का हिस्सा है। इसमें केवल इस बात पर फैसला किया गया है कि ज़ी एंटरटेनमेंट को एनसीएलटी के साथ अपने आवेदन को आगे बढ़ाने की अनुमति दी जाएगी या नहीं।जील ने शेयर बाजार को बताया था कि एसआईएसी ने एक आपात मध्यस्थता फैसले में उस पर रोक लगाने की कल्वर मैक्स और बीईपीएल (बांग्ला एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड) की याचिका को खारिज करते हुए उन्हें अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया। एसआईएसी ने चार फरवरी के अपने आदेश में कहा कि उसके पास ऐसा आदेश पारित करने का अधिकार क्षेत्र नहीं है। जील ने कहा कि इस बारे में अब एनसीएलटी को निर्णय लेना है और उसे उम्मीद है कि एनसीएलटी विलय योजना को लागू करेगा।

क्या है राजीव गांधी इक्विटी स्कीम? निवेश करने पर मिलती है 50 हजार रुपए की टैक्स छूट

नई दिल्ली. इनकम टैक्स रिटर्न की फाइलिंग जल्द शुरू होने वाली है. उसके बाद से कई टैक्सपेयर फाइल करने में लग जाएंगे. अगर आप उन लोगों की लिस्ट में है और इस बात को लेकर चिंतित हैं कि टैक्स सेविंग का कोई तरीका मिल जाए तो यह खबर आपके लिए है. हम इसमें एक ऐसी स्कीम के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसका फायदा आप ओल्ड टैक्स रिजीम के तहत उठा पाएंगे. उस स्कीम का नाम राजीव गांधी इक्विटी स्कीम है, जो टैक्स बेनिफिट्स प्रदान करती है, राजीव गांधी इक्विटी सेविंग स्कीम छोटे निवेशकों को डोमेस्टिक कैपिटल मार्केट में बचत में निवेश करने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से शुरू की गई थी.

क्या है राजीव गांधी इक्विटी सेविंग स्कीम?

राजीव गांधी इक्विटी सेविंग स्कीम (आरजीईएसएस) की घोषणा 2012-13 में केंद्रीय बजट में की गई थी और 2013-14 में इसका और विस्तार किया गया. यह एक टैक्स सेविंग स्कीम है. यह विशेष रूप से नए निवेशकों के लिए डिज़ाइन की गई है, जिनके पास सिक्योरिटी मार्केट में बहुत कम या कोई अनुभव नहीं है और जिनकी प्रति वर्ष ग्रॉस इनकम एक निश्चित राशि से कम है. वह इसका फायदा उठा सकते हैं. जब योजना शुरू की गई थी तो 2012-13 में इनकम लिमिट 10 लाख रुपये रखी गई थी. 2013-14 में इसे बढ़ाकर 12 लाख रुपये कर दिया गया. आयकर अधिनियम की धारा 80सीसीजी के तहत, निवेशक वर्ष के दौरान निवेश की गई राशि में से 50 प्रतिशत की कटौती के लिए आवेदन कर सकते हैं, जिसमें उन्हें 50 हजार रुपए की टैक्स छूट मिल सकती है.

इस योजना का उद्देश्य

इस योजना का उद्देश्य भारत के सिक्योरिटी मार्केटों में रीटेल निवेशकों के आधार का विस्तार करना और बदले में वित्तीय समावेशन और वित्तीय स्थिरता लाना है. यह देश में इक्विटी निवेश की संस्कृति को जन्म देकर बचत के प्रवाह को प्रोत्साहित करके घरेलू पूंजी बाजार में सुधार को प्रोत्साहित करता है. यहां ध्यान देने वाली बात ये है कि आप इस योजना का लाभ तभी उठा पाएंगे जब आप सरकार द्वारा तय की गई गाइडलाइन को पूरा करते हैं.रीटेल निवेशक भारत के निवासी हो.

निवेशक का डेरिवेटिव बाजार और इक्विटी बाजार में कोई इतिहास नहीं रहा हो.उस वित्तीय वर्ष के लिए ग्रॉस इनकम 10 लाख रुपये से कमया उसके बराबर होनी चाहिए.निवेश केवल उन कंपनियों में किया जा सकता है जो बीएसई-100 या सीएनएक्स-100 में शामिल हो या उनके फॉलो-ऑन पब्लिक ऑफर से संबंधित हो.51 फीसदी या उससे ज्यादा सरकारी हिस्सेदारी वाले पीएसयू के आईपीओ में ही निवेश करना होगा.

दिवाली पर टूटेगा LIC का रिकॉर्ड, कोरियन कंपनी का आएगा 46 हजार करोड़ का IPO

नई दिल्ली.दिवाली पर पैसों की बरसात होने वाली है. जी हां, शेयर बाजार में देश की दूसरे सबसे बड़ी कार कंपनी हुंडई मोटर्स अपना आईपीओ लेकर आ रही है. जिसका साइज 46 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा होने के आसार हैं.

ईटी की रिपोर्ट के अनुसार दक्षिण कोरिया की कंपनी हुंडई मोटर कंपनी की भारतीय शाखा हुंडई मोटर इंडिया (एचएमआईएल) इस साल नवंबर में दिवाली के आसपास भारतीय शेयर बाजारों में अपना आईपीओ लेकर आने वाली है. अभी तक कंपनी की ओर से आधिकारक बयान नहीं आया है. हुंडई मोटर इंडिया की स्थापना 6 मई 1996 को हुई थी. इसका मतलब है कि कंपनी 28 साल के बाद शेयर बाजार में लिस्ट होगी. पिछले साल मारुति सुजुकी इंडिया के बाद एचएमआईएल भारत की दूसरी सबसे बड़ी पैसेंजर व्हीकल कंपनी थी.

कितना बड़ा होगा आईपीओ

दुनिया के टॉप इंवेस्टमेंट बैंक संभावित हुंडई इंडिया आईपीओ के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। गोल्डमैन सैक्स, सिटी, मॉर्गन स्टेनली, जेपी मॉर्गन, बैंक ऑफ अमेरिका, एचएसबीसी, डॉयचे बैंक और यूबीएस के प्रतिनिधियों ने पिछले हफ्ते सियोल में हुंडई के सामने अपनी विशेषज्ञता पेश की।

बैंकर्स ने कंपनी

का वैल्यू 22-28 बिलियन डॉलर आंका, जिसका संभावित मार्केट कैप 1.82-2.32 लाख करोड़ है।

ईटी की रिपोर्ट के अनुसार हुंडई कथित तौर पर 3.3-5.6 बिलियन (27,390 करोड़ से 46,480 करोड़ रुपए) जुटाने के टारगेट के साथ 15-20 फीसदी डाइल्यूट करने की संभावना तलाश रही है।

इससे पहले एलआईसी का आईपीओ 21 हजार करोड़ रुपए का था. जो अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ है. अगर हुंडई का आईपीओ आता है तो ये एलआईसी के मुकाबले दोगुने से भी ज्यादा बड़ा होगा.

एक पैन कार्ड पर 1000 खाते, ऐसे RBI के रडार पर आया पेटीएम पेमेंट्स बैंक

बिजनेस डेस्कः भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा पेटीएम पेमेंट बैंक पर कई तरह के प्रतिबंध लगाए जाने से कारोबारी बाजार में हड़कंप मच गया है। इसका असर जहां ग्राहकों पर देखने को मिल रहा है, वहीं पेटीएम पेमेंट्स बैंक का भविष्य भी खतरे में है। हालांकि, इसके पीछे क्या कारण हैं जो मामला यहां तक पहुंच गया, जिसके कारण पेटीएम पेमेंट्स बैंक आरबीआई की आंखों में खटकने लगा? मामले से परिचित लोगों का कहना है कि पेटीएम पेमेंट्स बैंक ने बिना सही पहचान सुनिश्चित किए सैकड़ों खाते बनाए। यही सबसे बड़ा कारण रहा जिसकी वजह से पेटीएम पेमेंट्स बैंक आरबीआई की नजरों पर चढ़ गया।अपर्याप्त केवाईसी वाले इन खातों ने प्लेटफॉर्म पर करोड़ों रुपए का लेनदेन किया, जिससे संभावित मनी लॉन्ड्रिंग की आशंका पैदा हो गई। खबरों की मानें तो ऐसा पाया गया कि 1,000 से अधिक यूजर्स का अकाउंट केवल 1 ही पैन नंबर से जुड़ा हुआ था। इतना ही नहीं आरबीआई और ऑडिटर ने जब बैंक की अनुपालन रिपोर्ट की जांच की तो वह भी गलत पाई गई। सूत्रों के अनुसार, आरबीआई को चिंता है कि कुछ खातों का इस्तेमाल मनी लॉन्ड्रिंग के लिए किया जा सकता है।

पीएमओ तक पहुंचे दस्तावेज

आरबीआई ने अपनी जांच में सामने आए नतीजों की रिपोर्ट को ईडी, गृह मंत्रालय और प्रधानमंत्री कार्यालय तक भेज दिया है।

राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा ने बताया कि अगर अवैध गतिविधि का कोई सबूत मिला तो प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) पेटीएम पेमेंट्स बैंक की जांच करेगा।

ग्रुप के अंदर गैर-पारदर्शी ट्रांजेक्शन

ऐसी भी खबर हैं कि ग्रुप के अंदर ही जो ट्रांजेक्शन की गईं उसमें भी पार्दर्शिता नहीं थी। केंद्रीय बैंक की जांच से गवर्नेंस स्टैंडर्ड में खामियां भी उजागर हुईं, विशेषकर पेटीएम पेमेंट्स बैंक और इसकी मूल कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड के बीच में संबंध में कई कमिया दिखीं। पेटीएम के मूल ऐप के माध्यम से किए गए लेनदेन ने डेटा प्राइवेसी से जुड़ी चिंताओं को बढ़ा दिया, जिसके कारण आरबीआई को पेटीएम पेमेंट्स बैंक के माध्यम से लेनदेन रोकने का निर्णय लेना पड़ा।

ऑफिस आइए तभी बढ़ेगी सैलरी और होगा प्रमोशन, टीसीएस ने कर्मचारियों के सामने रखी शर्त

नई दिल्ली. फरवरी महीने की शुरुआत होते ही ऑफिसों में कर्मचारियों और ॥टीम के बीच सैलरी हाइक और प्रमोशन को लेकर चर्चा तेज हो जाती है. इसी बीच देश की दिग्गज टेक कंपनी टाटा कंसल्टेंसी ने भी सैलरी बढ़ाने और प्रमोशन के लिए एम्प्लॉइज के सामने एक शर्त रखी है. ञ्जष्टस्ने हाल ही में एक ऐसा कदम उठाया है, जो छंटनी का न होकर भी जॉब मार्केट पर असर डाल सकता है. आइए जानते हैं ञ्जष्टस्ने कर्मचारियों से सैलरी बढ़ाने के लिए कौन सी शर्त रखी है. **मानों शर्त तभी मिलेगी सैलरी हाइक**

टाटा ग्रुप की आईटी कंपनी टीसीएस जो भारत की सबसे बड़ी आईटी कंपनी है, वो पिछले कुछ समय से अपने कर्मचारियों को ऑफिस बुलाने का प्रयास कर रही है. इसके लिए टीसीएस पहले भी कई कदम उठा चुकी है. अब कंपनी का ताजा कदम हैरान करने वाला है. कंपनी ने कर्मचारियों के ऑफिस लौटने को उनकी सैलरी में हाइक और पोस्ट में प्रमोशन से जोड़ दिया है.

टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक, कंपनी ने अपनी रिटर्न-टू-ऑफिस पॉलिसी को सख्त किया है.

संकट में फंसी कंपनी को सहारा देंगे मुकेश अंबानी! शेयर खरीदने की मची लूट, 14% चढ़ गया भाव

नई दिल्ली. केंद्रीय रिजर्व बैंक की ओर से **Paytm** पेमेंट्स बैंक पर सख्ती बढ़ाने के बाद Paytm की पैरेंट कंपनी- वन 97 कम्युनिकेशंस पर संकट बढ़ता जा रहा है। कंपनी के शेयर में लगातार तीन कारोबारी दिन से लोअर सर्किट लग रहा है तो अब क्कड्ड4ह्लद्व पेमेंट्स बैंक के लाइसेंस पर भी संकट के बादल मंडराने लगे हैं।

मुकेश अंबानी की कंपनी से बात

इस बीच खबर है कि वन 97 कम्युनिकेशंस यानी पेटीएम अपने वॉलेट कारोबार को बेचने के लिए मुकेश अंबानी से बात कर रही है। Hindu Businessline की एक रिपोर्ट मुताबिक मुकेश अंबानी की कंपनी जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के अलावा एचडीएफसी बैंक के साथ बातचीत हो रही है। इस खबर के बाद सोमवार को बीएसई पर जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के शेयर 14त्न बढ़कर 289.70 रुपये के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए। यह शेयर का ऑल टाइम हाई भी है। बता दें कि जियो फाइनेंशियल सर्विसेज को पिछले साल रिलायंस इंडस्ट्रीज ने डीमर्ज किया था। इसके बाद अगस्त 2023 में जियो फाइनेंशियल सर्विसेज की शेयर बाजार में लिस्टिंग हुई थी। कई महीने दबाव में रहने के बाद अब यह शेयर तूफानी रफ्तार से बढ़ा है।

पिछले साल से ही हो रही बात

मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पेटीएम के फाउंडर विजय शेखर शर्मा की टीम पिछले साल नवंबर महीने से जियो फाइनेंशियल के साथ बातचीत कर रही थी।

केंद्रीय रिजर्व बैंक की ओर से Paytm पेमेंट्स बैंक पर सख्ती बढ़ाने के बाद Paytm की पैरेंट कंपनी- वन 97 कम्युनिकेशंस पर संकट बढ़ता जा रहा है।

एचडीएफसी बैंक के साथ बात

चीत पेटीएम पेमेंट्स बैंक पर आरबीआई के प्रतिबंध से ठीक पहले शुरू हुई थी। यह संभव है कि जियो फाइनेंशियल बड़े बेलआउट के हिस्से के रूप में पेटीएम पेमेंट्स बैंक का अधिग्रहण करने की पेशकश कर सकती है।

आरबीआई का एक्शन

बता दें कि आरबीआई द्वारा पेटीएम पेमेंट्स बैंक को ग्राहक खातों में किसी भी जमा या क्रेडिट को स्वीकार करने से प्रतिबंधित करने के बाद से पेटीएम को अस्तित्व के संकट का सामना करना पड़ रहा है। ऐसा कहा जाता है कि नियामक बैंकिंग लाइसेंस को रद्द करने के साथ-साथ पेटीएम पर संभावित मनी लॉन्ड्रिंग और नो-योर-कस्टमर (केवाईसी) उल्लंघनों की वजह से लाइसेंस रद्द कर सकता है।

एग्जाम का स्ट्रेस बच्चे को बना सकता है चिड़चिड़ा, जानें क्या हो पेरेंट्स की भूमिका

बच्चों की वार्षिक परीक्षाएं शुरू होने ही वाली हैं और साथ ही साथ उनके माता-पिता भी चिंता महसूस करने लगे हैं। वैसे तो उनका थोड़ा परेशान होना लाजमी है क्योंकि प्रत्येक अभिवाभक चाहता है कि उनका बच्चा परीक्षाओं में अच्छे नम्बरों से उत्तीर्ण हो। इसलिए वह परीक्षा के दिनों में खासतौर पर अपने बच्चे की तैयारी पर ध्यान देने लगते हैं। लेकिन ऐसा करते समय अकसर वह भूल जाते हैं कि बच्चा पहले से ही परीक्षा के तनाव में होता है और उनका लगातार पढ़ाई पर दबाव बच्चे को चिड़चिड़ा बना सकता है। इसलिए जरूरी है कि समझदारी और संयम से काम लेते हुए कुछ बातों का ख्याल रखा जाए। इसका अर्थ यह नहीं है कि आप अपने बच्चे की पढ़ाई पर ध्यान ही देना छोड़ दें, बल्कि इसका मतलब यह है कि उस पर नाहक और गैरजरूरी बातों को लेकर दबाव ना बनाएं।

हर समय की नजर का असर

यदि आप बार-बार अपने बच्चे के कमरे में जाती हैं या हर छोटी-छोटी बात पर टोकाटाकी करती हैं तो वह आपसे परेशान हो सकता है। बच्चे की किताबों को उसकी मर्जी के बिना छेड़ना, कमरे में बार-बार जाना, इंटरनेट के इस्तेमाल को लेकर बहुत ज्यादा टोकना या उसकी पढ़ाई के घंटे गिनना आदि कुछ ऐसी बातें हैं जो बच्चे को विद्रोही बना सकती हैं। इसलिए ऐसा करने या अपनी मर्जी उन पर थोपने के बजाय उन्हें आराम से सुझाव दें ताकि वह परीक्षा से डरने या परेशान होने के बजाय मन लगाकर पढ़ाई कर सके। साथ ही इस बात का भी ख्याल रखें कि आप हर बात में उन्हें परीक्षा और पढ़ाई की याद ना दिलाएं।

तुलना करना नहीं है सही

प्रत्येक बच्चा दूसरे बच्चे से अलग होता है। इसलिए उनकी विशेषताएं, बौद्धिक स्तर, तार्किक क्षमता और खूबियां भी एक समान नहीं हो सकती हैं। इसलिए बेहद जरूरी है कि अपने बच्चे की तुलना उसके दोस्त, भाई-बहन या किसी अन्य हमउम्र बच्चे से ना की जाए। ऐसा करने से उन पर बहुत नकारात्मक प्रभाव पड़ता है और वह अपना आत्मविश्वास खोने लगते हैं। याद रखिए, हर बच्चा अपने आप में खास होता है इसलिए अपने बच्चे की कमियां गिनवाने की बजाय उसकी खूबियों की प्रशंसा करें।

ब्रेक भी है जरूरी

परीक्षा का अर्थ सारा समय किताबें लेकर बैठना नहीं होता है क्योंकि ऐसा करने से पढ़ाई उबाऊ लगने लगती है। माना परीक्षा के दिनों में सामान्य से ज्यादा पढ़ाई करनी चाहिए लेकिन बीच-बीच में ब्रेक लेने भी जरूरी है ताकि तरोताजा हुआ जा सके। इसलिए पढ़ाई के बीच में बच्चों को थोड़ा खाली समय भी जरूर दें जिसमें वह दोस्तों से बात कर सकें या खेल-कूद कर दिमाग फ्रेश कर सकें। लेकिन ब्रेक का अर्थ फोन या सोशल मीडिया पर लंबा समय बिताना नहीं होना चाहिए। इसकी बजाय उन्हें घर से बाहर टहलने जाने, संगीत सुनने या परिवार संग कुछ देर गप-शप करने के लिए प्रेरित करें। आमतौर पर एक्सपर्ट परीक्षा की तैयारी के बीच में ब्रेक लेने की सलाह देते हैं। लेकिन समय अवधि और ब्रेक की संख्या के बारे में भी पता होना चाहिए। सही तरीका तो ये है कि आप हर 45 मिनट की पढ़ाई में 15 मिनट का ब्रेक जरूर लें। ये भी याद रखें कि ये 15 मिनट को 10+5, 5+10 या 5+5+5 में विभाजित ना किया जाए। ऐसा करने से ध्यान केंद्रित करने की क्षमता कम होती है। ये फॉर्मूला याद रखें- 60 मिनट = 45 मिनट स्टडी + 15 मिनट एक ब्रेक।

बच्चे पर भरोसा जताएं

अकसर माता-पिता को लगता है कि अपने बच्चे के बारे में उनसे बेहतर कोई नहीं जानता। हालांकि यह बात सही है, लेकिन बच्चे की बेहतर सोचने के प्रयास में उन पर भी भरोसा ना करना आप दोनों के बीच दूरियां बढ़ा सकता है। इसलिए उनके निर्णयों पर विश्वास जताएं। ऐसा करने से वह अपनी समस्याएं आपके सामने सहजता से रख पाएंगे। भरोसा रखने का नियम परीक्षा की तैयारी पर भी लागू होता है। यदि बच्चा बड़ा है और स्वयं पढ़ता है तो उसके पढ़ने के तरीकों पर सवाल उठाने के बजाय उनमें दिलचस्पी लें, ताकि आप जान सकें कि उसकी तैयारी कैसी चल रही है।

घर का माहौल हो अच्छा

किसी भी व्यक्ति के घर का माहौल उसके व्यक्तित्व पर बहुत गहरा प्रभाव डालता है और पढ़ने-लिखने वाले बच्चों के लिए तो घर का अच्छा माहौल और भी जरूरी होता है। इसलिए सुनिश्चित करें कि आपके घर का माहौल पढ़ाई के अनुकूल अवश्य हो। कुछ बच्चों को बिल्कुल एकांत में बैठकर पढ़ना अच्छा लगता है, तो कुछ संगीत चलाकर पढ़ाई करना पसंद करते हैं। इसी प्रकार कुछ अपने चारों ओर किताबें फैलाकर पढ़ते हैं, तो कुछ एक बार में एक ही किताब खोल कर पढ़ाई करते हैं। बच्चे के पढ़ने का तरीका चाहे जो भी हो, आपकी यह जिम्मेदारी बनती है कि उसे उसके अनुरूप माहौल उपलब्ध करवाया जाए ताकि वह बिना किसी तनाव के अच्छी तरह परीक्षा की तैयारी कर सके।

ओडिशा में नवीन पटनायक को क्या बीजेपी दे पाएगी चुनौती, इतना आसान नहीं, समझें हर पहलू

अभी पूरे देश में लोक सभा चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मी उफान पर है. अप्रैल-मई में 18वीं लोक सभा के लिए आम चुनाव निर्धारित है. आम चुनाव के साथ ही ओडिशा में भी विधान सभा चुनावहोना है. पिछली बार भी लोक सभा के साथ ही ओडिशा में 11 से 29 अप्रैल के बीच चार चरणों में विधान सभा चुनाव हुआ था.मौजूदा ओडिशा विधान सभा का कार्यकाल इस साल जून में ख़त्म हो रहा है. ओडिशा विधान सभा में कुल 147 सीट है और यहाँ की सत्ता हासिल करने के लिए बहुमत का आँकड़ा 74 है. ओडिशा में कुल 21 लोक सभा सीट है.

ओडिशा विधान सभा चुनाव का समीकरण

लोक सभा के साथ ही इस बार ओडिशा विधान सभा का चुनाव काफ़ी दिलचस्प होने वाला है. इसकी एक बड़ी वज्ह है. लगातार पाँच कार्यकाल से ओडिशा की सत्ता पर बीजू जनता दल के प्रमुख नवीन पटनायक विराजमान हैं. पिछले पाँच विधान सभा चुनाव में नवीन पटनायक को ओडिशा में कोई ख़ास चुनौती नहीं मिली थी. ओडिशा की राजनीति में बीजू जनता दल के साथ ही कांग्रेस और बीजेपी बेहद सक्रिय है. इसके बावजूद वर्ष 2000 से ओडिशा में नवीन पटनायक के सामने मज़बूत चुनौती पेश करने में कांग्रेस और बाद में बीजेपी दोनों ही असफल रही है.

नवीन पटनायक के सामने मज़बूत चुनौती!

हालाँकि इस बार ओडिशा में राजनीतिक हालात पूरी तरह अलग है. ढाई दशक में पहली बार ऐसा लग रहा है कि नवीन पटनायक की पार्टी के लिए विधान सभा चुनाव का सफ़र आसान नहीं रहने वाला है. इस बार नवीन पटनायक की राजनीतिक बादशाहत को बीजेपी से कड़ी चुनौती मिलने की संभावना बनती दिख रही है. ओडिशा में 2019 में लोक सभा और विधान सभा चुनाव में बीजेपी का प्रदर्शन सियासी पकड़ के लिहाज़ से क़ाबिल-ए-तारीफ़ रहा था.उसके बाद से ही बीजेपी यहाँ अपना जनाधार बढ़ाने पर और फोकस करने लगी. पश्चिम बंगाल के साथ ही ओडिशा में बीजेपी के आधार को व्यापक करने के लिए पार्टी के शीर्ष नेतृत्व की ओर से भी खूब ध्यान दिया गया है.

प्रधानमंत्री का ओडिशा में बार-बार दौरा

अभी चुनाव की तारीख़ का एलान होने में कुछ दिन बचे हैं. उससे पहले बीजेपी हर वो कोशिश कर रही है, जिससे ओडिशा के लोगों का समर्थन पार्टी को मिल सके. इसी कड़ी में तीन फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ओडिशा के संबलपुर का दौरा किया. इस दौरान उन्होंने 68 हज़ार करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया. आगे भी प्रधानमंत्री के साथ अमित शाह, जेपी नड्डा जैसे बड़े नेता बार-बार प्रदेश का दौरा करने वाले हैं.

ओडिशा की सत्ता पर बीजेपी की नज़र

बीजेपी की नज़र ओडिशा में अधिक से अधिक लोक सभा सीट जीतने पर है. साथ ही इस बार पार्टी का लक्ष्य प्रदेश की सत्ता को हासिल करना भी है. बीजू जनता दल को हराने के लिए बीजेपी इस बार प्रदेश की महिलाओं को लुभाने में जुटी है. इस कड़ी में शक्ति वंदन कार्यक्रम के ज़रिये बीजेपी की नज़र ओडिशा की उन महिलाओं पर है, जो स्वयं सहायता ग्रुप की सदस्य हैं. इनकी तादाद क़रीब 70 लाख है, जो 6.2 लाख स्वयं सहायता ग्रुप की सदस्य हैं.

बीजेपी का दावा बीजेडी के लिए ख़तरा

राज्य में पार्टी प्रभारी सुनील बंसल समेत बीजेपी के तमाम बड़े नेता दावा कर रहे हैं कि इस बार ओडिशा में पार्टी 80 विधान सभा सीट जीतकर प्रदेश की सत्ता से नवीन पटनायक को बे-दख़ल करने में सफल होगी. इसके साथ ही बीजेपी 21 में से 16 लोक सभा सीट जीतने का भी दावा कर रही है. बीजेपी ने ओडिशा में 50 फ़ीसदी वोट शेयर हासिल करने का लक्ष्य रखा है.

हम सब जानते हैं कि ओडिशा के काफ़ी लोगों का बड़ी मात्रा में पैसा चिटफंड से जुड़े अलग-अलग स्कीमों में डूबा था. अब भी उन लोगों को अपने पैसे की वापसी का इंतिज़ार है. बीजेपी इस बार चुनाव में इस मसले को भी जोर-शोर से उठाने की तैयारी में है. पार्टी प्रदेश अध्यक्ष मनमोहन सामल बार-बार कह रहे हैं कि अगर बीजेपी प्रदेश की सत्ता में आती है, तो, ठगे गए चिटफंड जमाकर्ताओं के पैसे को वापस करने के लिए सरकार बनने के 24 घंटे के भीतर अध्यादेश लाया जाएगा.

कांग्रेस कमज़ोर हुई, बीजेपी मज़बूत हुई

ओडिशा में एक समय कांग्रेस की तूती बोलती थी. नवीन पटनायक के उभार के साथ ही पिछले ढाई दशक में कांग्रेस की स्थिति दयनीय होती गयी. मई 2014 में केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में एनडीए की सरकार बनी. उसके बाद से बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व की प्राथमिकता वाले राज्यों में ओडिशा भी शामिल हो गया. यह वो दौर था, जब कांग्रेस की राजनीतिक ज़मीन ओडिशा में तेज़ी से सिकुड़ने लगी थी और बीजेपी विपक्ष के तौर पर वहाँ विकल्प बनकर उभरने लगीइसी का नतीजा था कि 2019 में बीजेपी 23 विधान सभा सीट जीतकर ओडिशा में मुख्य विपक्षी दल बनने में कामयाब रही. इसके साथ ही इस साल बीजेपी ओडिशा की 21 में से 8 लोक सभा सीट जीतने में भी सफल रही थी. कांग्रेस सिकुड़ती गयी और बीजेपी ओडिशा में नवीन पटनायक के लिए सबसे बड़ा ख़तरा बनती गयी.

ओडिशा को लेकर बीजेपी का मज़बूत पक्ष

विधान सभा चुनाव में तो अब तक बीजेपी नवीन पटनायक को ख़ास चुनौती नहीं दे पायी, लेकिन पिछली बार लोक सभा चुनाव में बीजेपी के शानदार प्रदर्शन से बीजू जनता दल को काफ़ी नुक़सान उठाना पड़ा था. इस बार बीजेपी को पूरी उम्मीद है कि वो प्रदेश की सत्ता तक पहुँच जायेगी. इस बार बीजेपी के पक्ष में दो बातें महत्वपूर्ण हैं. नवीन पटनायक तक़रीबन 24 साल से लगातार ओडिशा के मुख्यमंत्री हैं. उनकी पार्टी पिछले पाँच कार्यकाल से सत्ता में है. सत्ता विरोधी लहर यानी एंटी इन्कम्बन्सी का लाभ बीजेपी को मिल सकता है.

इसके अलावा बीजेपी को उम्मीद है कि उत्तर भारत के बाक़ी राज्यों की तरह ही ओडिशा में भी उसे राम मंदिर के उद्घाटन के बाद बने राजनीतिक माहौल का लाभ मिलेगा. ऐसे ओडिशा में पिछले कई साल से बीजेपी और उससे जुड़े संगठनों की कोशिश है कि ओडिशा में वोटों का ध्रुवीकरण हिन्दु बनाम अन्य धर्म के नाम पर हो, जिससे नवीन पटनायक की राजनीतिक बादशाहत ख़त्म हो. हालाँकि तमाम कोशिशों के बाद ओडिशा के विधान सभा चुनाव में ऐसा नहीं पाया है. अब राम मंदिर उद्घाटन के बाद ओडिशा में भी बीजेपी के तमाम नेता इस आस में हैं कि शायद इस बार वोटों का ध्रुवीकरण धर्म के आधार पर हो जाए.

नवीन पटनायक हैं पूरी तरह से सजग

बीजू जनता दल के प्रमुख और ओडिशा के नवीन पटनायक भी संभावित राजनीतिक ख़तरे को लेकर सचेत नज़र आ रहे हैं. 2019 के चुनाव के बाद ही नवीन पटनायक को एहसास हो गया था कि आने वाले समय में ओडिशा में बीजेपी धर्म के नाम पर सियासत को उभारने की कोशिश करेगी.

उस साल ही मई में ओडिशा के पुरी को तूफ़ान से काफ़ी नुक़सन पहुंचा था. उसके बाद नवीन पटनायक ने पुरी जगन्नाथ हेरिटेज कॉरिडोर बनाने का एलान किया था. अब राम मंदिर कार्यक्रम के चंद दिन पहले 17 जनवरी को इस कॉरिडोर का उद्घाटन नवीन पटनायक ने किया. नवीन पटनायक की सरकार तीन दिन के इस कार्यक्रम को भव्यता के साथ आयोजित करते हुए दिखी थी. नवीन पटनायक सरकार की इस कवायद को सियासी लाभ के नज़रिये से भी आकलन किया गया.

राजनीतिक गलियारे में इसकी खूब चर्चा हुई कि राम मंदिर से बने माहौल का ओडिशा में बीजेपी को लाभ न हो, इसके लिए ही नवीन पटनायक सरकार ने रणनीति के तहत इस कार्यक्रम को भव्य बनाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ा. अमूमन नवीन पटनायक की गिनती ऐसे नेता के तौर पर होती है, जो इस तरह की भव्यता वाले कार्यक्रम से दूर रहते हैं. लेकिन प्रदेश में बीजेपी से मिलने वाली चुनौती को देखते हुए नवीन पटनायक उसी लिहाज़ से इस बार रणनीति तय कर रहे हैं.

इंडिया गठबंधन से दूरी का है सियासी मतलब

नवीन पटनायक बीजेपी को एक भी ऐसा मौक़ा नहीं देना चाहते हैं, जिससे ओडिशा में बीजेपी को उनके ख़िलाफ माहौल बनाने का अवसर मिल जाए. इसी रणनीति के तहत नवीन पटनायक ने लोक सभा चुनाव के लिए बने विपक्षी गठबंधन %इंडिया% से दूरी बनाकर रखी. नवीन पटनायक के लिए ओडिशा की राजनीति महत्वपूर्ण है. उन्हें केंद्र की राजनीति में कोई ख़ास दिलचस्पी न पहले थी और न अब है. विपक्षी गठबंधन इंडिया के साथ जाने का मतलब ही था कि ओडिशा में बीजेपी यह प्रचार करती की नवीन पटनायक और कांग्रेस एक पाले में हैं. इससे बीजेपी नवीन पटनायक विरोधी तमाम वोट को अपने पाले में लाने में कामयाब हो सकती थी.

संपादकीय

रेवड़ियों से मुक्त बजट

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश दूसरे कार्यकाल के अंतिम बजट को लेकर कयास लगाए जा रहे थे कि आम चुनाव से पहले इसमें तमाम लोकलुभावनी घोषणाएं की जा सकती हैं। लेकिन इस अंतरिम बजट में ऐसा कुछ नजर नहीं आया। बहरहाल, वित्त मंत्री ने अपने अब तक के सबसे छोटे भाषण में मोदी सरकार की पिछले दस सालों की उपलब्धियों का भरपूर बखान किया। साथ ही सरकार के विकसित भारत के संकल्प को बार-बार दोहराया। नौकरी-पेशे वाले करदाता आयकर में छूट की उम्मीद लगाए बैठे थे कि शायद इनकम टैक्स स्लैब में चुनावी साल में कोई बदलाव हो। लेकिन गुजरात से लेकर दिल्ली तक की यात्रा में प्रधानमंत्री मुफ्त की संस्कृति से परहेज करते रहे हैं। इस बजट का एक संकेत यह भी माना जा सकता है कि भाजपा भविष्य के राजनीतिक रुझान को लेकर आश्वस्त नजर आ रही है, तभी किसी लोकलुभावनी घोषणा से परहेज किया है। बहरहाल, बजट में स्टार्टअप के लिये छूट जरूर एक साल के लिये बढ़ाई गई है। एक करोड़ महिला लखपति दीदी बनाने के बाद तीन करोड़ लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य रखा गया। वित्तमंत्री ने अमृतकाल में सरकार के रिफॉर्म, परफॉर्म तथा ट्रांसफॉर्म की नीति पर चलने की बात कही। सौर प्रणाली के जरिये एक करोड़ लोगों को तीन सौ यूनिट बिजली मुफ्त देने की भी बात कही। वहीं अधिक मेडिकल कॉलेज बनाने और वर्तमान अस्पतालों के इन्फ्रास्ट्रक्चर के प्रयोग करने की भी बात कही गई। साथ ही सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के लिये टीकाकरण अभियान चलाने की भी बात कही। वहीं दूसरी ओर आशा वर्कर्स और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को अब आयुष्मान भारत योजना का लाभ देने की बात भी सरकार ने कही है। इसके साथ रेलवे के तीन हाई ट्रैफिक कॉरिडोर बनाने की घोषणा भी सरकार ने की। जिससे रेलों की स्पीड और सुरक्षा बढ़ेगी। साथ ही वंदे भारत श्रेणी की चालीस हजार बोगियां बनाने का जिक्र वित्तमंत्री ने किया। वित्तमंत्री ने पिछले दस साल में एयरपोर्टों की संख्या दुगनी होकर 149 होने की बात कही।

अपने बजट भाषण में वित्तमंत्री ने काफी समय तक राजग सरकार की दस वर्षों की उपलब्धियों के लिये सरकार की पीठ थपथपायी। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा किये गए संरचनात्मक सुधार से भारतीय अर्थव्यवस्था में व्यापक बदलाव आये हैं। जीएसटी का संग्रह इस साल बढ़कर 1.66 लाख करोड़ रुपये हुआ है। डायरेक्ट टैक्स तीन गुना बढ़ा है। आयकर रिटर्न भरने वालों की संख्या 2.4 गुना बढ़ी है। जो 2047 तक विकसित भारत के संकल्प की दिशा में प्रगति है। वित्तमंत्री ने मोदी सरकार के दौरान अपने छठे बजट को पेश करते हुए कहा कि ऐसे समय में जब पूरी दुनिया की आर्थिक वृद्धि दो प्रतिशत के आसपास बनी हुई है, भारत इस साल भी सात प्रतिशत की विकास दर को बनाये रखेगा। बजट का एक निष्कर्ष यह भी है कि सरकार का ध्यान राजकोषीय घाटा कम करने पर है। जिसे घटाकर 5.8 किया गया है। जिसे अगले वित्त वर्ष में 5.1 करने का लक्ष्य रखा गया है। वहीं दूसरी ओर बजट से संकेत मिलता है कि सरकार देश की टूरिज्म इंडस्ट्री को बढ़ावा देना चाहती है। इस बजट में उसका बजट दो फीसदी बढ़ाया गया है।

वित्त मंत्री ने किया है स्वर्ण युग का वादा, लेकिन लगता है कि ऋण से ही चलेगा देश

यह राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के संबोधन से लेकर संसद में पेश करने तक, अर्थव्यवस्था पर जोर देने वाला एक शानदार चुनावी बजट है, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा लोगों को आशा देने, निवेश आकर्षित करने, उच्चतम पूंजी व्यय, आवास के साथ ग्रामीण सुधार पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया है. बजट फसल कटाई के बाद की गतिविधियाँ, किसान, महिलाओं, मध्यम और युवा वर्ग के लिए कार्यक्रमों की शृंखला के अनावरण और 7.3 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि का सपना दिखाता है. राष्ट्रपति के भाषण में चुनावी मुद्दा और तीक्ष्ण है. वित्त मंत्री 2014 तक अर्थव्यवस्था के कुप्रबंधन पर श्वेत पत्र लाने की घोषणा करती हैं जो कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार के दौरान पांच में से एक नाजुक अर्थव्यवस्थाओं का प्रतीक है.

सरकार की उपलब्धियों का गुणगान

नए संसद भवन की लोकसभा में संयुक्त सत्र को औपचारिक संबोधन में राष्ट्रपति ने विभिन्न क्षेत्रों में 10 वर्षों में सरकार की उपलब्धियों को प्रस्तुत किया, जिसमें उन मुद्दों की एक झलक पेश की गई, जिन पर भाजपा के नेतृत्व वाला एनडीए 2024 के चुनावों से पहले ध्यान केंद्रित कर सकता है. राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, ÷बचपन से हम ÷गरीबी हटाओ÷ (1971 में इंदिरा गांधी का नारा) का नारा सुनते आ रहे हैं, अब हम अपने जीवन में पहली बार बड़े पैमाने पर गरीबी उन्मूलन देख रहे हैं÷ उन्होंने कहा कि गरीब लोग, युवा, महिलाएं और किसान विकसित भारत के चार %मजबूत स्तंभ% होंगे. सीतारमण ने ÷चार स्तंभों÷ को दोहराते हुए प्रगति और विकास के मार्ग पर विभिन्न कार्यक्रमों पर जोर दिया. वह सभी प्रकार के कृषक वर्गों - किसानों, मछुआरों और डेयरी डेवलपर्स, संभावित मतदाताओं - पर बार-बार जोर देती हैं. अंतरिम बजट में 47.65 लाख करोड़ रुपये व्यय (2023-4 से लगभग 3 लाख करोड़ रुपये अधिक) का प्रावधान है. राजस्व करों से 26.06 लाख करोड़ रुपये सहित 30.8 लाख करोड़ रुपये प्राप्ति आंकी गयी है. इन्फ्रा के लिए पूंजीगत व्यय परिव्यय 11.1 प्रतिशत बढ़कर 11,11,111 करोड़ रुपये का है. यह बड़े आंकड़े हैं. सकल घरेलू उत्पाद का 3.4 प्रतिशत, 50-वर्षीय ब्याज मुक्त नवाचार ऋष्टा और 596 बिलियन डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश - 2005-2014 के दौरान यूपीए अवधि से दोगुना है.

राजकोषीय घाटा है चिंता का विषय

चिंता का विषय इसका राजकोषीय घाटा और दिनांकित प्रतिभूतियों, दीर्घकालिक बांड है. इन्हें इस साल चुकाना होगा. हालांकि, तकनीकी रूप से राजकोषीय घाटा पिछले साल के 5.8 प्रतिशत से घटकर 5.1 प्रतिशत हो गया है, लेकिन दिनांकित प्रतिभूतियों के माध्यम से सकल और शुद्ध उधारी 14.25 और 11.75 लाख करोड़ रुपये होगी. 31 मार्च 2024 को कुल बाहरी और आंतरिक कर्ज 168.72 लाख करोड़ रुपये बढ़कर 183.67 लाख करोड़ हो जाएगा. बकाया कर्ज 15 लाख करोड़ रुपये बढ़ गया है, जिससे ब्याज देनदारियां

बढ़ कर 11,90,440 लाख करोड़ हो गई हैं. यह बजट का 25 प्रतिशत है. एक दिलचस्प बात यह है कि तकनीकी रूप से आर्थिक दृष्टि से विर्त्त मंत्री सही हैं. कर्ज को कमाई माना जाता है और इससे जीडीपी बढ़ती है! वित्त मंत्रालय अब तक अपनी पुनर्भुगतान प्रतिबद्धताओं से कभी पीछे नहीं हटा है, यह भी सही है. फिर भी कर्ज़ का बोझ राजस्व आय से अधिक लगता है. वित्त मंत्री ने खाद्य, उर्वरक और पेट्रोलियम में 32000 करोड़ रुपये की सब्सिडी में कटौती की है. बढ़ती न्यूनतम समर्थन कीमतों के बीच खाद्य सब्सिडी में कटौती की गई है. यह आधार लिंकेज के बाद लाभार्थियों की संख्या में कमी पर निर्भर है. हालांकि, मनरेगा का आवंटन चालू वित्त वर्ष के 60000 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 86000 करोड़ रुपये कर दिया गया है. राज्यों को राजस्व में उनकी हिस्सेदारी 22.22 लाख करोड़ रुपये है. ब्याज भुगतान देनदारी का बजट 11.90 लाख करोड़ रुपये रखा गया है, जो 2023-24 से 10.18 प्रतिशत अधिक है. 50 वर्षों के लिए ब्याज मुक्त ऋष्टा के रूप में इनोवेशन फंडिंग की समीक्षा की जा सकती है. समय-सीमा बहुत लंबी है, हालांकि यह मनोवैज्ञानिक बढ़त दे सकती है.

टैक्स के मोर्चे पर नहीं रियायत चौंकाऊ

उन्होंने टैक्स के मोर्चे पर किसी रियायत की घोषणा नहीं की है. उच्चतम आयकर दरें 39 प्रतिशत पर बनी हुई हैं जबकि कॉर्पोरेट टैक्स 22 प्रतिशत और नए उद्यम पर 15 प्रतिशत है. उनके मुख्य समर्थक आलोचनात्मक हैं क्योंकि वह आरबीआई की प्रति वर्ष 5.5 प्रतिशत की दर से पांच वर्षों में 27.5 प्रतिशत की उच्च संचयी मुद्रास्फीति का सामना करने वाले ÷मध्यम वर्ग÷ की उपेक्षा करती हैं. एक टिप्पणी दिलचस्प है. इसमें कहा गया है, %हम स्पष्ट रूप से कोई वोट बैंक नहीं हैं जिसे खुश करने की जरूरत है.% उम्मीद है कि उनका ध्यान जलवायु, किसानों, कृषि विकास और अन्य उपायों पर है जो %सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन% के सिद्धांत के अनुसार लोगों की स्थितियों में काफी सुधार करेंगे और इसमें एमएसएमई, आकांक्षी जिले, पूर्वी क्षेत्र और इसके लोगों को शामिल किया जाएगा. - बिहार और बंगाल, प्रमुख चुनावी लक्ष्य हैं! ग्रामीण क्षेत्र के लिए पीएम आवास और पहली बार उन्होंने ÷किराए के घरों, या झुग्गियों, चॉलों और अनधिकृत कॉलोनियों में रहने वाले÷ मध्यम वर्ग के लिए अपना घर खरीदने या बनाने के लिए आवास का उल्लेख किया है.

रोजगार और कृषि पर भी है ध्यान

इसके साथ ही 10 लाख लोगों को रोजगार देने के लिए कृषि और खाद्य प्रसंस्करण, एकत्रीकरण, आधुनिक भंडारण, आपूर्ति श्रृंखला और विपणन सहित फसल कटाई के बाद की गतिविधियां, गहन डेयरी विकास, मत्स्य सम्पदा को बढ़ावा देने के लिए मत्स्य पालन विभाग की स्थापना, पांच जलीय पार्क और समुद्री खाद्य निर्यात का उल्लेख किया गया है. आत्मनिर्भर तिलहन अभियान की भी घोषणा की गई है. आधार यह है कि ये क्षेत्र महत्वपूर्ण क्षेत्रों को बदल देंगे और देश के विभिन्न हिस्सों में कृषि क्षेत्र के महत्वपूर्ण मतदाताओं को खुश करेंगे. हालांकि, उपभोक्ताओं के लिए फार्मगेट कीमतों और उच्च खुदरा बिक्री के अंतर को अभी तक पाटना बाकी है. बजट में खाद्य, उर्वरक और पेट्रोलियम में 32000 करोड़ रुपये की सब्सिडी में भी कटौती की गई है. महिलाओं को अलग-अलग तरीकों से लुभाया जाता रहा है. सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के लिए 9 से 14 वर्ष की आयु की लड़कियों के लिए टीकाकरण निश्चित रूप से एक प्रशंसनीय योजना है. इसी प्रकार, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य देखभाल को एक व्यापक कार्यक्रम के तहत लाया जा रहा है. आंगनवाड़ियों को पोषण वितरण, प्रारंभिक बचपन देखभाल और विकास केंद्र के रूप में उन्नत किया गया है. आयुष्मान भारत का लाभ सभी आशा, आंगनवाड़ी और सहायिकाओं को दिया जा रहा है. इससे जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं को प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है.

स्वास्थ्य पर भी है जोर

कुल मिलाकर स्वास्थ्य को 90,170 करोड़ रुपये दिया गया जो 1095 करोड़ रुपये पहले से ज्यादा है और शिक्षा को 1.25 लाख करोड़ रुपये पर 13000 करोड़ रुपये अधिक मिले हैं. सरकार राजकोषीय घाटे को कम करने कीकोशिश कर रही है है, वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए निजी क्षेत्र को 50-वर्षीय ब्याज-मुक्त ऋष्टा के रूप में एक नए व्यवस्था का पर ध्यान केंद्रित कर रही है. वित्त मंत्री उपभोक्ताओं के विश्वास को लेकर उत्साहित हैं और मुद्रास्फीति 2 से 6 प्रतिशत के बीच रहने से संतुष्ट हैं, हालांकि आरबीआई अर्थव्यवस्था को स्थिर रखने के लिए 4 प्रतिशत के लक्ष्य पर जोर दे रही है. सरकार की विकास रणनीति ऐसी प्रतीत होती है जो अंतरराष्ट्रीय युद्ध स्थितियों को देखते हुए, राजकोषीय फिसलन से बचाते हुए एक नए चक्र को शुरू करेगी. बजट में कई वादे किए गए हैं, लेकिन उम्मीद यही है कि जुलाई का अंतिम बजट कुछ अलग होगा.

...तो घर में जरूर रखें बांसुरी

भगवान श्रीकृष्ण को बांसुरी बहुत प्रिय है। बांसुरी कृष्णजी को प्रिय होने के कारण उसको प्रकृति का अनुपम वरदान है। ज्योतिष के अनुसार बांसुरी का इस्तेमाल अगर सोच समझकर किया जाए तो यह हमें कई प्रकार के दोषों से बचाती है। वास्तु और फेंगशुई के अनुसार, बांसुरी को अगर घर, दुकान में रखा जाए है तो इसके कई लाभ मिलते हैं। बांसुरी से होने वाले लाभ कौन-कौन से है, आइए जानते है।

- फेंगशुई विद्या के अनुसार, बांसुरी घर में रखना बहुत शुभ माना गया है। यह उन्नति और प्रगति दोनों देने में बहुत सहायक है। इस प्रकार बांसुरी प्रकृति का एक अनुपम वरदान है।
- बांसुरी बांस से बनी होती है तथा इसके पौधे को दिव्य माना जाता है। अतः घर में बांसुरी का प्रयोग करके कई तरह से लाभ उठाया जा सकता है।
- बांसुरी के संबंध में एक धार्मिक मान्यता है कि जब बांसुरी को हाथ में लेकर हिलाया जाता है तो बुरी आत्माएं दूर हो जाती हैं।
- जब बांसुरी को बजाया जाता है तो ऐसी मान्यता है कि घरों में शुभ चुम्बकीय प्रवाह का प्रवेश होता है।
- यदि सोच-समझकर इसका उपयोग किया जाए तो दोषों का बिना किसी तोड़-फोड़ के निवारण कर अशुभ फलों से बचा जा सकता है।
- ऐसा माना जाता है कि जो व्यक्ति अपनी नौकरी से परेशान रहता हैं, बांसुरी उसकी सारी मुश्किलें आसान कर सकता है।
- जो व्यक्ति काफी मेहनत के बाद भी अपने बिजनेस में सफलता हासिल नहीं कर पाते उनके लिए बांस से बनी यह बांसुरी उन्नति और समृद्धि दोनों देने में सक्षम है। अतः उन्हें भगवान श्रीकृष्ण का पूजन करते हुए अपने दुकान की छत पर दो बांसुरी चिपकानी चाहिए या टांग देनी चाहिए। यह बहुत ही सरल उपाय है जो आपको अपने बिजनेस में उन्नति के शिखर पर ले जाएगा।

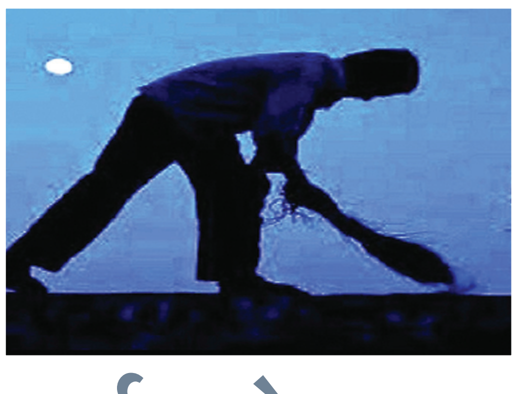

सूर्यास्त के बाद झाड़ू-पौंछा न करें

धार्मिक गंथों में ऐसी कई सार्वभौमिक सत्य बातें बताई गई हैं, जिनका अनसुरण कर हम अपना सौभाग्य लिख सकते हैं या प्रतिकूल ग्रहों को अनुकूल बना सकते हैं। आइए जानें ऐसी पांच चीजों के बारे में जो हमारे अच्छे व सुखद भविष्य की भी नींव रखती हैं।

थाली में न छोडें झूठा अन्न

शास्त्रानुसार कभी भी खाने की प्लेट में जूठा नहीं छोडना चाहिए और न ही कभी जूठे बर्तनों को यूं ही पढ़े रहने देना चाहिए। रात को सोने से पहले सभी जूठे बर्तन धो लेने चाहिए अन्यथा इससे घर में अशांति का वातावरण बनना शुरु हो जाएगा जो अंततः घर के दुर्भाग्य में बदल जाएगा।

बैड को रखें नीट एंड क्लीन

शास्त्रों के अनुसार बेडरूम सुव्यवस्थित तथा साफ-सुथरा होना चाहिए। खास तौर पर बिस्तर पर बिछी हुई चादर बिल्कुल साफ होनी चाहिए साथ ही कमरे में कचरा नहीं फैला होना चाहिए। ऐसा नहीं करने पर उस बिस्तर पर सोने वाले का सौभाग्य भी दुर्भाग्य में बदल जाता है।

जगह-जगह थूकना लाता है दुर्भाग्य

कहीं भी थूक देना (विशेष तौर पर घर में, देव मंदिरों में, सार्वजनिक स्थानों पर) शास्त्रों में पूरी तरह गलत बताया गया है। इससे घर की लक्ष्मी रूठ कर चली जाती है। हमें यथासंभव अपने आसपास साफ-सफाई रखनी चाहिए। माना जाता है कि ऐसा करने से घर की सुख-शांति खत्म हो जाती है और कंगाली घर में प्रवेश कर जाती है।

बाथरूम को रखें साफ-सुथरा

बाथरूम को चन्द्रमा का स्थान माना गया है। जिन घरों में बाथरूम गंदा रहता है या अस्त-व्यस्त पड़ा रहता है, उन घरों के स्वामी की कुंडली में चन्द्रमा पर ग्रहण लग जाता है जिससे उस घर में रहने वालों की मानसिक शांति समाप्त हो जाती है तथा वहां धन की कमी होने लगती है।

पूजा में भगवान श्रीगणेश जी का है सर्वश्रेष्ठ स्थान

हिन्दू धर्म शास्त्रों के अनुसार, किसी भी शुभ काम के करने से पहले गणेश पूजन आवश्यक हैं। इससे प्रसन्न होकर गणेश जी सारे काम निर्विघ्न कर देते हैं। हिन्दू संस्कृति और पूजा में भगवान श्रीगणेश जी को सर्वश्रेष्ठ स्थान दिया गया है। प्रत्येक शुभ कार्य में सबसे पहले भगवान गणेश की ही पूजा की जाती अनिवार्य बताई गयी है। देवता भी अपने कार्यों की बिना किसी विघ्न से पूरा करने के लिए गणेश जी की अर्चना सबसे पहले करते हैं।

ऐसा कहा जाता है कि गणेश जी की पूजा में दूर्वा का सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण मानी जाती है और साथ ही यह मान्यता है कि गणपति को दूर्वा चढ़ाने से सभी मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती हैं। ऐसे में दूर्वा को पूजन परंपरा से जोडकर उन्होंने दुर्लभ वनस्पतियों को बचाने का संदेश दिया है क्योंकि इससे हम धरती की रक्षा कर अपने लिए एक स्वच्छ वातावरण का निर्माण कर सकेंगे।

ऐसे में कहा जाता है गणपति की साधना-अराधना के लिए बताए गए 108 नाम के बारे में जिनके जप करने से भीतरी आध्यात्मिक शक्ति का विकास होता है। यह भी माना जाता है कि श्री गणेश जी के 21 नाम वालें मंत्रों और 21 पेड़ों के पत्तों को अर्पित करने पर उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है।

मान्यता है कि पूजन की इस परंपरा के पीछे जीवनदायक प्राण वायु प्रदान करने वाले वृक्षों को न काटने का गूढ़ रहस्य छिपाया गया है। वहीं इस बात को कहने का तात्पर्य गणपति की साधना-अराधना से जुड़े इन वृक्षों संरक्षण किया जाना चाहिए। श्री गणेश नाम वृक्षों के नाम आइए जानते हैं।

इन मंत्रों का करें जाप

ओम सुमुखाय नमः शमी पत्र।
ओम गणाधीशाय नमः भृंगराज पत्र।
ओम उमापुत्राय नमः बेल पत्र।
ओम गजामुखाय नमः दूर्वापत्र।
ओम लम्बोदराय नमः बेर का पत्र।
ओम हर पुत्राय नमः धतूरे का पत्र।
ओम शूर्पकर्णाय नमः तुलसी के पत्र।
ओम वक्रतुण्डाय नमः सेम का पत्र।
ओम गुहाग्रजाय नमः अपामार्ग पत्र।
ओम एकदंताय नमः भटकटैया पत्र।
ओम हेरम्बाय नमः सिंदूर पत्र।
ओम चतुर्होत्रे नमः तेज पत्र।
ओम सर्वेश्वराय नमः अगस्त पत्र।
ओम विकटाय नमः कनेर पत्र।
ओम हेमतुण्डाय नमः केला पत्र।
ओम विनायकायनमः आक पत्र।
ओम कपिलाय नमः अर्जन पत्र।
ओम वटवे नमः देवदारू पत्र।
ओम भालचंद्रय नमः महुए के पत्र।
ओम सुराग्रजाय नमः गांधारी पत्र।
ओम सिद्धि विनायक नमः केतकी पत्र।

परिवार और व्यक्ति के दुख दूर करते हैं यह सरल उपाय

बुधवार के दिन घर में सफेद रंग के गणपति की स्थापना करने से समस्त प्रकार की तंत्र शक्ति का नाश होता है।

धन प्राप्ति के लिए बुधवार के दिन गणेश को घी और गुड़ का भोग लगाएं। थोड़ी देर बाद घी व गुड़ गाय को खिला दें। ये उपाय करने से धन संबंधी समस्या का निदान हो जाता है।

परिवार में कलह कलेश हो तो बुधवार के दिन दूर्वा के गणेश जी की प्रतिकात्मक मूर्ति बनवाएं। इसे अपने घर के देवालय में स्थापित करें और प्रतिदिन इसकी विधि-विधान से पूजा करें। घर के मुख्य दरवाजे पर गणेशजी की प्रतिमा लगाने से घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है। कोई भी नकारात्मक शक्ति घर में प्रवेश नहीं कर पाती है।

तुलसी के पौधे को कभी भी दक्षिण में न लगाएं

हर व्यक्ति के जीवन में शांति और सम्पन्नता का होना जरूरी है और सम्पन्नता के लिए लक्ष्मी का प्रसन्न होना बेहद आवश्यतक है। वास्तु शास्त्र के अनुसार कुछ खास बातें नहीं की जाएं तो लक्ष्मी की कृपा और आशीर्वाद हमेशा बना रहता है।

- वास्तु शास्त्र के अनुसार घर के दरवाजों को कभी भी ना खटखटाएं। घर के गेट पर बैल लगाएं या आवाज देकर मालिक को बुलाएं। गेटों को खटखटाने और बजाने से वास्तु दोष बढता है। ऐसे में लक्ष्मी वहां ज्यादा दिनों तक टिकती नहीं है।
- वास्तु के अनुसार सर्वप्रिय देव श्रीगणेश की मालिक द्वारा आराधना जरूरी होती है। यदि घर का मालिक सुबह उठकर श्रीगणेशजी का ध्यान कर पूजा-अर्चना करता है तो घर के वास्तु दोष तुरंत दूर होते हैं।
- वास्तु के अनुसार तुलसी के पौधे को कभी भी दक्षिण में न लगाएं, इससे जीवन में अशुभता आने लगती है। तुलसी जी के पौधे को पूर्व या उत्तर में लगाना उचित रहता है।
- गंदे कपडे पहनने से भी वास्तु दोषों में बढोतरी होती है। कोशिश करें कि दो दिन के अलावा तीसरे दिन भी पुराने कपडे नहीं पहनें।
- घर की सफाई रात को करना भी वास्तु के अनुसार ठीक नहीं है। कहते हैं कि शाम को जो धूल एकत्रित होती है, वही लक्ष्मी जी की कृपा होती है।

सकारात्मक ऊर्जा और तन-मन की शांति के लिए..

धार्मिक ग्रंथों के अनुसार अच्छी सेहत और प्रसन्न तन-मन के लिए कुछ उपयोगी टिप्स दैनिक व्यवहार में लाकर आप एक सुंदर एवं स्वस्थ जीवन जी सकते हैं।

- सूर्योदय से पूर्व उठने की आदत डालें, इससे सकारात्मक ऊर्जा की प्राप्ति होती है जो तन, मन और मस्तिष्क को शांत करती है।
- प्रातः काल आसपास के खुले स्थान, पार्क या भवन की छत पर जाकर पूर्व दिशा की ओर मुंह करके थोड़ा व्यायाम करें और लंबी सांस लें। इससे प्रकृति में सुबह के समय व्याप्त सकारात्मक ऊर्जा यानी आक्सीजन का भरपूर उपयोग करके आप शरीर को स्वस्थ रख सकते हैं।
- अच्छे स्वास्थ्य के लिए भोजन करते समय आपका मुख सदा पूर्व या उत्तर में रहे। कभी भी पलंग पर बैठकर, खड़े होकर या आड़े-तिरछे बैठकर भोजन न करें।
- भोजन या तो भूमि पर आसन बिछाकर करें या फिर डायनिंग टेबल का प्रयोग करें। विधिवत भोजन करने से शरीर चुस्त दुरूस्त रहता है।
- खाना खाते वक्त टेलीविजन नहीं देखें, इससे उत्पन्न होने वाली नकारात्मक ऊर्जा के प्रभाव से सभी ज्ञानेंद्रियों पर विपरीत असर पड़ता है। इससे पेट की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। अतः भोजन करते समय टेलीविजन देखने की बजाए पारिवारिक दिनचर्या पर गपशप करें।
- दवाइयों को डायनिंग टेबल पर नहीं रखें, ये नकारात्मक ऊर्जा की प्रतीक होती है। ऐसा करके हम दवाइयों को भोजन का हिस्सा बनाने का निमंत्रण देते हैं, ऐसा नहीं करें।
- यदि घर में बच्चों या वृद्धों के लिए कुछ टॉनिक आदि का प्रयोग कर रहे हों, तो ऐसे टॉनिक की शीशियां व डिब्बे घर की पूर्व दिशा में बनी आलमारियों में रखें और किसी बीमारी से संबंधित दवाइयों को दक्षिण या पश्चिम में रखें।
- भोजन पूर्व की तरफ मुंह करके ही बनाएं। यह सेहत के लिए उत्तम और सुखदायी होता है। रसोईघर आग्नेय कोण में ही बनाएं। रसोईघर की व्यवस्था उत्तर-पूर्व में न करें। यह धन और स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है। ज्वलनशील पदार्थों को भी दक्षिण-पूर्व में रखें।
- रसोईघर की दीवारों का रंग हल्का पीला, नारंगी या हल्का लाल रखें। जिससे भोजन सुप्पाच्य होकर भूख बढ़ाने में सहायक साबित होगा। जब एक साथ मिलकर सभी खाना खा रहे हों, तो घर के मुखिया का मुंह पूर्व में तथा अन्य सदस्यों का मुंह उत्तर या पश्चिम में होना चाहिए। दक्षिणामुख कभी नहीं बैठें। इससे पाचन क्रिया ठीक रहती है। हाथ आदि साफ कर प्रसन्नतापूर्वक खाने से आरोग्यता बढ़ती है।

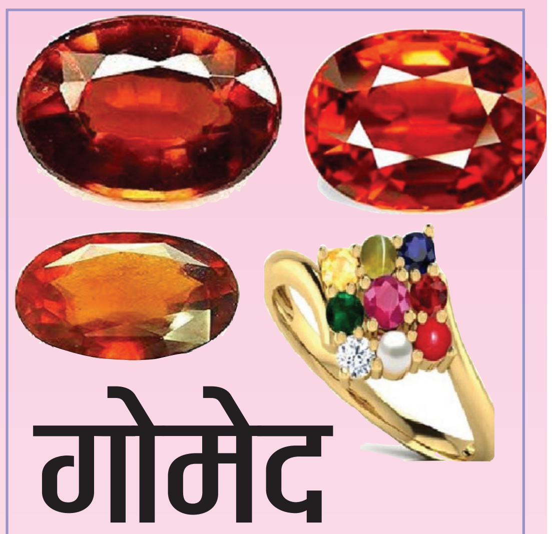

गोमेद एक खूबसूरत रत्न जीवन को भी बना देता है सुंदर

ज्योतिष विज्ञान में गोमेद को एक खूबसूरत रत्न माना गया है, जो जीवन को सुंदर बना देता है। गोमेद सबसे लाभदायक रत्नों में से एक माना गया है। गोमेद राहु ग्रह से संबंधित रत्न माना गया है। ज्योतिष शास्त्र में राहु को पाप ग्रह माना जाता है अत- ज्योतिषाचार्यों द्वारा राहु के दुष्प्रभावों को समाप्त करने के लिए गोमेद रत्न धारण करने की सलाह दी जाती है। ध्यान रखने योग्य यह है कि गोमेद के साथ माणिक्य, मूंगा और पुखराज नहीं पहनना चाहिए।

यह रत्न जहां रुके कार्यों पूर्ण करने का कार्य करता हैं, वहीं जीवन के हर क्षेत्र में सफलता देता है। ज्योतिषियों की मानें तो जन्म कुंडली की दशाओं को जानकर ही इस रत्न को धारण करना उचित रहता है। इतना ही नहीं गोमेद ब्लड कैंसर, कम सुनाई देना, आंखों तथा जोड़ों के दर्द जैसी बीमारियों से भी निजात दिलाता है। गोमेद एक चमकदार और अपारदर्शी रत्न है। यह गहरे भूरे अथवा लाल रंग की तरह होता है। इसे गारनेट समूह का रत्न माना जाता है। यह दुनिया में कई स्थानों पर पाया जाता है। गोमेद मुख्य रूप से यह भारत, श्रीलंका और ब्राजील में आसानी से मिल जाता है तथा साउथ अफ्रीका, थाईलैंड और ऑस्ट्रेलिया में भी यह रत्न पाया जाता है। राहु ग्रह से संबंधित इस रत्न को हिन्दी में गोमेद और अंग्रेजी में हैसोनाइट स्टोन कहते हैं। गोमेद रत्न 6 रत्ती से कम का धारण नहीं करना चाहिए। यह रत्न शनि की होरा में शुक्ल पक्ष के किसी भी शनिवार को पहनना अतिशुभ माना गया है। यदि शनिवार के दिन शतभिषा, स्वाती या आर्द्रा नक्षत्र में इसे धारण किया जाए तो गोमेद की शुभता अधिक बढ़ जाती है।

रत्न धारण करने की विधि

गोमेद रत्न की अंगूठी को सबसे पहले गंगा जल, दूध, शहद और मिश्री के घोल में डालकर एक रात उसमें ही रहने दें। तत्पश्चात ऊँ रां राहवे नम- मंत्र का 108 बार जाप करके कनिष्का में धारण करना चाहिए।

किस अंगुली में धारण करें

इसे चांदी या अष्टधातु की अंगूठी में जड़वा कर पहनना उचित रहता है। राहु का रत्न गोमेद को कनिष्का ऊंगली में पहनना चाहिए, क्योंकि मिथुन राशि में उच्च का होने से बुध की अंगुली कनिष्का में पहनना शुभ फलदायी रहता है। यह राहु के अशुभ प्रभाव को दूर करता है। गोमेद धारण करने से राहु की दशा-महादशा को दुष्प्रभावों से निजात मिलती है। यह रत्न शत्रुओं पर विजय दिलाने वाला भी माना जाता है, इतना ही नहीं इसे धारण करने से सकारात्मक विचार, एकाग्रता और आत्मविश्वास भी बढ़ता है।

कौन धारण करें

इसे राजनीतिज्ञ, जासूसी, जुआ, सट्टा खेलने वाले तथा तंत्र या मंत्र विद्या से जुड़े व्यक्ति पहनते हैं। कौन ना पहने ये रत्न- जिस व्यक्ति की कुंडली में राहु 5वें, 8वें 9वें 11वें या 12वें स्थान पर हो उन्हें गोमेद धारण नहीं करना चाहिए। इससे नुकसान होने की संभावना बढ़ जाती है तथा जिनका व्यापार-व्यवसाय राहु ग्रह से संबंधित हो उन्हें भी यह रत्न नहीं पहनना चाहिए।

पीतल का शेर देगा आपको आत्मविश्वास...

घर का सामान आपके जीवन, धन-संपत्ति और खुशहाली के साथ-साथ आपके व्यक्तित्व पर भी गहरा प्रभाव डालता है। वास्तुशास्त्र के कुछ मौलिक सिद्धांत तो लगभग सभी लोगों को मालूम होते भी हैं, मसलन दक्षिण दिशा में मुख्य द्वार नहीं बनाना चाहिए, उत्तर दिशा में तिजोरी रखना और घर में गंदगी इकट्ठी ना होने देना...वगैरह-वगैरह।

लेकिन कुछ वास्तु टिप्स ऐसे होते हैं, जो आपके व्यक्तित्व पर भी बहुत गहर असर छोड़ते हैं। अगर आप उदास रहते हैं या फिर आपको लगता है कि आत्मविश्वास की कमी के कारण आप अपने उद्देश्य को प्राप्त नहीं कर पा रहे हैं या आपको अन्य लोगों के समक्ष अपनी बात रखने में हिचक होती है तो हम आपको एक ऐसा वास्तु उपाय बताने जा रहे हैं जो आपके लिए बेहद कारगर सिद्ध हो सकता है। पीतल धातु से बना शेर, ना सिर्फ आपके घर की शोभा को बढ़ाता है बल्कि आपके भीतर छिपी हीन भावना या आत्मविश्वास की कमी को भी समाप्त करता है।

वास्तुशास्त्र के विशेषज्ञों के अनुसार अगर पीतल धातु से बने शेर को घर की पूर्वी दिशा में स्थापित करते हैं तो यह आपके सेल्फ कॉफिडेंस में गजब का उछाल लाता है। बस एक बात का ध्यान रखें कि जब आप शेर को अपने घर में स्थापित करें तो उसका मुख घर के केन्द्र में होना चाहिए।

क्या आपको भी चाहिए ऐसे बाल

स्वस्थ और खूबसूरत बाल पर्सनेलिटी में निखार लाते हैं। ऐसे बालों के लिए अपनाएं ब्यूटी एक्सपर्ट काजल जैमन के बताए ये टिप्स।

- शैंपू हमेशा बालों की प्रकृति के अनुरूप ही उपयोग में लाएं।
- बालों की प्रकृति जानने के लिए अपनी ब्यूटी एक्सपर्ट की मदद ले सकते हैं।
- गीले बालों को शुरू में उंगलियों की मदद से और बाद में चौड़े दांतों वाले ब्रश से सुलझाएं।
- हेयर ड्रायर करते समय गीले बालों को तौलिए से न रगड़ें। रगड़ने से बाल टूटते और उलझते हैं।
- ज्यादा ब्रशिंग न करें। अधिक ब्रशिंग से तैलीय ग्रंथियां अधिक तेल निकालने लगती हैं, जिससे डैन्ड्रफ होने का खतरा रहता है।
- अधिक से अधिक हर्बल प्रॉडक्ट उपयोग में लें।
- धूप, धूल और धुएं से बालों को बचाएं।
- गरम पानी से बालों को न धोएं।
- 1 से 2 माह के बीच बालों की ट्रिमिंग जरूर करवाएं।
- सोते समय बालों को कसकर न बांधें।
- बाल सुंदर रहें, इसके लिए संतुलित डाइट लें। पानी तो जितना पिएं, उतना ही अच्छा। प्यास न हो, तो भी पानी पिएं और तनाव न पालें।
- घर में हेयर पैक बनाकर लगा सकते हैं। समान मात्रा में मुल्तानी मिट्टी, पिसी मेथी, आंवला पाउडर और सरसों का पेस्ट बनाकर मेहंदी की तरह लगाएं। 25 से 35 मिनट बाद बाल धोएं।
- बालों के लिए नारियल और सरसों का तेल सुरक्षित रहता है। तेल हमेशा रात में ही लगाएं तथा सुबह शैंपू से धो लें। शैंपू लगाते समय भी सिर पर मसाज करें। एकदम से सिर न धोएं। कम से कम 3 या 4 मिनट तक शैंपू को बालों में लगाकर छोड़ दें। परन्तु यह बात हमेशा ध्यान रहे कि शैंपू बालों में रहना नहीं चाहिए। पानी से शैंपू अच्छी तरह से निकालें।

बालों की कंडीशनिंग के लिए 15 से 20 मिनट तक मेहंदी लगाकर धो लें।

वेजटेबल ग्रीन करी

सामग्री : 100 ग्राम मिली–जुली सब्जियां ब्लैंच की हुई और कटी हुई (ब्रॉक्ली, गाजर, फ्रेंच बींस, फूलगोभी, मशरूम, थाई बैगन व स्प्रिंग अनियन), स्वादानुसार नमक व चीनी, 100 ग्राम कोकोनट मिल्क, 150 ग्राम कोकोनट पाउडर, 1 टी स्पून कटा हुआ लहसुन, 1 टी स्पून ग्रीन करी पेस्ट (बाजार में उपलब्ध है), 1 टी स्पून तेल, 3 टुकडे थाई अदरक, 3 टुकडे लेमन ग्रास, 1 टी स्पून कटी हुई थाई काफर लाइम लीव्स, 100 मिली. वेजटेबल स्टॉक।

विधि : एक पैन में तेल डालकर गर्म करें। अदरक–लहसुन डालकर भूनें। फिर ग्रीन करी पेस्ट डालकर चलाएं। सभी ब्लैंच की हुई सब्जियां व लेमन ग्रास डालकर 2–3 मिनट तक भूनें।

वेजटेबल स्टॉक, कोकोनट मिल्क, नमक व चीनी डालकर 1 मिनट तक पकाएं। गाढा करने के लिए कोकोनट पाउडर मिलाकर चलाएं। थाई काफर लाइम लीव्स से सजाकर गरमागरम सर्व करें।

बड़े काम की छोटी–छोटी बातें

- मेथी की कड़वाहट कम करने के लिए उसमें थोड़ा सा नमक लगा दें।
- चावल बनाते समय उनमें थोड़ा सा नींबू का रस मिला दें। चावल एकदम सफेद और खिले हुए बनेंगे।
- पुलाव बनाते समय अन्य मसालों के साथ थोड़े से संतरे के सूखे छिलकों का पाउडर भी भून लिया जाए तो पुलाव में अनोखी सुगंध आ जाएगी।
- सलाद बनाने से पहले फल–सब्जियों को फ्रिज में रख दें। इससे वे सख्त हो जाएंगी फिर आप मनचाहे आकार में काट सकती हैं।
- मशरूम को अधिक सफेद पकाने के लिए उसमें एक चम्मच नींबू का रस डाल दें।
- पापड़ को पॉलिथीन में डालकर एयरटाइट डिब्बे में बंद करके फ्रिज में रख दें। एकदम ताजे बने रहेंगे।
- बर्तन आपस में फँस जाएं तो ग्लिसरीन लगाने से आसानी से निकल जाते हैं।
- काँच टूट जाने पर उसे गूंथे हुए आटे से उठाइए। बारीक से बारीक काँच भी उस आटे में चिपक जाएगा।
- अगर बर्तन काला पड़ गया हो तो उसमें आलू के छिलके डालकर पानी में उबालें। फिर साबून और गर्म पानी से धो लें।
- आधा कप लौंग के तेल में आधा चम्मच हल्दी मिला दें। रात को सोने से पहले इसी मिश्रण से हाथों की मालिश करें। हाथ मुलायम और गोरे हो जाएंगे।

पोशाक का चयन करें कुछ इस तरह से-

- कुछ भी खरीदने से पहले अच्छी तरह जांच लें कि उस का रंग व डिजाइन आप पर सूट करेगा या नहीं।
- पोशाक आप पर फब रही है या नहीं, यह देखने के लिए पोशाक को तेज रोशनी में यदि हो सके तो सूरज की रोशनी में खुद पर लगा कर देखें। चाहें तो ट्राईरूम में पहन कर भी देख सकती हैं। यदि दुकान में शीशा या चेंजिंगरूम न हो तो किसी और की राय लें।
- यदि कोई साड़ी या सूट आप ले आई हैं जिस का रंग आप पर नहीं फबता तो उस के साथ किसी ऐसे रंग के दुपट्टे या ब्लाउज का कंट्रास्ट बनाएं, जो आप पर खिले।
- काले रंग को टरक्वायज के साथ मैच करें बहुत फबेगा।
- अपना स्किनटोन जांचने समय मेकअप न करें। यदि किया है तो उसे साफ कर लें एवं पारदर्शी बल्ब के नीचे खड़ी हों। फ्लोरोसेंट या रंगीन रोशनी भ्रम पैदा करती है।

कूल-कूल समर

गर्मियों में ट्रेंडी दिखने और कूल रहने के लिए फैब्रिक्स और कलर्स के बारे में बता रही हैं फैशन डिजाइनर नम्रता शर्मा।

- ड्रेस सीजन में स्किन टाइट कैप्रीज, स्लीवलैस डीप नैकलाइन टॉप के साथ ट्रैंड में रहेंगे।
- फैब्रिक्स में इस बार भी सॉफ्ट क्रिंकल शिफॉन, लिनन औश्र कॉटन की बहार रहेगी। कॉटन में प्लेन डाईड शर्ट और ट्यूनिक पहन सकती हैं। शिफॉन में फ्लावर प्रिंट्स, बेबी प्रिंट्स सूदिंग लुक देते हैं।
- कैप्रीज में आप डेनिम, कॉटन और लिनन ट्राई कर सकती हैं। इस सीजन में कैप्रीज कई तरह की वैरायटी में देखने को मिलेगी। डॉट्स और स्ट्राइप्स वाली प्रिंटेड केप्री भी पहन सकती हैं। अच्छा महसूस करेंगी।
- टॉप्स में इस बार ट्यूनिक्स और शर्ट्स काफी पसंद किए जा रहे हैं। ट्यूनिक्स के साथ चौड़ी बैल्ट पहनें। इससे बॉडी शेप आकर्षक लगती है। मोटी हैं, तो बेल्ट न पहनें।

- पूरी बांहों की ढ़ीली शर्ट पहनें। इसमें थ्री–फोर्थ स्लीव्स भी ट्राई कर सकती हैं।
- ऐसी शर्ट स्किन टाइट जींस के साथ स्मार्ट लुक देगी। साथ में बड़े साइज की एंटीक लुक वाली बैल्ट पहनें। चौड़े बैल्ट्स और बड़े बकल्स इन दिनों खास पसंद किए जा रहे हैं।
- आप सूट पहनना पसंद करती हैं, तो छोटे प्रिंट का फैब्रिक ठीक रहेगा। लाइट कलर्स जमेंगे। इन दिनों शॉर्ट कुर्ते के साथ चूड़ीदार खास तौर से पसंद किया जा रहा है। 70 दशक के सलवार सूट का फैशन फिर से पसंद किया जा रहा है।
- स्पोर्टी लुक में इस बार कॉलर शर्ट के साथ स्लीवलैस जर्सी ट्रेंड में है। इसे आप कॉन्ट्रास्ट मैचिंग करके पहनें। जैसे व्हाइट शर्ट पहनना है, तो उसके साथ डार्क ग्रीन या ब्लैक कलर की स्ट्राइप्स वाली जर्सी पहनें।
- ज्योमैट्रिकल प्रिंट्स की बहार रहेगी। इस प्रिंट का फैब्रिक गर्ल्स और बॉयज दोनों को लुभाएगा।
- शॉर्ट और मिनी स्कर्ट्स में कूल फील करेंगी। इनमें पिंक और व्हाइट कलर लें। डेनिम के साथ लइक्रा की स्कर्ट्स भी ट्राई कर सकती हैं।
- कलर्स में नेवी–व्हाइट और ऑफ व्हाइट ब्राउन का कॉम्बिनेशन जमकर चलेगा। लाइट वेट लिनन शर्ट के साथ नेवी या स्काई कलर की जींस पहनें।
- अगर हाइट कम है, तो केप्री की बजाय लॉन्ग जींस पहनें और यदि हाइट अच्छी है, तो दोनों ट्राई कर सकती हैं। लेकिन, ज्यादा लंबी और पतली हैं, तो केप्री पहनें। इससे आपकी हाइट कम लगेगी।
- हिप–लैंथ और नी–लैंथ टयूनिक्स कई तरह के स्टाइल्स में उपलब्ध हैं। इन्हें अपनी पर्सनेलिटी और प्रोफेशन के हिसाब से चुनें। लंबी हैं, तो भी नी लैंथ टयूनिक पहनें। इसके साथ केप्री की बजाय लॉन्ग जींस अच्छी लगेगी। स्किन टाइट जींस न पहनें।
- कॉलर्स वाली नैकलाइन फैशन में रहेगी। ट्यूनिक्स और लॉन्ग शर्ट दोनों में कलर्स के सभी स्टाइल्स ट्राई कर सकती हैं।
- कलर्स वाली नैकलाइन फैशन में रहेगी। ट्यूनिक्स और लॉन्ग शर्ट दोनों में कॉलर्स के सभी स्टाइल्स ट्राई कर सकती हैं।
- कलर्स के मैटेलिक और एंटीक लुक ट्रैंड में रहेगा। कई डिजाइनर्स ने मैटेलिक और एंटीक कलर्स में अपने कलेक्शन लॉन्च किए हैं, जो काफी पसंद किए जा रहे हैं। यदि आप आर्ट या फिर किसी भी क्रिएटिव फील्ड से जुड़ी हैं, दोनों कलर्स अच्छा लुक देंगे।
- व्हाइट कलर सदाबहार है। इसे आप कई रंगों के साथ मिक्स–मैच करके पहन सकती हैं। जैसे ब्ल्यू, पिंक, मजेंटा, टॉमेटो रैड, ब्लैक आदि।
- स्कर्टस में रैप–रॉन चलन में है। इन्हें आप हिप–लेंथ के कुर्ते और स्टॉल के साथ पहनें। फ्रिल वाली स्कट्र्स आउट ऑफ फैशन हो गई हैं।
- चंकी ज्वैलरी इस बार भी आर्टिस्टिक लुक के साथ काफी पसंद की जा रही है।
- छोटे साइज के बैग आउट–ऑफ फैशन हो गए हैं। बड़े बैग्स में वेल्वेट, कॉर्डरॉय, खादी चलन में है। फुटवियर्स में आप फ्लावर डिजाइन की बेलीज पहनें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शनै:-शनै: स्थिती पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। प्रेमभाव बढ़ेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। शुभांक-3-5-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रखें। शुभांक-1-3-5

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्यांकन कर लें। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। यात्रा का योग बनेगा। शुभांक-5-7-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): आध्यात्मिक रुचि बनेगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित विघ्न पैदा होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-3-5-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। वाहन चालन में सावधानी बरतें। शुभांक-5-7-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। हाथ-पैरों में पीड़ा हो सकती हैं। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-2-4-6

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। मातृपक्ष के लोगों का सहयोग मिलेगा। शुभांक-3-5-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। शुभांक-6-8-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों में प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। शुभांक-6-7-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। शुभांक-7-8-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-2-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र हैं। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 1979

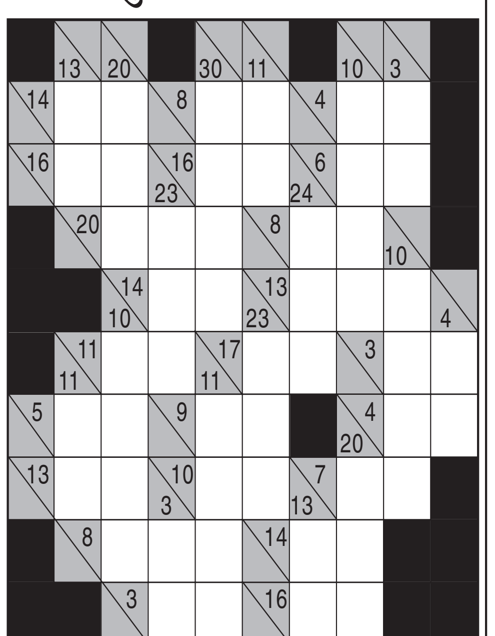

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की ओर जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरण:

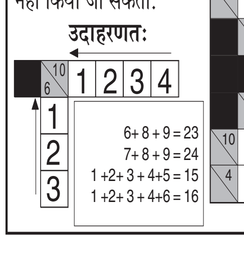

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 1978 का हल

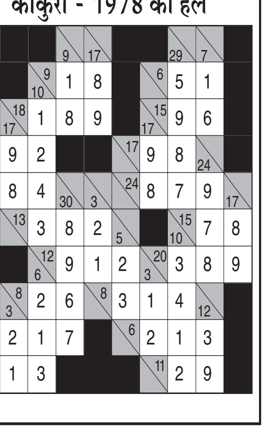

हंसी के फूव्वारें

क्या तुम मुझसे प्रेम करते हो ?
इसमें भी कोई सन्देह है.
'तो क्या तुम मेरे लिए मर भी सकते हो ?'
'नहीं प्रिय यह मेरा अमर प्रेम है.'

एक कुंवारी और कुंवारा घूम रहे थे कि तभी कुंवारी को जोर से खांसी आ गई, कुंवारा बोला-प्रिय तुम्हारे गले के लिए कुछ ले लूं क्या?
हां, वह मोतियों का हार जो सामने की दुकान पर है,कुंवारी बोली.

भगवान से सबकी रक्षा की विनती कर चुकने पर छोटे से मोहन ने कहा-मेहरबानी करके अपनी रक्षा भी करना यदि तुम्हें कुछ हो गया तो हमारा तो नाश हो जायेगा.

मरीज: डॉक्टर साहब, मुझे कब तक कड़वी दवा खानी पड़ेगी ?
डॉक्टर: जब तक मेरा बिल अदा न कर दोगे.

टिकटचेकर: बच्चा, टिकट दिखाओ.
साधु: हम तो साधु हैं, हमें टिकटों से क्या लेना-देना.
टिकटचेकर: तो क्या जिन्होंने टिकट ले रखे हैं वे सब क्या चोर-उचक्के हैं ?

फिल्म वर्ग पहेली- 1979

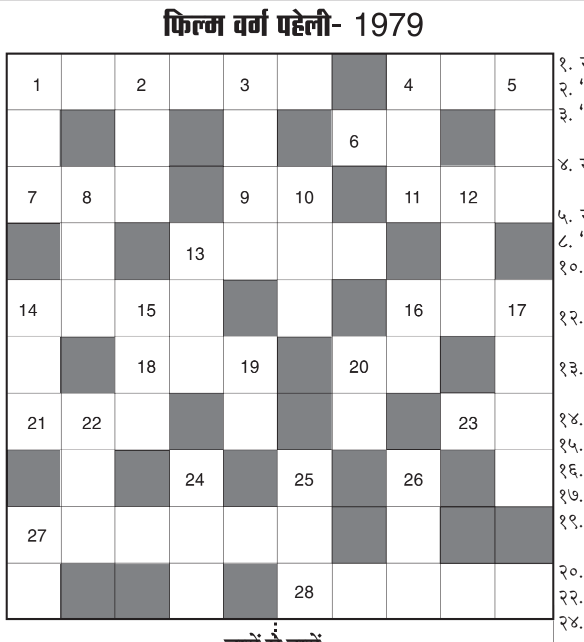

बायें से दायें:-

१. अभिषेक, सुनील, ऐश, शबाना की 'बहका दिया' गीत वाली फिल्म-४,२
४. 'दोस्ती हो गई रे' गीत वाली सुनील शेट्टी, सुष्मिता, नम्रता की फिल्म-३
६. 'छोड़ो मुझे' गीत वाली फिल्म 'जानू' में जैकी के साथ नायिका कौन थी-२
७. 'दिल खुश है आज उनसे' गीत वाली सुनीलदत्त, मीना कुमारी की फिल्म-३
९. फिल्म 'प्यार का साया' में राहुलराय के साथ नायिका कौन थी-२
११. एम. एफ. हुसैन की फिल्म 'गजगामिनी' में मुंशी प्रेमचंद की 'निर्मला' की भूमिका किसने की है-३
१३. राजेंद्रकुमार, बबीता की 'रिमझिम के गीत सावन गाए' गीतवाली फिल्म-४
१४. 'रामजी की निकली सवारी' गीतवाली ऋषिकपूर, जयाप्रदा की फिल्म-४
१६. कमल हासन, श्रीदेवी की 'ऐ जिंदगी गले लगा ले' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'चोरी चोरी तेरे संग' गीत वाली मिथुन, आयशा जुल्का की फिल्म-३
२०. लकी अली, गौरी कार्णिक की 'कभी शाम ढले तू मेरे' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'हमीं से मोहब्बत हमीं से' गीत वाली दिलीपकुमार, वैजयंती की फिल्म-३
२३. अनिलकपूर, माधुरी की 'एक बात मान लो तुम' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'फूल सा चेहरा चाँद सी' गीत वाली प्रदीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-२,२,२
२८. देव आनंद, गिरीश, टीना मुनीम की 'आवाज सुरीली का' गीत वाली फिल्म-५

ऊपर से नीचे:-

१. सतीश, सुभाष घई, अर्चना की फिल्म-३
२. 'चलती है पुरवाई' गीत वाली फिल्म-३
३. 'तेरी चाहत में दीवाना हूँ' गीत वाली फरदीन खान, सेलिना की फिल्म-४
४. संजयदत्त, अतुल, रवीना, करिश्मा की 'काश तुम मुझसे एक' गीत वाली फिल्म-३
५. राजेश खन्ना, ऋषिकपूर, पूनम की फिल्म-३
८. 'तुम भी चलो हम' गीत वाली फिल्म-३
१०. फारूख शेख, नसीरूद्दीनशाह, स्मिता पाटिल की फिल्म-३
१२. अक्षयकुमार, रवीना टण्डन की 'एक लड़की एक लड़का' गीत वाली फिल्म-३
१३. फिल्म 'पुष्पक' में कमल हासन के साथ नायिका कौन थी-३
१४. प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
१५. 'उड़ जा काले कावां' गीतवाली फिल्म-३
१६. नसीर, अतुल अग्निहोत्री की फिल्म-२
१७. शशि कपूर, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२,२
१९. अनिलकपूर, जैकी, अजय, मनीषा, माधुरी, सोनाली, रेखा की फिल्म-२
२०. 'मेरा सेहरा तू है' गीत वाली फिल्म-२
२२. सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
२४. 'चढ़ती जवानी मेरी चाल' गीत वाली फिल्म-३
२५. फिल्म 'अजूबा' में 'शहजादी हिना' की भूमिका किसने की थी-३
२६. 'तू लाली है सवेरे वाली' गीत वाली फिल्म-३
२७. फिल्म 'शर्मीली' में शशिकपूर के साथ नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली- 1978

सूडोकु -1979

4			9		6	1		8
6	8					9	2	3
	1	7	3	8		4		
3	4		6		7			9
5		1	8			2		7
2			5		1		8	4
		3		7	5	8	6	
							9	5
7		6	2		8			1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1978 का हल

2	9	8	3	5	6	1	7	4
4	5	3	2	1	7	9	8	6
7	1	6	4	8	9	2	5	3
8	2	5	6	9	1	3	4	7
3	6	4	7	2	5	8	1	9
1	7	9	8	3	4	5	6	2
5	4	1	9	7	2	6	3	8
6	3	2	1	4	8	7	9	5
9	8	7	5	6	3	4	2	1

शब्द पहेली - 1979

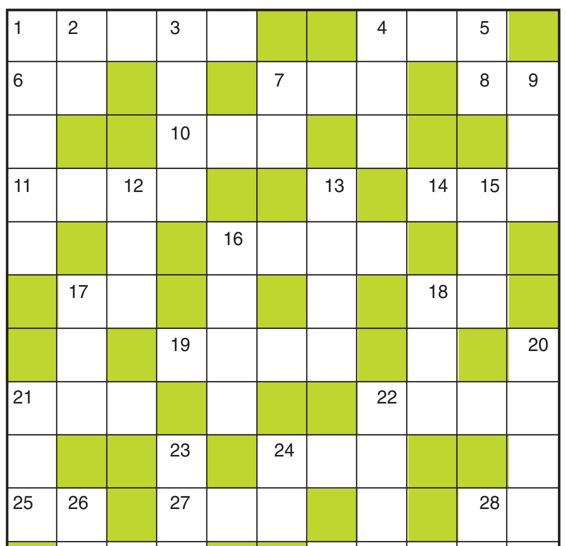

बाएँ से दाएँ

1.असह्य,नागवार-5
4.कली-3
6.पराया,पंख-2
7.समुद्र-3
8.पिता की बहन-2
10.चौकसी,सुरक्षा-3
11.कृष्ण प्रेमी एक मुस्लिम कवि -4
14.छल,धोखा-3
16.पक्षी,उड़ने वाला-4
17.उम्मीद-2
18.दौरा,पहरेदारी-2
19.धारण करना-4
21.आफत,मुसीबत-3
22.विदिर्ण-2,2
24.प्रकाशित-3
25.बल,जान-2
27.रसदार-3
28.जगत,दुनिया-2
29.नग,मूल्यवान पत्थर-3
30.तृप्त होना-5

ऊपर से नीचे

1.जबरन उठा ले जाना-5
2.महोदय (अंग्रेजी-2)
3.नीलिमा-4
4.कुंती पुत्र,राधेय-3
5.वश,अधीन-2
7.संपूर्ण,पूर्ण-2
9.शिकार-3
12.असली,शुद्ध-3
13.हठ करना,रोना -4
15.हारा हुआ,पराजित-3
16.मशवरा,सलाह-4
17.विश्राम-3
18.अभिमान-3
20.भयभीत होना-2,3
21.संभवतः-3
22.टर्पेंटाइन, गंधा बिरोजा-4
23.तरना,स्वीमिंग-3
24.इसे मकड़ी बुनती है-2
26.जी,चित-2
28.संपत्ति-2

शब्द पहेली - 1978 का हल

3 बच्चों को देखकर भी मां का नहीं पसीजा दिल, पति को छोड़ पत्नी प्रेमी संग रहने को तैयार

दन्या. उत्तराखंड के इस शहर में हैरान करने वाला मामला सामने आया है। तीन बच्चों की मां अपने पति को छोड़ प्रेमी के साथ रहने कको तैयार हो गई। कोर्ट में बयान दर्ज कराने के बाद महिला प्रेमी के साथ लौट गई। यह पूरा हैरान करने वाला मामला अल्मोड़ा जिले में सामने आया है। तीन माह बाद गुरुग्राम से बरामद हुई महिला का दिल बच्चों को देखकर भी नहीं पसीजा। महिला प्रेमी के साथ रहने की जिद पर अड़ी रही। नतीजतन न्यायालय में बयान दर्ज कराने के बाद महिला को प्रेमी के साथ भेज दिया गया। दन्या क्षेत्र के तीन बच्चों के पिता ने पत्नी के लापता होने की गुमशुदगी दर्ज कराई थी। कहना था कि उसकी पत्नी चार नवंबर से लापता है। एसएसपी देवेंद्र पींचा के निर्देश पर एसओ विजय नेगी के नेतृत्व में गठित टीम ने महिला को गुरुग्राम से बरामद किया था।

महिला को दन्या लाया गया तो खुलासा हुआ कि वह गुरुग्राम में कथित प्रेमी के साथ अपनी मर्जी से रह रही है। बताया कि दोनों की जान पहचान सोशल मीडिया के माध्यम से हुई थी। वह प्रेमी के साथ ही रहना चाहती है। पुलिस व परिजनों के समझाने के बाद भी महिला ने बच्चों और पति के साथ रहने से इनकार कर दिया। कोर्ट में बयान दर्ज कराने के बाद महिला को प्रेमी के साथ जाने की इजाजत दे दी गई। दन्या पुलिस ने तीन माह से लापता महिला को गुरुग्राम से बरामद किया था। महिला ने बच्चों के बजाए कथित प्रेमी के साथ रहने की इच्छा जताई। कोर्ट में बयान दर्ज कराने के बाद महिला प्रेमी के साथ लौट गई है।

पांच दिनों तक चली कांग्रेस नेता के घर आईटी की रेड, घर के बाहर आए अमरजीत भगत, बोले- न कुछ मिला न कुछ हासिल हुआ

रायपुर. छत्तीसगढ़ में आयकर विभाग के द्वारा छापे की कार्रवाई चार दिनों के बाद खत्म हो गई है। कांग्रेस के नेता और पूर्व मंत्री अमरजीत भगत सहित उनके करीबियों के घर बुधवार को आईटी ने छापा मारा था। रायपुर, अंबिकापुर, दुर्ग, भिलाई, कोरबा सहित कुल 45 ठिकानों पर 300 से ज्यादा अधिकारियों ने छापा मारा था। छापे की यह कार्रवाई रविवार खत्म होने के बाद घर से बाहर आए भगत ने कहा कि इस कार्रवही में न कुछ मिला, न कुछ हासिल हुआ।

करीब पांच दिनों तक चली आयकर विभाग की कार्रवाई में अमरजीत भगत के करीबी व्यवसायी राजीव अग्रवाल के घर को सील कर दिया गया है।

आयकर की टीम ने अग्रवाल के घर से कई कागजात मिले है, जिसे महत्वपूर्ण माना गया है व घर को सील करने की कार्रवाी भी की गई है। कार्रवाई खत्म होने के बाद अब तक आयकर की टीम ने किसी भी तरह से प्रेस नोट जारी नही किया है। इस पूरे रेड में क्या-क्या मिला है इसकी कोई अधिकारिक जानकारी सामने नही आई है।

छत्तीसगढ़ में आयकर की टीम ने जिन-जिन नेता, अधिकारी और कारोबारियों के घर छपा मारा था उनमें महत्वपूर्ण रूप से प्रदेश सरकार में पूर्व मंत्री रहे कांग्रेस पार्टी के नेता अमरजीत भगत, करीबी इंजीनियर प्रमोद टोप्पो, निज सचिव फ्रैंकलिन टोप्पो, गौसेवा आयोग के पूर्व सदस्य अटल यादव, सीए एचएस जायसवाल, कारोबारी राजीव अग्रवाल, नागेश्वर यादव, महामंत्री गणेश यादव, कांग्रेस नेता मनोज यादव, इसके साथ ही टीएस और अमरजीत के करीबी दिलीप धर के घर आयकर का छापा पड़ा है।

बर्फबारी के मजे लूटने उत्तराखंड में उमड़े टूरिस्ट, UP, दिल्ली-NCR के पर्यटक मसूरी-धनोल्टी में 4 घंटे तक 5 किमी लंबे ट्रैफिक जाम में फंसे

सुबह से ही पर्यटकों की आवाजाही शुरू हो गई थी। सुबह जो वाहन मसूरी से धनोल्टी की ओर गए। शाम को लौटते समय उनकी संख्या बढ़ गई। जिसके चलते दोपहर बाद जगह-जगह जाम की स्थिति पैदा हो गई। जाम से परेशानी हुई।

मसूरी. उत्तराखंड के पर्यटक स्थलों में बारिश-बर्फबारी के बाद कड़ाके की ठंड पड़ रही है। यूपी सहित दिल्ली-एनसीआर से पर्यटक बर्फबारी का लुत्फ उठाने को उत्तराखंड पहुंच रहे हैं। मसूरी-धनोल्टी रूट पर 4 से 5 घंटे ट्रैफिक जाम से पर्यटकों को मुसीबतों का सामना करना पड़ा। हाईवे पर करीब-करीब 5 किमी लंबा ट्रैफिक जाम से पर्यटक परेशान हो गए।

कड़ाके की ठंड के बीच जाम में फंसे पर्यटक चाय पीने को भी तरस गए थे। मसूरी में घने कोहरे के कारण सड़क पर करीब पांच किमी लंबा जाम लग गया। दोनों ओर से वाहनों की लगातार आवाजाही से रात 07 बजे तक हालात सामान्य हुए। शनिवार रात को मसूरी, धनोल्टी और आसपास के क्षेत्रों में बर्फबारी हुई।

सुबह से ही पर्यटकों की आवाजाही शुरू हो गई थी। सुबह जो वाहन मसूरी से धनोल्टी की ओर गए। शाम को लौटते समय उनकी संख्या बढ़ गई। जिसके चलते दोपहर बाद जगह-जगह जाम की स्थिति पैदा हो गई। दोपहर तीन बजे बाद रही सही कसर कोहरे ने पूरी कर दी। जगह-जगह ट्रैफिक जाम में पर्यटक फंसे रहे।

घने कोहरे के कारण दृश्यता बेहद कम हो गई। वाहन चालकों को लाइट जलाकर धीरे-धीरे चलना पड़ा। ऐसे में जाम बढ़ता गया और शाम होते-होते वाहनों की पांच किमी तक कतार लग

लग गई। हालात यह थे कि दुपहिया वाहनों के पास होने की तक जगह नहीं बची। धनोल्टी और सुवाखोली से मसूरी पहुंचने में वाहनों करीब चार घंटे तक का समय लग गया।

ऐसा जाम कभी पहले नहीं देखा, दो घंटे कार में बिताए

दिल्ली से धनोल्टी घूमने गए पर्यटक शोभित मित्तल ने बताया कि वह करीब दो घंटे तक अपनी कार में ही फंसे रहे। जाम इतना था कि कार अपनी ही जगह पर खड़ी रही। धीरे-धीरे किसी तरह से वो मसूरी पहुंचे। बाटाघाट क्षेत्र की पुलिस को जाम खुलवाने में काफी परेशानी हुई। ऐसा जाम नहीं देखा पहले कभी ।

चाय पीने के लिए तरसे, ठंड से भी हुआ बुरा हाल

दिल्ली के आए आशुतोष गिरी ने बताया कि दिन में दिल्ली से चले थे, मसूरी में भी खाना नहीं खाया।

अब धनोल्टी कब पहुंच पाएंगे, पता नहीं। दरअसल, मसूरी और धनोल्टी की दुकानें काफी दूर-दूर हैं। ऐसे में चाय के लिए भी तरसना पड़ा।

बालू में दबी मिली थी महिला की लाश, बेरहमी से हुई थी हत्या, दिल गायब

झूंसी.प्रयागराज में झूंसी की एक महिला की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। उसकी एक आंख बाहर आ गई थी, चेहरे की चमड़ी उधड़ी थी और सीना फाड़ दिया गया था। वारदात को अंजाम देने के बाद उसके शव को बालू में दफनाया गया था। रविवार सुबह उसके पति ने शव देखा तो पुलिस को सूचना दी। पोस्टमार्टम में खुलासा हुआ कि महिला का दिल गायब है। इससे सनसनी फैल गई। कातिल ने उसका सीना काटकर दिल निकाल लिया या जंगली जानवर उसके शव को खा गए, इसकी झूंसी पुलिस जांच कर रही है।

पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। शक के आधार पर दो युवकों को हिरासत में लिया है। झूंसी के भदकार गांव निवासी भारत निषाद ने पुलिस को बताया कि उसकी मां विटोला देवी(45) शनिवार शाम चार बजे सरपत काटने गंगा कछार में गई थी। काफी देर होने पर वह घर नहीं लौटी तो वह मां की तलाश में निकला लेकिन रात तक उसका कुछ पता नहीं चला। रविवार सुबह उसके पिता खोजबीन करने निकले। गांव से दूर कछार में पहुंचे तो बालू में आधा बाहर निकला उसकी मां विटोली देवी का शव दिखा। शरीर का ऊपर का हिस्सा दिख रहा था।

हिला के कपड़े अस्त व्यस्त थे और शरीर पर गंभीर चोटों के निशान थे। सीना फटा हआ था। माथे पर हमले के निशान थे। झूंसी पुलिस मौके पर पहुंची और फोरेंसिक टीम की मदद से जांच की। खोजी कुत्ते ने भी सुराग की तलाश की हालांकि पुलिस को कुछ ठोस नहीं मिला। झूंसी पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ ही एफआईआर दर्ज की। डॉक्टरों के पैनल ने शव का पोस्टमार्टम किया। वेजाइनल स्वॉब प्रिजर्व किया गया है।

सवाल: हत्या के बाद कातिल ने दिल निकाला या जानवरों ने नोंची लाश

झूंसी में महिला की हत्या के बाद उसका दिल निकाले जाने की खबर ने सनसनी फैला दी है। सवाल उठने लगा है कि कातिल ने महिला का दिल निकाला या जानवर उसके शव को खा गए। आखिर कोई इतनी बेरहमी से हत्या क्यों करेगा और फिर इंसान का दिल निकाल कर क्या करेगा। चर्चा यह भी है, कहीं अंध विश्वास के चक्कर में तो ऐसा नहीं किया गया। तंत्र-मंत्र और बलि जैसी घटनाओं की भी क्षेत्र में चर्चा है। हालांकि झूंसी पुलिस इन चर्चाओं का खंडन कर रही है।

गंगा के कछार में विटोला देवी की हत्या करने वालों पर खून सवार था। घटनास्थल पर पुलिस को दो हसिया मिले हैं। उन पर खून लगा है।

इस बात की आशंका है कि हसिया से ही कातिल ने विटोला देवी की हत्या की। सिर पर वार किया। इसके अलावा उसका सीना फाड़ दिया गया। हत्या के बाद जल्दबाजी में बालू में उसका शव आधा दफनाकर कातिल भाग निकला। आशंका जाहिर की जा रही है कि कातिल ने ही महिला का सीना फाड़ दिया और दिल निकाल लिया। लीवर भी कटा हुआ था।

खुद को बताती 'बिहार की डॉन', बच्चों पर ऐसे बर्बरता करती थी बेटी की हत्या करने वाली फरजाना

कानपुर के बिल्हौर में सिर पर पिता और सौतेली मां द्वारा किए गए जोरदार प्रहार के बाद रेहाना दोबारा उठ न सकी। बेसुध हो गई। रेहाना की पोस्टमार्टम रिपोर्ट से में बच्ची के सिर और शरीर पर चोटों के निशान मिले हैं। सिर पर तीन गम्भीर चोटें आने के बाद लगे शॉक से वह कोमा में गई और उसकी जान निकल गई। शरीर पर आठ और चोटों के निशान मिले हैं। देर शाम रेहाना के जनाजे को गजना गांव के कब्रिस्तान में गमगीन माहौल में सुपुर्द ए खाक कर दिया गया। पोस्टमार्टम पैनल के चिकित्सकों ने बताया कि बच्ची के सिर पर तीन बार भारी और धारदार चीज से हमला किया गया। इससे शॉक लगा और उसकी मौत हो गई।

11 साल की मासूम रेहाना के साथ बर्बरता करने वाली सौतेली मां फरजाना के हाथ नहीं कांपे। सगी मां मीरा की मौत के बाद सौतेली मां बनकर आई फरजाना ने कभी उसे लाड़-प्यार नहीं दिया। इसके विपरीत रेहाना उसमें ममता की तलाश करती रही। पिता में हिम्मत ढूंढती रही। मगर दोनों की क्रूरता ने उसके बालपन को तो छीना ही, जान ही ले ली। बकौल रन्नो दादी 'फरजाना ने रेहाना को कभी बेटी समान नहीं माना। वह उसके अलावा भाई और दो बहनों के सीने में घूंसे मारते हुए कहती थी, मैं बिहार की डॉन हूं, मेरे कहर से नहीं बच पाओगे'।

गुलफ्शां के जला दिए थे दोनों पैर

दादी कहती हैं कि गुस्से में फरजाना का कहर बच्चों के साथ साथ अपने पति अनीस और उन पर भी टूट जाता था। फरजाना का लहजा और शब्द गुंडों जैसे थे। बोलती थी, 'किसी में दम हो तो मुझसे लड़कर देख ले'। एक बार रेहाना की बहन गुलफ्शां के दोनों पैर जला दिए थे। इलाकाई महिलाओं के मुताबिक तीन महिलाएं मिलकर भी फरजाना खातून का बाल बांका नहीं कर सकती थी। अक्सर पति भी फरजाना के हाथों पीटा जाता था।

बारिश से सर्दी ने लिया यू टर्न, पटना समेत कई जिलों में वज्रपात के साथ बूंदाबांदी

पटना. मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक बिहार के कई जिलों में रविवार शाम से बारिश हो रही है। इस बीच पटना समेत कई जिलों से वज्रपात और मेघ गर्जन की खबरें आ रही हैं। इस वजह से सर्दी ने यू टर्न ले लिया है। बारिश के कारण दिन में भी तापमान में गिरावट आई है। अधिकतम तापमान घाट जाने से ठंड बढ़ गई है। कई जिलों में शीतलहर की स्थिति बन रही है।

उधर बांका में रविवार रात हुई झमाझम बारिश से मौसम का मिजाज बदल गया है। हल्की बारिश का असर सोमवार को भी देखा गया। क्षेत्र में शीतलहरी व ठंड का दौर फिर लौट आया है। सुबह से ही आसमान में बादल छाए हुए हैं। कभी कभार बारिश की फुहार भी देखने को मिल रही है। इधर मौसम के इस सर्द मिजाज से लोगों का बुरा हाल है। हर कोई ठंड से ऊब चुका है। ठंड में हुए इजाफा से बच्चों को काफी परेशानी हो रही है।ठंड का सबसे ज्यादा असर स्कूल जाने वाले बच्चों पर पड़ रहा है। बच्चों को कांपते हुए स्कूल जाना पड़ रहा है। वहीं गरीब तबके के लोगों के लिए यह सर्दी आफत तो बुजुर्गों के लिए जानलेवा बनी हुई है। उनके लिए इस ठंडी का एक-एक दिन मुश्किल से कट रहा है। दिन भर फुदकने वाली चिड़याँ खुले चरने वाले पशु भी अपने ठिकाने में दुबके नजर आ रहे हैं।

ठंड बढ़जाने से पशुओं को बांध कर चारा खिलाने में पशु पालक भी परेशान हैं। दुधारू पशुओं के दूध में भी कमी आई है। रोज ऊपर-नीचे हो रहे तापमान से लोग बीमार पड़ रहे हैं। थोड़ी सी लापरवाही बरतने पर ठंड अपने चपेट में ले लेती है। इधर दिन भर बादल के कारण किसानों के कई मौसमी फसल बर्बाद हो रहे हैं। आलू, सरसों आदि फसलों पर भी बुरा असर पड़ रहा है।

सर्दी के यू टर्न से मौसम विभाग ने चेतावनी जारी किया है। वज्रपात से बचने की सलाह दी गयी है।

बिहारी बाबू पर आया इंडोनेशिया की लड़की का दिल, हिंदू रीति-रिवाज से रचाई शादी

बिहार की एक शादी इन दिनों चर्चा में है। पूर्वी चंपारण के रहने वाले हर्षवर्धन ने इंडोनेशिया की सोइल्लीना मेनाक से हिंदू रीति रिवाज से शादी रचाई है। लड़की अपनी मां के साथ बिहार पहुंची है।

मोतिहारी. इंडोनेशिया की युवती सोइल्लीना मेनाक को पढ़ाई के दौरान पूर्वी चंपारण के पताही के युवक से प्यार हुआ और दोनों ने शादी करने का फैसला कर लिया। पहले तो परिवार वालों की अड़चन आई। लेकिन बाद में दोनों क़े परिजन मान गए और दोनों शादी क़े बंधन में बंध कर एक दूजे क़े हो गए। दुल्हन इंडोनेशिया के नौर्थ सुमात्रा प्रोविंस स्थित सिबोरोगबोरोगा की रहने वाली सिलाबन है। जबकि दूल्हा पताही के परसौनी गांव का रहने वाले अखिलेश कुमार सिंह का पुत्र हर्षबर्धन है। दोनों की शादी का गवाह दोनों क़े परिजन व गांव के लोग भी बने।

दुल्हन सोइल्लीना ने भारतीय कल्चर को बहुत अच्छा बताया। दूल्हे हर्षवर्धन ने बताया कि वह ताइवान में पोस्ट डाक्टोरल साइंटिस्ट के रूप में कार्य कर रहा था । वहीं पर सोइल्लीना ग्लोबल फाइनेंस में एमएस कर रही थी। इसी दौरान दोनों की आंखे चार हुई और प्यार इतना परवान चढ़ा की दोनों ने शादी का फैसला कर लिया। सोइल्लीना मेनाक इंडोनेशिया से सात समंदर पार भारत क़े बिहार क़े पताही पहुंच गईं। और दोनों ने हिंदू रीति रिवाज से शादी कर लीं । हर्षवर्धन ने कहा कि सोइल्लीना मेनाक को हिन्दू कल्चर से अवगत कराना था इसलिए हिंदू रीति रिवाज से उसने शादी की। इसलिए फिर अपने गांव आकर भारतीय रीति रिवाज से वैदिक मंत्रोच्चार के बीच शादी की है। यहां के रीति रिवाज का अनुभव कर वह काफी खुश है।उसने काफी सहयोग भी किया। हर्षबर्धन के पिता अखिलेश कुमार सिंह ने बताया कि इस शादी से वह बहुत खुश हैं। दुल्हन यहां के कल्चर को ग्रहण करने वाली है। वह यहां के बारे में सब कुछ जान जाएगी और जल्द ही सीख लेगी। गांव के लोगों ने भी दुल्हन का अच्छे ढंग से स्वागत किया है। हर्षबर्धन की मां ने बताया कि मेरा पूरा परिवार खुश है। दुल्हन बहुत अच्छी है। वह धीरे-धीरे सबकुछ सीख लेगी और समझ जाएगी। हिन्दी बोलना धीरे-धीरे सीख लेगी। हर्षबर्धन के पैतृक गांव पताहीं के परसौनी में गुरुवार को शादी को लेकर पूरी तैयारी की गई थी।

हर्षबर्धन के परिजनों ने इस शादी को लेकर सगा संबंधियों के अलावा अपने नजदीकी लोगों को भी आमंत्रित किया था। पारंपरिक शादी के गीतों और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच सभी रस्मों को पूरा किया गया। हिंदू रीति रिवाज से हुई शादी से सोइल्लीना काफी खुश दिख रही थी। वहीं शुक्रवार को रिसेप्शन रखा गया था। इसमें काफी संख्या में लोग आमंत्रित किए गए थे। लोगों ने वर वधु आशीर्वाद दिया। इस शादी और रिसेप्शन को लेकर ग्रामीणों में भी काफी उत्साह था। इस मौके पर सोइल्लीना की मां सोली सिपाहुतार भी उपस्थित रही, जो यहां के कल्चर और रीति रिवाज की काफी प्रशंसा करती दिखी।

पुलिस जीप ने बाइक 2 को मार डाला, घटना के बाद हो गई थी फरार; CCTV से राज खुला तो 5 दारोगा नपे

पटना. बिहार पुलिस की एक शर्मनाक करतूत उजागर हुई है। बीती 31 दिसंबर की रात खगौल रोड पर हुई सड़क दुर्घटना में बाइक सवार दो युवक की मौत मामले में नया मोड़ आ गया है। पुलिस गश्ती गाड़ी ने बाइक को टक्कर मारी थी जिससे दोनों की मौत हुई थी। टक्कर के बाद घायलों की मदद करने के बजाय पुलिसकर्मी वाहन लेकर फरार हो गए थे। वरीय पुलिस अधिकारी के आदेश पर हुई जांच में घटना की सच्चाई का पता चला तो इसी हफ्ते गश्ती गाड़ी पर सवार दारोगा सहित पुलिस कर्मियों पर केस दर्ज किया गया था। वहीं, एएसपी दीक्षा ने रविवार को आरोपित दारोगा वरुण कुमार सिंह व चालक के अलावा तीन पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया है।

बता दें कि 31 दिसंबर की रात लखनीबिगहा निवासी अमित कुमार, खगौल के नेउरा कालानी निवासी शिवम मंडल और उनके दोस्त अमित बाइक से डीजे खोलने जा रहे थे। तभी खगौल रोड के विजय विहार कालोनी मोड़ के समीप बोलेरो और युवकों की बाइक के बीच जोरदार टक्कर हो गई थी। इस दुर्घटना में अमित कुमार और शिवम मंडल की मौके पर ही मौत हो गई थी। उधर घटना के बाद चालक बोलरो लेकर फरार हो गया था। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने आस-पास के सीसीटीवी का फुटेज को देखा लेकिन सही से जांच नहीं की थी। पुलिस वाहन होने के कारण आरोपितों को बचाने के लिए पुलिसकर्मी मामले की लीपापोती में जुट गए थे।

मृतक के परिजनों ने खुद खंगाले सीसीटीवी

मृतक के परिजनों ने टक्कर मारने वाले वाहन की पहचान के लिए खुद प्रयास किया। उन्होंने घटना स्थल पर जाकर निजी घरों में लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाला तो पता चला कि गाड़ी पुलिस की थी। बाद में गाड़ी की तलाश में इलाके के थानों का चक्कर लगाना शुरू कर दिया था।

इस दौरान पीड़ित परिवार वालों ने गश्ती गाड़ी को शाहपुर थाने में लगा पाया। उन्होंने उस वाहन का वीडियो बना लिया था। युवकों के श्राद्धकर्म के बाद परिजनों ने वरीय पुलिस पदाधिकारी के सामने गुहार लगाई। इसके बाद मामले की जांच के आदेश दिए गए। गश्ती वाहन में मौजूद पुलिसकर्मियों पर केस और कार्रवाई की अनुशंसा की गई।

क्या कहते हैं अधिकारी

शाहपुर थाना में गश्ती दल के पदाधिकारी व जवान के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया है। इसके साथ तत्काल सभी को निलंबित कर दिया गया है। उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई चल रही है। कांड की नए सिरे से जांच की जा रही है।

विश्व की ऐतिहासिक धरोहर में शामिल है इंडिया गेट

इंडिया गेट जो विश्व की ऐतिहासिक धरोहर में शामिल एक द्वार है और यह दिल्ली में स्थित है.हर साल लाखों सैलानी इस द्वार को देखने आते हैं.हर साल 26 जनवरी के दिन इंडिया गेट के सामने गणतंत्र दिवस की परेड कराई जाती है.

जी हां दोस्तों आज का हमारा लेख इंडिया गेट से संबंधित है.आज हम आपको इंडिया गेट से जुड़े वे सभी रोचक तथ्य बताने जा रहे हैं जो आपने आज से पहले शायद ही कहीं पढ़े होंगेतो चलिए जानते हैं

- इंडिया गेट की ऊंचाई 43 मीटर है विश्व का सबसे बड़ा युद्ध स्मारक है.
- क्या आप जानते हैं इंडिया गेट को प्राचीन समय में किंग्सवे के नाम से जाना जाता था और इसका डिजाइन सर एडवर्ड लुटियन्स ने बनाया था.
- इंडिया गेट के सामने स्थापित छतरी में जार्ज पंचम की एक मूर्ति स्तापित थी जिसे बाद में यहाँ से हटाकर कोरोनेशन पार्क में स्थापित कर दिया गया था.
- आपको जानकर गर्व होगा इंडिया गेट का निर्माण प्रथम विश्वयुद्ध में शहीद हुऐ 80,000 से अधिक भारतीय सैनिकों की याद में किया गया था.
- क्या आप जानते है इंडिया गेट पर 13300 अधिकारियों और सौनिकों के नाम अंकित हैं.
- इंडिया गेट के नीचे चारों कोनों पर अमर जवान ज्योति हमेशा जलती रहती है जिसे वर्ष 1971 में भारत पाक युद्ध में भाग लेने वाले सैनिकों की याद में स्तापित किया गया था.
- क्या आप जानते है इंडिया गेट की नींव 1921 में ड्यूक ऑफ कनॉट ने रखी थी और इस स्मारक को बनने में पूरे 10 वर्षों का समय लगा था.
- इंडिया गेट को देखने के लिए भारतीय टूरिस्टो के साथ साथ विदेशी सैलानी भी इस द्वार पर आते है.
- शाम के समय इंडिया गेट के चारों ओर लगी रोशनियों से इसे जगमगा दिया जाता है.जिससे एक भव्य दृश्य बनता है जो हमारी आँखों को एक सुखद अहसास देता है.
- आप इस स्मारक के पास से राष्ट्पति भवन को भी निहार सकते है.

अब मछली नहीं उड़ती

बहुत पुरानी बात है। उन दिनों मछलियां तैरने के साथ उड़ भी सकती थीं। मछली का मन करता, तो वह दूर आसमान में जा उड़ती। तैरने का मन करता, तो नदी के अंदर चली जाती।
एक दिन बगुले का जोड़ा कहीं जा रहा था। बगुला मछली से बोला, हमारे अंडों का ध्यान रखना। हम किसी से मिलकर आते हैं।
दोपहर हुई, तो मोर ने मछली से कहा, मोरनी न जाने कहां चली गई? उसे ढूंढ़ने जा रहा हूं। हमारे अंडों का ध्यान रखना। उन सबके लौटने तक मछली ने अंडों का ध्यान रखा।
शाम हुई, तो चुहिया ने मछली से कहा, मैं घूमने जा रही हूं। मेरे बच्चे अकेले हैं। मछली पहरा देने लगी। चुहिया रात को लौटी। मछली जाने को हुई, तो गिलहरी ने आवाज लगाई, अमरूद पक गए होंगे, तो मुझे बताना।
मछली उड़ी और अमरूद के पेड़ के फल देख आई। फिर गिलहरी को बताया, अमरूद पक चुके हैं।
मछली जाने लगी, तो एक सांप ने पूछा, कहां जा रही हो?
मछली बोली, अब थक गई हूं। पानी में तैरने जा रही हूं।
सांप ने हंसते हुए कहा, आज की थकान तो दूर हो जाएगी। मगर कल क्या होगा?
मछली ने चौंकते हुए पूछा, मतलब?
सांप ने जवाब दिया, मतलब यह है कि हर कोई तुम पर रोब जमाता है। मोर, बगुले, चुहिया, गिलहरी तक तुम से अपना काम करा लेते हैं। क्यों?
मछली सोच में पड़ गई।
सुबह हुई। बगुले का जोड़ा मछली के पास आया और वही बात कहकर उड़ चला।
मछली को सांप की बात याद थी। उसने मुंह बनाया, हुंह! मैं नदी में तैरने जा रही हूं। शाम तक बाहर नहीं आऊंगी।
बस फिर क्या था। सांप को इसी पल का इंतजार था। बगुलों के वापस आने से पहले वह उनके अंडे खा चुका था।
दोपहर हुई, तो मोर ने मछली से कहा, मोरनी न जाने फिर कहां चली गई। मैं उसे ढूंढ़ने जा रहा हूं। अंडों का ध्यान रखना। मछली ने मोर की बात को अनसुना कर दिया। वह घने पेड़ के पीछे आराम करने लगी। सांप ने मोरनी के अंडों को भी चट कर डाला।

शाम हुई, तो चुहिया ने मछली को बुलाया। रोज की तरह वह टहलने चली गई। मछली उड़ी और आसमान में गायब हो गई। अब सांप चुहिया के बच्चों को निगल गया।
रात हुई, तो गिलहरी ने मछली से कहा, अमरूद पक गए हैं। मैं भी कुछ अमरूद खा आती हूं। मेरे बच्चों का ध्यान रखना। गिलहरी के जाते ही मछली ने नदी में गोता लगाया। वह तैरती हुई नदी के दूसरे तट पर जा पहुंची। सांप ने गिलहरी के बच्चों को भी अपना निवाला बना लिया।
सुबह हुई, तो सभी ने मछली को घेर लिया। बगुला आगबबूला होकर चिल्लाया, मेरे अंडे कहां हैं?
चुहिया और गिलहरी ने अपने बच्चों के बारे में पूछा। मछली ने जवाब दिया, मुझे क्या पता?
बगुले को गुस्सा आ गया। उसने मछली को दबोच लिया। मछली ने डरते-डरते सारा किस्सा सुनाया।
किस्सा सुनकर चुहिया बोली, एक सांप की बातों में आकर तुमने हमारा भरोसा तोड़ा है। मैं तुम्हें उड़ने लायक नहीं छोड़ूंगी। चुहिया ने मछली के पंख कुतर डाले। गिलहरी ने कहा, आज से तुम उड़ नहीं पाओगी। मछली नदी में जा छिपी। बगुला बोला, कहां जाती हो। मैं तुम्हें पानी में भी नहीं छोड़ूंगा। तभी से बगुला मछली की ताक में रहता है। वहीं मछली अब उड़ नहीं पाती है।

आसमान का राजा बाज

बादलों का सीना चीरकर उड़ने वाले पक्षी बाज के बारे में आप भली-भांति जानते होंगे. बाज एक ऐसा पक्षी है जो बादलों से भी ऊपर उड़ सकता है और इसके साथ ही यह पक्षी बहुत तेज रफ्तार से उड़ता है. उदाहरण के तौर पर बाज 380 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार तक उड़ सकता है.

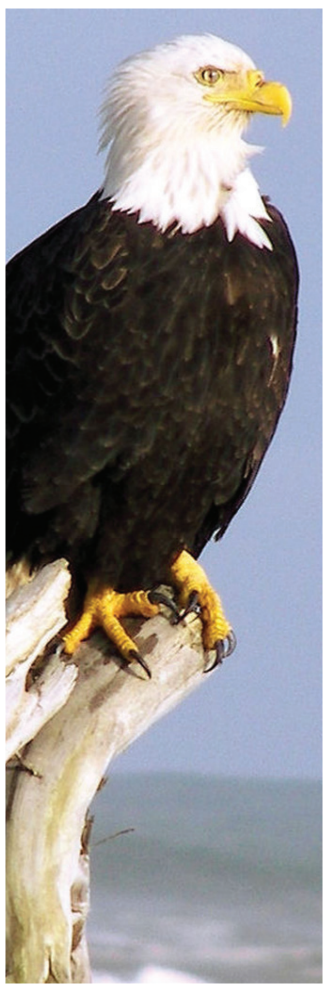

- बाज पक्षियों में सबसे बड़ा पक्षी होता है.
- बाज एक मांसाहारी पक्षी है.
- यह मुख्य रूप से भोजन में सांप, मछली, चूहा, मेंढक इत्यादि खाते है.
- बाज आसमान में बिना पंखों को हिलाएं हवा में अधिक समय तक उड़ सकता है.
- यह लगभग दुनिया के हर देश में पाया जाता है और दुनिया भर में इसकी 60 से अधिक प्रजातियां अभी तक खोजी जा चुकी है.
- यह पक्षी अकेले में जंगलों में पहाड़ियों के ऊपर रहना पसंद करता है.
- क्या आप जानते हैं जब भी पक्षियों के राजा की बात आती है तो उनमें बाज का नाम सबसे पहले लिया जाता है.क्योंकि यही एक मात्र ऐसा पक्षी है जो तेज रफ्तार के साथ ही शारीरिक रूप से भी सर्वाधिक शक्तिशाली माना जाता है.
- बाज मांसाहारी जीवो की श्रेणी में आता है और इसका जीवनकाल लगभग 40 वर्ष से लेकर 70 वर्ष का होता है.
- बाज तेजी से उड़ने और सतह पर चलने की लिए भी जाना जाता है. यह पक्षी सतह पर भी गजब की तेजी से दौड़ता है.
- बाज के शरीर की बनावट जैसे छाती की मजबूत मांसपेशियाँ , लम्बे पंख और स्ट्रीमलाइन आकार के फाल्कन सही मायने में इस पक्षी को गजब की रफ्तार देने के लिए ही बने है.
- बाज के शरीर की लंबाई 13 से 23 इंच तक हो सकती है तथा बाज क पंखो लंबाई 29 से 34 इंच तक होती है.इसके साथ ही मादा बाज का आकार नर बाज से बड़ा होता है.
- बाज के पसंदीदा शिकारो में चिड़िया, कबूतर, चूहा व बत्तख इत्यादि का शिकार ज्यादातर करता है.
- बाज आकाश में 12000 फीट की उंचाई तक उड़ान भर सकता है
- क्या आप जानते है बाज की अब तक लगभग 2000 प्रजाति खोजी जा चुकी है.
- अगर आप बाज को नहीं पहचानते तो इसे जानने के लिए नीली स्लेटी और उसी रंग के लम्बे नुकील पंखो और पेट पर सफेद एवं काले धब्बो से पहचाना जा सकता है.
- आपको जानकर हैरानी होगी द्वितीय विश्व युद्ध में कबूतरों द्वारा भेजे संदेशो को रोकने के लिए घुमन्तु बाज का इस्तेमाल किया जाता था.
- जंगलो में रहने वाले आदिवासी ज्यादातर छोटे -छोटे पक्षियों के शिकार के लिए बाज का सहारा लेते हैं.
- बाज एक ऐसा पक्षी है जो अंटार्टिका के इलावा समूचे विश्व में पाया जाता है.
- बाज ही एकमात्र ऐसा शिकारी पक्षी है जो शिकार के लिए इंसान के 2 साल के बच्चे को भी उठा कर ले जा सकता है.
- मादा बाज 1 से लेकर 3 अंडे देती है और लगभग बाज 34 से 36 दिनों तक अण्डों पर बैठती है जिसके बाद अण्डों में से बच्चे बाहर निकल आते हैं
- क्या आप जानते है एक स्वस्थ बाज 6 किलोग्राम वजन को उठा कर हवा में उड़ सकता है.
- जिस तरह बाज तेजी का प्रतिक माना जाता है ठीक इसी प्रकार बाज के बच्चे का भी बहुत तेजी से विकास होता हैं यह 6 सप्ताह में 3-4 किलो हो जाता हैं.
- बाज की नजर भी बहुत तेज होती है उदाहरण के तोर पर यह अपने शिकार को 5 किलोमीटर की दूरी पर भी देख लेता है.

बाज आसमान में लगभग 12000 फीट ऊंचा उड़ सकता है यह बारिश के दिनों में हमेशा बादलों के ऊपर उड़ता है शायद इसीलिए इसे आसमान का राजा भी कहा जाता है. बाज हवा में एक जगह मंडरा सकते हैं जैसे एक पतंग हवा में एक जगह उड़ती रहती है.एक वैज्ञानिक शोध के अनुसार बाज की नजर बहुत तेज होती है यह अपने शिकार को 5 किलोमीटर दूर से ही देख सकता है साथ ही इनकी आंखों में इन्फ्रारेड सिस्टम विकास हो गया है जिसकी वजह से यह है शिकार के शरीर से निकलने वाली गर्मी को पहचान कर उसका शिकार कर सकता है.बाज की नजर का अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि बाज को आसमान से ही पानी में तैरती हुई मछली दिखाई दे जाती है और बाज पानी में गोता लगाकर मछली को पकड़ सकता है.
बाज की चोंच एक अलग तरह से बनी होती है इनकी चोच 90 डिग्री के कोण पर मुड़ी हुई होती है चोच के दोनों तरफ एक छोटा दांत बाहर निकला हुआ होता है.यह अपने शिकार को देखते हैं लगभग 200 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से शिकार की तरफ बढ़ते है.और जैसे ही कोई मेंढक या चूहा पकड़ते है तो उसकी गर्दन पर ऐसी जगह पर वार करते है जिससे उसका नर्वस सिस्टम काम करना बंद कर देता है. जिसे शिकार मुकाबला नहीं कर पाता है और मारा जाता है.बाज अपने से दो गुना बड़े शिकार को पकड़ सकता है, कभी-कभी यह अपने से इतने बड़े शिकार को पकड़ लेते हैं कि एक बार में उसे खा भी नहीं पाते है.क्थद्दद्दद्ध शिकार करके अपने भोजन को ऊंची पहाड़ियों में बने अपने घोसलों में छोड़ देते है. और बाद में जब इन्हें भूख लगती है तब यह उस शिकार को आ कर खा लेते है.बाज की आंखें अपने शिकार को बिना पलक झपकाए अधिक समय तक देख सकती हैं इसी कारण ये अपने शिकार से कम ही चुकते है. बाज एक मांसाहारी पक्षी होता है इसका भोजन सांप, मछली, मेंढक, खरगोश, चूहे और छोटे पक्षी होते है. यह पक्षी लगभग पूरी दुनिया में ही पाया जाता है यह ज्यादातर ऊंची पहाड़ियों और चट्टानों पर अपना घोंसला बनाते है लेकिन ज्यादातर बाज पक्षी दूसरे पक्षियों के घोंसलों पर कब्जा करके यह रहते है.विश्व भर में इसकी 60 से भी अधिक प्रजातियां पाई जाती है.एक वयस्क बाज का वजन लगभग 10 किलो तक हो सकता है.इसके फल का आकार में बहुत बड़े और पतले होते हैं जिसके कारण यह ज्यादा देर तक हवा में उड़ पाते है.मादा बाज पक्षी साल में एक बार 3 से 4 अंडे देती है और जब तक उनमें से उसके बच्चे नहीं निकल आते है वह उनके ऊपर बैठी रहती है. बाज के बच्चे अंडे में से औसतन 35 से 40 दिनों के अंदर बाहर निकल आते है.एक बाज की औसतन आयु 60 से 70 वर्ष होती है.उनके पंख और सोच लगातार बढ़ती रहती है इसलिए जैसे-जैसे यह व्यस्त होते है. इन्हें अपनी चोच से भोजन खाने में दिक्कत होने लगती है इसीलिए यह चट्टानों पर जाकर अक्सर अपनी चोच घिसते रहते है.इनके पंजों की बात करें तो पैर के पंजे बहुत ही ताकतवर और नुकीले होते हैं जिससे यह किसी भी सांप या मछली को अगर एक बार पकड़ ले तो उसके बाद छोड़ते नहीं है.यह पक्षी ज्यादातर अकेले रहना ही पसंद करता है.

प्रति सेकंड 130 फ्रेम देख सकता है पेरग्रिन बाज

पशु-पक्षियों की दुनिया में पेरग्रिन बाज की दृष्टि सबसे तेज होती है। एक अध्ययन के अनुसार, दुनिया के सबसे सामान्य परभक्षी पक्षियों में शुमार यह बाज एक सेकंड में लगभग 130 फ्रेम देख सकता है। स्वीडन की लुंड यूनिवर्सिटी सहित कई शोधकर्ताओं का कहना है कि इसकी तुलना में इंसान प्रति सेकंड अधिकतम 50-60 फ्रेम ही देख पाते हैं। उन्होंने कहा कि कोई शख्स मूवी थिएटर में बतौर फिल्म प्रति सेकंड 25 छवियों की गति ही देख सकता है। वह भी उसे छवियों की शृंखला के रूप में नहीं देख सकता है। जर्नल ऑफ एक्सपेरिममेंटल बायोलॉजी में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार, पेरग्रिन बाज की दृष्टि सबसे तीव्र होती है। तेज प्रकाश वाले वातावरण में उसकी दृष्टि 129 एचजेड (प्रति सेकेंड पलक झपकाना) होती है। इन्हीं परिस्थितियों में सेकर बाज 102 एचजेड और हैरिस की देखने की क्षमता 77 एचजेड होती है। ऐसा पहली बार है, जब वैज्ञानिकों ने परभक्षी पक्षियों की दृष्टि की गति का अध्ययन किया है। इसके लिए उन्होंने यह गणना की कि वे कितने दृश्यों का अनुभव कर सकते हैं। अध्ययन के सह लेखकों में एक लुंड यूनिवर्सिटी के एल्मट केल्बर ने कहा, 'मेरे सहयोगी साइमन पोटियर और मैंने सेकर और हैरिस प्रजाति के बाजों का अध्ययन किया। इस दौरान यह भी गणना की कि ये कितनी तेज रोशनी में झपकी ले सकते हैं।' शोधकर्ताओं ने कहा कि परभक्षी पक्षियों की नजर शिकार की जरूरत के हिसाब से हरकत करती है। आमतौर पर बाज तेज गति से उड़ने वाली पक्षियों का शिकार करते हैं और अपनी तीव्र दृष्टि से उन पक्षियों के सचेत होने से पहले ही उन्हें पकड़ लेते हैं।

350 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से शिकार करता है

शोधकर्ताओं ने बताया कि हैरिस नामक बाज के पास अत्यधिक ऊंचाइयों पर शिकार करने के लिए बहुत तेज दृष्टि नहीं होती है, क्योंकि वह जमीन पर छोटे और धीमी गति वाले जानवरों का शिकार करते हैं। शोधकर्ताओं के अनुसार, पेरग्रिन बाज के पास अलग-अलग दृश्यों में खुद की दृष्टि को समायोजित करने की क्षमता होती है, क्योंकि यह एक फॉर्मूला वन रेसिंग कार की गति यानी 350 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से अपने शिकार पर हमला बोलती है।

पिंजरे में रखे गए पक्षियों की स्थिति समझने में मिलेगी मदद

यह अध्ययन छोटे कीटों को खाने वाली पक्षियों की देखने की क्षमता का पता लगाने के लिए किया गया है। शोधकर्ताओं ने का कहना है कि बाजों के शिकार की कला यह भी बताती है कि परभक्षी पक्षियों की दृष्टि बहुत तीव्र होती है। शोधकर्ताओं के अनुसार, इस अध्ययन से मिली नई जानकारी से कैद में रखे गए पक्षियों की स्थिति को बेहतर तरीके से समझने में मदद मिलेगी।

अजीब है कस्तूरी बैल

बैल के बारे में आप लोग तो कुछ न कुछ जानते ही होंगे। लेकिन आप लोगों को आज एक ऐसे बैल के बारे में बताते हैं, जिसके बारे में शायद ही आप लोग जानते हों। यह बैल है कस्तूरी बैल। है न रोचक बात! आप लोग मस्क डीयर यानी कि कस्तूरी हिरण के बारे में जानते होंगे, लेकिन कस्तूरी बैल के बारे में नहीं। यह बैल भले ही अपने यहां नहीं पाया जाता, लेकिन यह कुछ एक देशों में पाया जाता है।

कस्तूरी बैल बिल्कुल याक जैसा दिखता है। यह वृक्षहीन टुन्ड्रा प्रदेश और आर्कटिक प्रदेशों का निवासी है। पूर्वी अलास्का से लेकर उत्तरी कनाडा तक और ग्रीनलैंड में पाया जाता है।इसकी दो प्रजातियां होती हैं। एक ग्रीनलैंड मस्क ऑक्स या व्हाइट फेस्ड मस्क ऑक्स। दूसरी प्रजाति केनेडियन हाई-आर्कटिक मस्क ऑक्स होती है।

दिखता है याक जैसा

यदि आप इसे दूर से देखो तो आप को भ्रम हो जाएगा। आपको लगेगा कि यह याक है, लेकिन ऐसा होता नहीं है। इसका शरीर काफी गठीला होता है। उस पर फर की दोहरी परत होती है। बाहरी परत लम्बे-लम्बे फर वाली होती है। कभी-कभी इसके बाल इतने लम्बे होते हैं कि जमीन को भी छूने लगते हैं। इनके मोटे फरों का रंग गहरा भूरा होता है। इनके फर ही बर्फीले आर्कटिक की शीत लहरों में ठंड से बचाव करते हैं। इनके बाल भेड़ के बालों की तरह ऊन बनाने के काम आते हैं। इनके फर गर्मी के मौसम में झड़ने लगते हैं।

विशालकाय शरीर

इसके कंधों पर कूबड़ होता है। इसके सींग लम्बे,चौड़े और मुड़े हुए होते हैं। इसके खुर बैलों से काफी बड़े होते हैं। इसके विशालकाय शरीर का वजन 200 किलोग्राम से 400 किलोग्राम तक हो सकता है, जबकि शरीर की लम्बाई छह फुट से साढ़े सात फुट के मध्य होती है और ऊंचाई पांच फुट तक होती है। इसके गठीले शरीर के कारण ही शिकारी जानवर जल्दी हमला नहीं कर पाते। ये अक्सर झुंड में ही रहते हैं, इसलिए शिकारी जानवरों पोलर बीयर, आर्कटिक फॉक्स और आर्कटिक भेड़ियों से अपनी रक्षा कर लेते हैं।

नहीं खाता मांस

आप लोग सोच रहे होंगे कि बर्फ में रहने की वजह से इसका भी भोजन मांस होगा, लेकिन ऐसा नहीं है। यह बिल्कुल भी मांसाहारी नहीं है। घास, आर्कटिक फूल, मरकट और बहुत प्रकार की वनस्पति खाता है। वैसे इसे 'विलो प्लांट' खाना ज्यादा अच्छा लगता है। यह अपना भोजन चबाता नहीं है, बल्कि उसे निगल जाता है।

जसप्रीत बुमराह ने लिए 9 विकेट, बने प्लेयर ऑफ द मैच, लेकिन फिर भी इस मामले में रह गए नाकाम!

नई दिल्ली. इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में टीम इंडिया को जीत हासिल हुई. भारतीय टीम 106 रनों से मैच जीती और इस तरह सीरीज 1-1 से बराबरी पर रही. टीम इंडिया की जीत में यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल का बड़ा योगदान रहा. जायसवाल ने पहली पारी में दोहरा शतक लगाया. वहीं गिल ने दूसरी पारी में सेंचुरी ठोकी. लेकिन जसप्रीत बुमराह ने भी जीत में गजब योगदान दिया. इस तेज गेंदबाज ने मैच में 9 विकेट हासिल किए. बुमराह ने पहली पारी में 6 और दूसरी पारी में 3 विकेट हासिल किए और इस बेहतरीन परफॉर्मेंस के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच हासिल हुआ. हालांकि इस परफॉर्मेंस के बीच वो एक रिकॉर्ड अपने नाम करने से चूक गए और ये नाकामी उन्हें तीन साल पहले भी मिली थी.

किस चीज में नाकाम हुए बुमराह

जसप्रीत बुमराह ने इंग्लैंड के खिलाफ कुल 91 रन देकर 9 विकेट हासिल किए. ये इंग्लैंड के खिलाफ उनके बेस्ट आंकड़े हैं. इससे पहले साल 2023 में उन्होंने नॉटिंघम टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ 110 रन देकर 9 विकेट हासिल किए थे. वैसे इतनी बेहतरीन परफॉर्मेंस के बावजूद वो चेतन शर्मा का बड़ा रिकॉर्ड नहीं तोड़ पाए. इंग्लैंड के खिलाफ मैच में 10 विकेट लेने का रिकॉर्ड चेतन शर्मा के नाम है जो कि उन्होंने 1986 में एजबेस्टन टेस्ट में बनाया था. बुमराह दो बार इस रिकॉर्ड के करीब पहुंचे और दोनों ही बार वो एक विकेट से चूक गए.

बुमराह ने दिखाई जीत की राह

इसमें कोई दो राय नहीं है कि जायसवाल और गिल ने कमाल का प्रदर्शन किया लेकिन वो जसप्रीत बुमराह थे जिन्होंने इस मैच का रुख टीम इंडिया की ओर मोड़ा. वो बुमराह ही थे जिनके दम पर टीम इंडिया को पहली पारी में विशाल बढ़त हासिल हुई. इंग्लैंड की टीम पहली पारी में सिर्फ 253 रनों पर ढेर हो गई.

बुमराह नहीं देखते पिच

जसप्रीत बुमराह ने भारतीय सरजमीं पर अपनी कामयाबी की बड़ी वजह बताई. इस खिलाड़ी ने बताया कि वो पिच और कंडिशंस के हिसाब से अपना प्लान तैयार करते हैं और फिर उसी के हिसाब से तैयारी करते हैं. यही वजह है कि बुमराह को भारतीय पिचों पर भी कामयाबी हासिल होती है. इस टेस्ट सीरीज में भी वो 2 मुकाबलों में 15 विकेट ले चुके हैं.

रोहित शर्मा ने इंग्लैंड पर जीत के साथ रचा इतिहास, इस मामले में अब धोनी छूटे पीछे

नई दिल्ली. टीम इंडिया ने विशाखापट्टनम टेस्ट में इंग्लैंड को हरा दिया है. भारत ने 106 रन के बड़े अंतर से अपनी जीत की स्क्रिप्ट लिखी. भारत की इस जीत के साथ ही 5 टेस्ट मैचों की सीरीज अब 1-1 की बराबरी पर आकर खड़ी हो गई है. ये रोहित शर्मा की कप्तानी में खेले 13 टेस्ट में मिली 7वीं जीत है मगर इसका स्वाद पिछली 6 जीतों से जुदा है. अब आप कहेंगे कि भला वो कैसे? तो वो इस वजह से क्योंकि इस जीत के जरिए भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने इतिहास रचा है. विशाखापट्टनम की जीत इतनी खास है कि इसकी बदौलत अब धोनी भी रोहित से पीछे छूट चुके हैं.

सबसे पहले बात रोहित शर्मा के रचे इतिहास की करते हैं. रोहित

ने इतिहास की स्क्रिप्ट इंग्लैंड को हराते हुए लिखी. दरअसल, रोहित अब पहले ऐसे एशियाई कप्तान बन चुके हैं, जिन्होंने इंग्लैंड को उसके बैजबॉल युग में कोई टेस्ट मैच हराया है.

रोहित ने रचा इतिहास, धोनी छूटे पीछे

रोहित शर्मा ने इंग्लैंड को हराकर इतिहास रचा तो एमएस धोनी भी पीछे छूट गए. रोहित अब धोनी से ज्यादा जीते हुए इंटरनेशनल मुकाबलों में भारतीय टीम का हिस्सा रहे हैं. धोनी जहां भारतीय टीम के साथ 295 जीते मैचों में जुड़े रहे. वहीं इंग्लैंड के खिलाफ वाइजैग में जीता मैच, रोहित का 296वां रहा. इस मामले में भारतीय रिकॉर्ड विराट कोहली के नाम हैं, जो 313 जीते गए मैचों में अब तक भारतीय टीम के साथ रहे हैं.

क्या भारत इस साल जीत पाएगा टी20 WC?

गैरी कर्स्टन ने दिया परफेक्ट जवाब

टीम इंडिया के पूर्व हेड कोच गैरी कर्स्टन ने कहा है कि भारतीय टीम इस साल आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप जीत सकती है और वर्ल्ड कप जीतने के मामले में आने वाले समय में ऑस्ट्रेलिया की बराबरी कर सकती है।

साउथ अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर और टीम इंडिया के हेड कोच रह चुके गैरी कर्स्टन ने कहा कि किसी ने भी नहीं सोचा होगा कि 2011 वर्ल्ड कप जीतने के बाद टीम इंडिया को अगली वर्ल्ड कप ट्रॉफी के लिए इतना लंबा इंतजार करना पड़ेगा। 2011 में कर्स्टन हेड कोच थे और महेंद्र सिंह धोनी कप्तान थे। इन दोनों की जोड़ी की अगुवाई में भारत ने खिताब अपने नाम किया था। इसके बाद टीम इंडिया ने 2013 में चैम्पियंस ट्रॉफी अपने नाम की थी, लेकिन इसके बाद से आईसीसी ट्रॉफी के मामले में टीम इंडिया की झोली खाली ही रही है। कर्स्टन ने हालांकि कहा कि इस साल होने वाले आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप का खिताब टीम इंडिया अपने नाम कर सकती है।भारतीय टीम के साथ 2008 से 2011 तक हेड कोच रहे कर्स्टन ने कहा, मुझे नहीं लगता कि वर्ल्ड कप जीतना आसान है। कतई नहीं। ऑस्ट्रेलिया ने जरूर दूसरी टीमों की तुलना में इसमें महारत हासिल कर ली है लेकिन भारत भी वर्ल्ड कप में सफलता के शिखर तक पहुंचने में सक्षम है।%उन्होंने कहा, मुझे इसमें कोई हैरानी नहीं होगी अगर भारतीय टीम जल्दी ही इस कमी को पूरा करती है। यह पूछने पर कि क्या पिछले साल अपनी सरजमीं पर फाइनल में मिली नाकामी के बाद भारत वेस्टइंडीज और अमेरिका में इस साल होने वाले टी20 वर्ल्ड कप में पिछले एक दशक से अधिक समय से चला आ रहा इंतजार खत्म कर सकता है, उन्होंने कहा, बेशक, भारत वर्ल्ड कप जीतने में सक्षम है क्योंकि उसके पास ऐसा करने का माद्दा रखने वाले खिलाड़ी हैं। लेकिन वर्ल्ड कप जीतने के लिये बहुत कुछ सही होना जरूरी है खासकर नॉकआउट मैचों में जिनमें कुछ भी संभव है।

इस तरह वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट को रखा जा सकता है जिंदा

अपने करियर में 185 वनडे मैचों में 6798 रन बना चुके कर्स्टन का मानना है कि 50 ओवरों के क्रिकेट को जिंदा बनाये रखने के लिए प्रासंगिकता जरूरी है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हर वनडे मैच में प्रासंगिकता होनी चाहिए। मुझे तीन या चार देशों के वनडे टूर्नामेंट पसंद हैं, लेकिन कई बार द्विपक्षीय सीरीज अप्रासंगिक हो जाती हैं। मैं चाहता हूं कि हर साल वनडे में एक वर्ल्ड चैम्पियन मिले।

पॉइंट सिस्टम या जिस तरीके से भी लेकिन प्रतिस्पर्धा जरूरी है।इस 56 वर्षीय कोच ने कहा, हाल ही में भारत में वनडे वर्ल्ड कप हुआ जिसे लोगों ने बहुत पसंद किया। मैंने भी कुछ मैच देखे जो रोमांचक थे। इस फॉर्मेट में मैंने काफी क्रिकेट खेली है और यह शानदार फॉर्मेट है।क्लब वर्सेस देश विवाद पर उन्होंने कहा कि फ्रेंचाइजी क्रिकेट इस मायने में जरूरी हैं क्योंकि यह इंटरनेशनल क्रिकेट नहीं खेल पाने वाली प्रतिभाओं को उनके सपने पूरे करने के लिए मंच दे रहा है।

शुभमन गिल पर आई बुरी खबर, ग्राउंड में आना तक हुआ मुश्किल

नई दिल्ली. विशाखापत्तनम टेस्ट के चौथे दिन टीम इंडिया के लिए आई खबर कुछ अच्छी नहीं रही. इस खबर ने टीम इंडिया की चिंता बढ़ा दी. टेंशन इसलिए भी हो रही है क्योंकि मामला शुभमन गिल से जुड़ा है. शुभमन गिल ने दूसरी पारी में शतक जमाया, जिसकी बदौलत भारतीय टीम ने इंग्लैंड के सामने 399 रन का लक्ष्य रखा. लेकिन, इस स्कोर को डिफेंड करने जब चौथे दिन टीम इंडिया मैदान पर उतरी तो सारे खिलाड़ियों में शुभमन गिल नहीं दिखे. पता चला उन्हें चोट लगी है,

जिसके चलते उनका ग्राउंड पर उतरना तक मुश्किल है.

अब सवाल है कि शुभमन गिल को इंजरी कब हुई? उन्हें चोट कब लगी, जिसके चलते उनका मैदान पर उतर पाना भी मुश्किल हो गया? तो बता दें कि ये चोट उन्हें इसी टेस्ट के दूसरे दिन के खेल में तब लगी थी, जब वो फील्डिंग कर रहे थे. गिल को चोट उनके दाएं हाथ की उंगली में लगी है, जिसके दर्द को बर्दाश्त करते हुए उन्होंने दूसरी पारी में बल्लेबाजी तो की, यहां तक कि शतक भी जड़ा, लेकिन चौथे दिन मैदान से बाहर हो गए.

शुभमन गिल की जगह मैदान पर सरफराज खान

अब सवाल है शुभमन गिल नहीं तो कौन? मतलब वो अगर मैदान पर फील्डिंग करने नहीं उतरे, तो उनकी जगह किसने ली? तो इस सवाल का जवाब हैं सरफराज खान. विशाखापत्तनम टेस्ट के चौथे दिन जब टीम इंडिया 399 रन के टारगेट करने मैदान पर उतरी है.

बेन स्टोक्स की तेजी पर भारी पड़ी श्रेयस अय्यर की फुर्ती, डायरेक्ट थ्रो से किया हैरतअंगेज रनआउट

नई दिल्ली. इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स तेजी से रन दौड़ने के लिए जाने जाते हैं। लेकिन सोमवार को इंडिया वर्सेस इंग्लैंड दूसरे टेस्ट की दूसरी पारी में में स्टोक्स की तेजी पर श्रेयस अय्यर की फुर्ती भारी पड़ी। अय्यर ने विशाखापट्टनम में डायरेक्ट थ्रो से स्टोक्स को रनआउट किया। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। स्टोक्स ने 29 गेंदों का सामना करने के बाद 11 रन बनाए। उन्होंने एक चौका लगाया। बता दें कि स्टोक्स ने विशाखापट्टनम टेस्ट की पहली पारी में अय्यर का दौड़कर अद्भुत कैच लपका था। वहीं, अय्यर ने दूसरी पारी में स्टोक्स को हैरतअंगेज रूप से पवेलियन की राह दिखाई। बेन फॉक्स ने रविचंद्रन अश्विन द्वारा डाले गए 53वें ओवर की चौथी गेंद को स्क्वायर लेग की दिशा में खेला और सिंगल के लिए निकल गए। इसके बाद, स्टोक्स ने स्ट्राइकर एंड की ओर दौड़ लगाई। स्टोक्स कुछ सुस्त नजर आए। उन्हें लगा कि आसानी से क्रीज में पहुंच जाएंगे लेकिन अय्यर ने गजब की फुर्ती दिखाई। उन्होंने गेंद को पकड़ते ही फेंक दिया। स्टोक्स का बल्ला लाइन पर ही पहुंचा था कि गेंद से स्टंप्स हिल दिए।

स्टोक्स सातवें विकेट के तौर पर पवेलियन लौटे। इंग्लैंड ने 399 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 220 पर सात विकेट खोए। इंग्लैंड ने सधी हुई शुरुआत की, जैक क्रॉली (73) और बेन डकेट (28) ने पहले विकेट के लिए 50 रन जोड़े। अश्विन ने डकेट के अलावा ओली पोप (23) और जो रूट (16) जै से खिलाड़ियों का शिकार किया। क्रॉली को कुलदीप यादव ने एलबीडब्ल्यू किया। जसप्रीत बुमराह ने जॉनी बेयरस्टो (26) और अक्षर पटेल ने रेहान अहमद (23) को अपने जाल में फंसाया।

अफगानिस्तान की वनडे टीम का ऐलान, राशिद खान अभी भी हैं टीम से बाहर

नई दिल्ली. अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड यानी एसीबी की राष्ट्रीय चयन समिति ने श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे इंटरनेशनल सीरीज के लिए अफगानिस्तान की टीम का ऐलान कर दिया। 9 से 14 फरवरी तक कैंडी के पल्लेकेल इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेली जाने वाली इस सीरीज में भी राशिद खान नजर नहीं आएंगे। बैक इंजरी की सर्जरी करा चुके राशिद खान को इस टीम में जगह नहीं दी गई है, क्योंकि वे इस चोट से उबर रहे हैं। राशिद खान की अनुपस्थिति में लेग स्पिनर के तौर पर कैस अहमद को टीम में जोड़ा गया है। इसके अलावा हाल ही में श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट

डेब्यू करने वाले नवीद जादरान को भी श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए टीम में शामिल किया गया है। तेज गेंदबाज मोहम्मद सलीम सफी, जिन्होंने हाल ही में भारत के विदेशी दौरे में भाग लिया था और साथ ही श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था, मांसपेशियों में खिंचाव के कारण वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं।

एसीबी के सीईओ नसीब खान द्विपक्षीय क्रिकेट में अफगानिस्तान के खिलाड़ियों की लगातार भागीदारी से खुश हैं और भविष्य में और अधिक मैचों की व्यवस्था करने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने कहा, हमने लगातार अधिक द्विपक्षीय क्रिकेट मैच सुनिश्चित करने और अपनी राष्ट्रीय टीमों के लिए एक व्यस्त कार्यक्रम बनाने का प्रयास किया है। पिछले 16 महीनों में यह श्रीलंका की हमारा तीसरी दौरा है, जो आगे बढ़ने के लिए एक आशाजनक संकेत है।

शास्त्री के चेताने के बाद गिल ने जड़ी सेंचुरी तो युवराज हो गए गदगद, बोले- अब बल्ले को ही...

रवि शास्त्री ने हाल ही में शुभनन गिल की आलोचना की थी। उन्होने कहा कि भूलिए मत चेतेश्वर पुजारा इंतजार कर रहा है। शास्त्री के चेताने के बाद गिल ने सेंचुरी ठोकी है। ऐसे में युवराज सिंह गदगद हैं।

नई दिल्ली. टेस्ट क्रिकेट में 11 महीने तक खराब फॉर्म से जूझने के बाद शुभमन गिल का बल्ला बोल उठा है। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ विशाखापट्टनम में जारी दूसरे टेस्ट की दूसरी पारी में शानदार जमाया। गिल के बल्ले से 147 गेंदों में 104 रन निकले। उन्होंने 11 चौके और 2 छक्के लगाया। पिछले काफी समय से गिल की आलोचना हो रही थी। टीम इंडिया के पूर्व हेड कोच और मशहूर कमेंटेटर रवि शास्त्री ने विशाखापट्टनम टेस्ट की पहली पारी में गिल 34 के निजी स्कोर पर आउट होने के बाद चेताया था।शास्त्री ने कमेंट्री के दौरान युवा खिलाड़ियों को अपना स्थान जल्द से जल्द पक्का करने की सलाह देते हुए कहा, ये अभी नई टीम है, युवा है। इन युवाओं को अपने आपको साबित करना होगा। भूलिए मत चेतेश्वर पुजारा इंतजार कर रहा है। वह रणजी ट्रॉफी में मेहनत कर रहा और हमेशा रडार पर है। ये टेस्ट मैच है। आपको वहां रहना होगा। वरना आपको इस तरह की समस्या होगी। बता दें कि पुजारा वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल 2023 के बाद से भारतीय टेस्ट टीम से बाहर चल रहे हैं। वह रणजी में 500 से अधिक रन बना चुके हैं।वहीं, पूर्व दिग्गज भारतीय ऑलराउंडर युवराज सिंह ने गिल की सेंचुरी की तारीफ की। उन्होंने इशारों-इशारों में आलोचकों को जवाब दिया। युवराज ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, एक बार फिर मौके पर अच्छी संतुलित पारी खेली। शतकीय पारी देखकर अच्छा लगा। शानदार खेले। अब बल्ले को बोलने दो। यह 13 पारियों में गिल का पहला 50 से अधिक रन का स्कोर है। उन्होंने टेस्ट करियर का तीसरा और नंबर पर तीन पर खेलते हुए पहली बार शतक लगाया।

गिल की सेंचुरी की बदौलत भारत ने इंग्लैंड के सामने 399 रन का टारगेट रखा है। उन्होंने कहा, तीसरे नंबर पर रन बनाना मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण और बहुत संतोषजनक था। बहुत अच्छा लगा, खासकर उस समय जब हमने यशस्वी और रोहित के विकेट गंवा दिए थे। उन्होंने कहा, हमारे लिए बड़ी बढ़त लेना और जितने ज्यादा हो सके रन जुटाना काफी अहम था। गिल अपनी पारी के दौरान दो बार डीआरएस में भी बचे। उन्हें पता है कि टीम की उनसे काफी उम्मीदें लगी हैं जिससे उन्होंने शतक जड़ने के बाद जश्न भी शांत तरीके से मनाया। उन्होंने कहा, यह अच्छा लगा। मुझे लगा कि टीम के लिए काम नहीं हुआ है। इसलिये मैंने ज्यादा तेजी से जश्न नहीं मनाया।

जिसे कहते थे 'स्विंग का नया सुल्तान', अब कहां गया टीम इंडिया का वो सितारा?

नई दिल्ली. भारत और इंग्लैंड की टेस्ट सीरीज़ के शुरुआती दो मैच में सिर्फ जसप्रीत बुमराह ही ऐसे तेज़ गेंदबाज़ हैं जो चमक पाए हैं. पहले मैच में मोहम्मद सिराज हो या फिर दूसरे मैच में मुकेश कुमार, दोनों ने स्ट्रगल करते हुए नज़र आए हैं.

जो बताता है कि टीम इंडिया किस तरह मोहम्मद शमी को मिस कर रही है और एक अन्य पेसर की तलाश में है.टीम इंडिया का एक ऐसा ही पेसर अभी टीम से बाहर चल रहा है, जिसे कभी स्विंग का नया सुल्तान कहा जाता था. यहां बात तेज़ गेंदबाज़ भुवनेश्वर कुमार की हो रही है, जो लंबे वक्त से टीम इंडिया से बाहर चल रहे हैं. 34 साल के हो रहे भुवनेश्वर कुमार का 5 फरवरी को जन्मदिन होता है.

6 साल पहले खेला था आखिरी टेस्ट

भुवनेश्वर कुमार ने भारत के लिए कोई आखिरी टेस्ट मैच साल 2018 में खेला था, जबकि कोई आखिरी इंटरनेशनल मैच साल 2022 में खेला था. इसके बाद भुवनेश्वर कुमार चोटिल हो गए थे और अब कुछ वक्त पहले ही उन्होंने मैदान पर वापसी की है, हालांकि टीम इंडिया में उनकी वापसी मुश्किल ही लगती है.

अगर भुवनेश्वर कुमार का रिकॉर्ड देखें तो वो काफी दमदार है, उन्होंने भारत के लिए 21 टेस्ट मैच खेले हैं जिनमें उनके नाम 63 विकेट हैं. जबकि 121 वनडे में 141, 87 टी-20 में 90 विकेट उनके नाम हैं. भुवनेश्वर कुमार की खासियत शुरुआती ओवर्स में बॉल को स्विंग कराना, साथ ही कम रन देकर विरोधी टीम को शुरुआती झटका देना उनका मुख्य फोकस रहा.भुवनेश्वर कुमार ने जब साल 2012 में अपना डेब्यू किया था, तब उनकी स्विंग बॉलिंग ने काफी नाम कमाया था और वो टीम इंडिया के प्राइम बॉलर बन गए थे.

हालांकि अक्सर उनकी कम स्पीड को लेकर आलोचना भी हुई थी, ना सिर्फ इंटरनेशनल क्रिकेट बल्कि आईपीएल में भी भुवनेश्वर कुमार उन बॉलर्स में शामिल हैं जिनका इकॉनोमी रेट काफी कम का रहा है.

अभी भुवनेश्वर कुमार यूपी के लिए रणजी ट्रॉफी खेल रहे हैं, यहां वो सिर्फ दो मैच में ही 13 विकेट झटक चुके हैं. साथ ही उन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी में भी 5 मैच में 11 विकेट झटके थे, ऐसे में फैन्स ने मांग की थी कि भुवी को बतौर तीसरे पेसर टीम में जगह देनी चाहिए.

प्रियंका चोपड़ा

की दो साल की बेटी मालती ने पापा निक जोनस संग ली सेल्फी, क्यूटनेस पर फिदा हुए फैंस ने लुटाया प्यार

ग्लोबल एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा आज किसी पहचान की मोहताज नहीं है। बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड तक प्रियंका ने अपनी एक्टिंग का दम दिखाया है। प्रियंका प्रोफेशनल लाइफ के साथ अपनी पर्सनल लाइफ को भी बैलेंस करना अच्छे से जानती हैं। वो अपने पति निक जोनस और बेटी मालती मेरी जोनस के साथ अपनी लाइफ को खुल कर जीना पसंद करती हैं। अक्सर उन्हें और निक को मालती के साथ क्वालिटी टाइम बिताते देखा जाता है। निक प्रियंका की बेटी इसी साल जनवरी में दो साल की पूरी हो गई हैं। ऐसे में अब निक जोनस ने अपनी बेटी मालती मेरी की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर की है, जो लोगों का ध्यान खींच रही है। इस तस्वीर पर फैंस जमकर प्यार लुटा रहे हैं।

निक ने शेयर की बेटी संग प्यारी फोटो

निक जोनस ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर रविवार को एक तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में निक संग उनकी प्यारी लाडली बेटी मालती मेरी जोनस भी नजर आ रही हैं। फोटो में आप देख सकते हैं कि निक का पूरा फेस नजर आ रहा है, लेकिन मालती का आधा चेहरा दिखाई दे रहा है। तस्वीर में निक ब्लैक कलर की टीशर्ट कैरी की है। निक जोनस ने इस फोटो के साथ कैप्शन लिखा है, मालती मेरी ने ली मॉर्निंग सेल्फी। इसके साथ रेड कलर हार्ट इमोजी बनाया है। आप देख सकते हैं कि प्रियंका चोपड़ा और निक की बेटी मालती इतनी समझदार हो गई हैं कि वो खुद फोन से सेल्फी लेने लगी हैं।

फैंस ने लुटाया जमकर प्यार

निक जोनस और प्रियंका चोपड़ा की बेटी मालती मेरी की से तस्वीर सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है। इस तस्वीर में मालती की क्यूटनेस फैंस का दिल जीत रही है। अब तक इस तस्वीर को लाखों व्यूज मिल चुके हैं। इस पर कमेंट करते हुए एक यूजर ने लिखा है, सुपर क्यूट। एक दूसरा फैन लिखता है, क्यूटेस्ट गर्ल। एक ने लिखा, सेल्फी क्वीन तो ने मालती के लिए लिखा, कितनी प्यारी है। ऐसे कई सारे कमेंट्स मालती की इस तस्वीर पर आ रहे हैं।

कैसे चलेगा बेटी राशा का करियर? डेब्यू से पहले रवीना टंडन ने खोल दिया राज

बॉलीवुड एक्ट्रेस रवीना टंडन की बेटी राशा ठडानी सोशल मीडिया पर अक्सर ही लाइमलाइट में बनी रहती हैं. आए दिन एक साथ मां-बेटी की तस्वीरें सामने आती रहती हैं. रवीना तो लगभग पिछले 31 सालों से बॉलीवुड में काम कर रही हैं और उन्होंने इंडस्ट्री में एक बड़ा मुकाम हासिल किया है. अब उनके हर फैंस को उनकी बेटी के फिल्मों में आने का इंतजार है. लंबे समय से राशा के फिल्मों में आने को लेकर चर्चा हो रही है. वहीं डेब्यू से पहले रवीना ने बेटी को कुछ खास सलाह दी है.हाल ही में एक इंटरव्यू में रवीना ने बताया उन्होंने राशा को ये सलाह दी है कि ऑडियंस ही किंग है, कंटेंट किंग है और ये दर्शक ही हैं जो तय करेंगे कि आप यहां रहने के लिए आए हैं या फिर पैकअप का समय आ गया है. आपको कड़ी मेहनत करने वाला होना है, आपको काबिल होना है, आप जो कर रहे हैं उसको लेकर आपको ईमानदार होना है. और बाकी थोड़-बहुत किस्मत के ऊपर भी होता है.

क्या राम चरण संग डेब्यू करेंगी ?

कुछ समय रिपोर्ट के हवाले से ऐसी खबर सामने आई थी कि राशा बॉलीवुड से नहीं, बल्कि साउथ सिनेमा के जरिए फिल्मों में कदम रखेंगी. कहा जा रहा है थि कि वो राम चरण के अपोजिट नजर आ सकती हैं. हालांकि बाद में एक रिपोर्ट में ऐसा भी बताया गया कि वो अभिषेक कपूर के डायरेक्शन में बनने जा रही एक एक्शन फिल्म के जरिए डेब्यू करेंगी. बताया गया कि इस फिल्म में उनके साथ अजय देवगन के भतीजे अमन देवगन नजर आएंगे. हालांकि आधिकारिक तौर पर अभी इस बारे में कोई भी जानकारी सामने नहीं आई है.बहरहाल, राशा सोशल मीडिया की दुनिया में खूब पॉपुलर हैं. अभी वो इंडस्ट्री में आई भी नहीं हैं और उन्होंने तगड़ी फैन फॉलोइंग कमा ली है और अक्सर लाइमलाइट का हिस्सा रहती हैं. उन्हें इंस्टाग्राम पर 10 लाख से भी ज्यादा लोग फॉलो करते हैं.

सलमान खान के शो 'बिग बॉस' को आंख दिखाने वाले सीरियल 'अनुपमा' के स्टार्स कितना कमाते हैं?

छोटे पर्दे पर जब-जब सलमान खान का रिएलिटी शो बिग बॉस आता है, तो फैन्स अपना-अपना काम छोड़कर इसे देखने लग जाते हैं. इस शो को कई लोग तो महज सलमान खान के लिए भी देखते हैं. हर साल बिग बॉस के नए सीजन का इंतजार किया जाता है. लेकिन क्या आप जानते हैं करोड़ों खर्च करने के बाद भी बिग बॉस के मेकर्स सीरियल अनुपमा को टीआरपी के मामले में पीछे नहीं छोड़ पाते हैं.सीरियल अनुपमा अक्सर टीआरपी की लिस्ट में नंबर 1 की कुर्सी पर ही बैठा हुआ नजर आता है. बिग बॉस 17 पूरे सीजन के दौरान अनुपमा को मात नहीं दे पाया. अनुपमा के लाखों चाहनेवाले हैं. लेकिन क्या आप जानते हैं. इस शो की स्टार कास्ट पर मेकर्स कितना मोटा खर्चा करते हैं. चलिए अनुपना से लेकर अनुज कपाड़िया तक फीस पर एक नजर डालते हैं.

अनुपमा

सीरियल अनुपमा में अनुपमा का लीड रोल निभाने वाली रुपाली गांगुली को दर्शक काफी पसंद करते हैं. उन्होंने अपने काम से लोगों के दिलों में अपनी खास जगह बना ली है. इस शो से रुपाली को वो शोहरत हासिल हुई है, जो पूरे एक्टिंग करियर के दौरान नहीं हुई थी. एक रिपोर्ट की मानें तो रुपाली एक एपिसोड के लिए 3 लाख रुपये चार्ज करती हैं.

अनुज कपाड़िया

अनुपमा के अनुज कपाड़िया उर्फ गौरव खन्ना फीमेल फैन्स के दिलों में धड़कते हैं. गौरव ने अनुज का किरदार बेहद सादगी के साथ निभाकर सभी को काफी इंप्रेस किया है. अपने किरदार के लिए गौरव 1.50 लाख रुपये चार्ज करते हैं. अनुज इस शो की जान भी मानें जाते हैं.

वनराज शाह

अब हीरो और हीरोइन की बात हो रही है, तो शो के विलेन की भी बात करना जरूरी है. वनराज शाह उर्फ सुधांशु पांडे कभी विलेन तो कभी एक बेहतर इंसान के रूप में नजर आते हैं. इस शो में वनराज के किरदार के कई सारे रंग दिखाए गए हैं. सुधांशु पांडे भी एक एपिसोड के लिए 1.50 लाख रुपये की फील लेते हैं.

काव्या

वनराज शाह की दूसरी पत्नी का किरदार निभा रहीं काव्या शाह उर्फ मदालसा शर्मा भी इस शो के साथ शुरुआत से जुड़ी हुई हैं. मदालसा शर्मा के कैरेक्टर के तेवर मेकर्स की कहानी के मोड़ के हिसाब से बदलते रहते हैं. खबरों की मानें तो एक्ट्रेस हर एपिसोड के लिए करीब 30-40 हजार रुपये लेती हैं.

किंजल

अनुपमा की लाडली बहू किंजल का किरदार निभा रहीं निधि शाह को काफी पसंद किया जाता है. दर्शक उन्हें अनुपमा की परछाई के रूप में भी देखते हैं. रिपोर्ट के मुताबिक निधि शाह एक एपिसोड के लिए 32 हजार रुपये वसूलती हैं.

पूनम पांडे

ने उड़ाई मौत की अफवाह तो भड़क गए इरफान खान के बेटे, कह डाली ये बात

पिछले 2 दिनों से पूनम पांडे ने अपनी हरकत से सभी को हैरान कर दिया. उन्होंने सर्विकल कैंसर के प्रति लोगों को जागरूक करने का जो तरीका अपनाया वो किसी को भी रास नहीं आया. एक्ट्रेस ने इसके लिए खुद के मरने की अफवाह फैला दी जिसके बाद सोशल मीडिया पर लोग शॉक्ड रह गए. लेकिन मौती की खबर की अफवाह उड़ाने के 24 घंटे बाद ही वे फिर से जिंदा हो गईं और उन्होंने वीडियो शेयर किया. इसके बाद से ही एक्ट्रेस पर लोग रिएक्ट कर रहे हैं. अब पूनम पर इरफान खान के बेटे बाबिल खान ने भी रिएक्ट किया है.बाबिल खान ने इस बारे में बात करते हुए निराशा और नाराजगी दिखाई. इसी के साथ उन्होंने कहा- मुझे नहीं पाता कि पूनम पांडे की डेथ का ये मैटर क्या था लेकिन मुझे जितना पता है उस बारे में सोचकर अच्छा नहीं लग रहा है. मैं इस बारे में ज्यादा सोचना नहीं चाह रहा लेकिन ये बात मुझे बहुत गुस्सा दिला रही है. अवेयरनेस फैलाने के और भी तरीके होते हैं लेकिन इसका सीधे ये मतलब नहीं है कि आप अपनी मौत की गलत अफवाह उड़ाने लग जाएं. मेरे लिहाज से ये किसी भी तरह की अवेयरनेस फैलाने का सबसे बुरा तरीका था. कृपया कैंसर अवेयरनेस के साथ मजाक ना करें.

क्या था मामला ?

दरअसल हाल ही में साल 2024 का बजट पेश किया गया. इस दौरान हेल्थ सेक्टर में महिलाओं से जुड़े कैंसर सर्विकल कैंसर को रेखांखित किया गया और बजट में इस बार इस कैंसर का जिक्र देखने को मिला. इस दौरान ये खबर आई कि सर्विकल कैंसर से पूनम पांडे का निधन हो गया है. उनके निधन की खबर से सभी शॉक्ड रह गए.

कुछ लोग जहां एक तरफ पूनम के मरने का शोक मनाने लगे तो कुछ लोगों को ये यकीन ही नहीं हो पा रहा था कि पूनम पांडे अब इस दुनिया में नहीं रहीं. बाद में पूनम पांडे ने खुद आकर ये कुबूला कि वे जिंदा हैं और उन्होंने ये नाटक लोगों को सर्विकल कैंसर लोगों को सर्विकल कैंसर के प्रति जागरूक करने के लिए रचा.

पिता की राह पर बाबिल

वहीं बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर इरफान खान के निधन के बाद उनके बेटे बाबिल खान फिल्मों में हाथ आजमा रहे हैं. वे एक-दो प्रोजेक्ट का हिस्सा भी रहे हैं जिन्हें फैंस की तरफ से भी बहुत पसंद किया गया है. उनकी पिछली वेब सीरीज द रेलवे मैन को खूब सराहना मिली. इसमें उनकी एक्टिंग की लोगों ने खूब तारीफ की. फिल्म में बाबिल के अलावा के के मेनन, आर माधवन और दिव्येंदु शर्मा भी नजर आए थे.